प्रथम न्यूज़

PRATHAM NEWS

राष्ट्रीय हिंदी दैनिक

Website: www.prathamnews.in

email:- dainikprathamnews@gmail.com

Pratham News

@dainikprathamnews

जालंधर, वर्षः 16 अंक : 158 | दिनांक : मंगलवार, 09 जून 2026 | सम्पादक : विवेक धीर | सम्पर्कः | 97796-00900 | पन्ने- 8 | मूल्यः ₹ 2.00/- | RNI No l PUNHIN/2010/36540

सुविचार

दूसरों से बेहतर बनने की बजाय, हर दिन खुद से बेहतर बनने का प्रयास कीजिए। यही निरंतर प्रगति का सबसे अच्छा मार्ग है।

भारत ने रचा इतिहास, टेस्ट में दर्ज की सबसे बड़ी जीत ...

» पृष्ठ 7 पर

गरीबों और वंचितों के कल्याण को समर्पित रहे पिछले 12 वर्ष : प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी

अंत्योदय की भावना से संचालित रही विकास यात्रा

» प्रथम न्यूज । नई दिल्ली

08 जून (एजेंसी)

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने कहा है कि पिछले 12 वर्षों में भारत ने कई परिवर्तनकारी बदलावों का अनुभव किया है और इन सभी प्रयासों के केंद्र में गरीबों, वंचितों तथा जरूरतमंद वर्गों का कल्याण रहा है। उन्होंने कहा कि उनकी सरकार अंत्योदय के सिद्धांत से प्रेरित होकर कार्य कर रही है, जिसके तहत विकास का लाभ समाज के अंतिम व्यक्ति तक पहुंचाने का प्रयास किया गया है।

प्रधानमंत्री ने कहा कि सरकार का लक्ष्य केवल आर्थिक विकास तक सीमित नहीं है, बल्कि समाज के कमजोर वर्गों को सशक्त बनाकर उन्हें सम्मानजनक जीवन उपलब्ध कराना भी है। प्रधानमंत्री ने कहा कि बीते 12 वर्षों में केंद्र सरकार द्वारा शुरू की गई विभिन्न जनकल्याणकारी योजनाओं का उद्देश्य गरीबों और जरूरतमंद लोगों के जीवन में सकारात्मक परिवर्तन लाना रहा है।

उन्होंने कहा कि विकास तभी सार्थक माना जा सकता है जब उसका लाभउन लोगों तक पहुंचे जो लंबे समय तक मुख्यधारा के विकास से वंचित रहे हैं। उन्होंने बताया कि सरकार ने ऐसी योजनाओं को प्राथमिकता दी है, जिनसे आम नागरिकों के जीवन स्तर में प्रत्यक्ष सुधार हो और उन्हें बुनियादी सुविधाएं सुलभ हो सकें।

तकनीक ने बढ़ाई पारदर्शिता और दक्षता

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने कहा कि आधुनिक तकनीक गरीबों के सशक्तिकरण का एक प्रभावी माध्यम बनकर उभरी है।

उन्होंने कहा कि डिजिटल प्लेटफॉर्म और डीबीटी व्यवस्था के जरिए सरकारी सहायता सीधे लाभार्थियों के बैंक खातों में पहुंच रही है।

उनके अनुसार, तकनीक के उपयोग से भ्रष्टाचार और बिचौलियों की भूमिका में कमी आई है, जिससे सरकारी योजनाओं का लाभ अधिक पारदर्शी और प्रभावी तरीके से लोगों तक पहुंच रहा है। इससे प्रशासनिक दक्षता बढ़ी है और शासन व्यवस्था के प्रति जनता का विश्वास भी मजबूत हुआ है।

प्रधानमंत्री ने कहा कि गरीब कल्याण के लिए शुरू की गई पहले अब केवल सरकारी योजनाएं नहीं रह गई हैं, बल्कि वे मानव सशक्तिकरण का व्यापक अभियान बन चुकी हैं। इन प्रयासों ने लाखों परिवारों को नई संभावनाएं प्रदान की हैं और उन्हें आत्मनिर्भर बनने का अवसर दिया है। उन्होंने कहा कि सामाजिक और आर्थिक रूप से सशक्त नागरिक ही विकसित भारत की मजबूत नींव तैयार कर सकते हैं। प्रधानमंत्री ने विश्वास जताया कि गरीबों और वंचितों के उत्थान के लिए किए जा रहे प्रयास देश को विकसित भारत के लक्ष्य की ओर तेजी से आगे बढ़ाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएंगे। उन्होंने कहा कि सरकार का फोकस समावेशी विकास पर है, ताकि कोई भी व्यक्ति विकास की प्रक्रिया से पीछे न रह जाए।

जनकल्याणकारी योजनाओं से मजबूत हुई सामाजिक सुरक्षा

प्रधानमंत्री ने कहा कि जन धन योजना, प्रत्यक्ष लाभ हस्तांतरण (डीबीटी), स्वच्छ भारत मिशन, प्रधानमंत्री आवास योजना, जल जीवन मिशन और आयुष्मान भारत जैसी योजनाओं ने समाज के कमजोर वर्गों को सशक्त बनाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है।

उन्होंने कहा कि इन योजनाओं के माध्यम से करोड़ों लोगों को बैंकिंग सेवाओं, स्वास्थ्य सुविधाओं, आवास, स्वच्छता और स्वच्छ पेयजल जैसी मूलभूत सुविधाओं का लाभ मिला है। इससे न केवल उनकी जीवन गुणवत्ता में सुधार हुआ है, बल्कि सामाजिक सुरक्षा का दायरा भी व्यापक हुआ है।

गरीब कल्याण योजना मोदी सरकार की सर्वोच्च प्राथमिकता : अमित शाह

केंद्रीय गृह एवं सहकारिता मंत्री अमित शाह ने सोमवार को मोदी सरकार की नीतियों की सराहना करते हुए कहा कि गरीब कल्याण योजना हमेशा से सरकार की सर्वोच्च प्राथमिकता रही है। अमित शाह ने एक्स पर लिखा, सरकार ने इन 12 वर्षों में करोड़ों नागरिकों को अन योजना, प्रधानमंत्री आवास, जन-धन, मुद्रा लोन, प्रधानमंत्री स्वनिधि जैसी कल्याणकारी योजनाओं के जरिए बैंकिंग सुविधा, वित्तीय सुरक्षा और स्वरोजगार के अवसरों से जोड़ा है। इसके अलावा, बुनियादी सुविधाओं, सामाजिक सुरक्षा और बेहतर जीवन स्तर के जरिए देश के गरीबों को आर्थिक मुख्यधारा से जोड़कर विकसित भारत की मजबूत नीव का निर्माण किया जा रहा है।

संक्षिप्त न्यूज

होर्मुज में जहाज पर हमले में फंसे 24 भारतीय

नई दिल्ली (एजेंसी) – ईरान और इजरायल ने 2 महीने के सीजफायर में पहली बार एक-दूसरे पर हमला किया है और इससे पूरे मिडिल ईस्ट में तनाव बढ़ गया है। इस तनाव के लपटें अब एक बार फिर होर्मुज में देखने को मिल रही है। अब इस इलाके से गुजर रहे एक जहाज पर हमला हुआ है और उस जहाज पर 24 भारतीय नाविक फंसे हुए हैं। फॉरवर्ड सीमेंस यूनियन ऑफ इंडिया ने अपने ङ्ग हैंडल वीडियो शेयर करते हुए बताया कि ओमान तट के पास यह 24 भारतीय नाविक इंडियन नेवी की फौरन मदद मांग रहे हैं। इस वीडियो में दिख रहा है कि जहाज से काला धुआं उठ रहा है। बता दें कि दुनिया में तेल व्यापार का सबसे अहम रास्ता माना जाता है। यहां से दुनिया के कुल तेल व्यापार का 20 प्रतिशत हिस्सा गुजरता है।

इस हमले से इतर रूस में ईरान के राजदूत काजेम जालाली ने कहा है कि स्ट्रेट ऑफ होर्मुज को बंद नहीं किया जाएगा, लेकिन यहां नई शर्तें लागू होगीं, जिनमें ट्रांजिट शुल्क (टोल) भी शामिल हो सकता है। रूस के अखबार इजवेस्टिया को दिए इंटरव्यू में (सोमवार को प्रकाशित) जालाली ने कहा, होर्मुज निश्चित रूप से खुला रहेगा, लेकिन इसकी नई शर्तें ईरान और ओमान के अधिकारी तय करेंगे।

उन्होंने आगे कहा, हम समझते हैं कि ईरान और ओमान इस स्ट्रेट से जुड़ी कुछ सेवाएं प्रदान करते हैं, और उन सेवाओं के लिए शुल्क लिया जाएगा। हालांकि उन्होंने इस बारे में विस्तार से जानकारी नहीं दी है।

पाकिस्तान ने भारतीयों के लिए जारी किया वीजा, शहीदी दिवस पर गुरुद्वारा डेरा साहिब के कर सकेंगे दर्शन

नई दिल्ली (ब्यूरो)– पाकिस्तानी उच्चायोग ने सोमवार (8 जून 2026) को एक आधिकारिक बयान जारी कर पुष्टि की है। भारत से पाकिस्तान के पवित्र सिख गुरुद्वारों के दर्शन करने जाने वाले तीर्थयात्रियों के लिए एक बड़ी और अच्छी खबर है। नई दिल्ली स्थित पाकिस्तान उच्चायोग ने भारतीय सिख श्रद्धालुओं को कुल 737 वीजा जारी किए हैं। ये श्रद्धालु 10 से 19 जून 2026 तक पाकिस्तान में आयोजित होने वाले सालाना उत्सव में शामिल होने जा रहे हैं। यह वार्षिक समारोह सिख धर्म के पांचवें गुरु, श्री गुरु अर्जुन देव जी के शहीदी दिवस की पूर्व संध्या पर आयोजित किया जा रहा है। पाकिस्तानी उच्चायोग ने सोमवार (8 जून 2026) को एक आधिकारिक बयान जारी कर इस बात की पुष्टि की है। इस फैसले के बाद उन सैकड़ों श्रद्धालुओं का रास्ता साफ हो गया है, जो लंबे समय से इस ऐतिहासिक और आध्यात्मिक यात्रा का इंतजार कर रहे थे।

दुबई में हाईवे पर खड़ी ट्रक से टकराई तेज रफ्तार मिनीबस, 7 भारतीय श्रमिकों की मौत

दुबई (एजेंसी)– दुबई के एक हाईवे पर मिनीबस और ट्रक के बीच हुई भीषण टक्कर में सात भारतीय श्रमिकों की मौत हो गई। जबकि नौ अन्य गंभीर रूप से घायल हो गए। यह हादसा उस वक्त हुआ जब एक व्यस्त सड़क के बीचों-बीच तकनीकी खराबी के कारण रुके हुए ट्रक में पीछे से आ रही तेज रफ्तार मिनीबस ने जोरदार टक्कर मार दी। इस हादसे की पुष्टि खुद दुबई पुलिस और भारतीय वाणिज्य दूतावास ने की है।

दुबई में मौजूद भारतीय दूतावास ने इस घटना पर गहरा दुख जताया है। दूतावास ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म X पर एक पोस्ट साझा करते हुए कहा, दुबई में हुए इस दर्दनाक सड़क हादसे से हमें गहरा दुख पहुंचा है, जिसमें कई भारतीय श्रमिकों ने अपनी जान गंवा दी। दूतावास ने आगे बताया कि वे स्थानीय अधिकारियों के साथ लगातार संपर्क में हैं और प्रभावितों को हर संभव सहायता और सहयोग देने के लिए जमीन पर काम कर रहे हैं।

फिलीपींस में 7.8 तीव्रता का भूकंप, 31 की मौत; कई इमारतें ढहीं

मिंडानाओ में भूकंप से भारी तबाही, सुनामी अलर्ट के बाद दहशत

» प्रथम न्यूज । मनीला

08 जून (एजेंसी)

फिलीपींस के दक्षिणी क्षेत्र मिंडानाओ द्वीप के पास सोमवार सुबह आए 7.8 तीव्रता के शक्तिशाली भूकंप ने व्यापक तबाही मचा दी। इस प्राकृतिक आपदा में अब तक कम से कम 31 लोगों की मौत हो चुकी है, जबकि 134 से अधिक लोग घायल बताए जा रहे हैं। भूकंप के झटकों से कई इमारतें, अस्पताल और अन्य ढांचे क्षतिग्रस्त हो गए हैं। कई स्थानों पर भवन ढह गए, जिनमें एक स्कूल भवन भी शामिल है।

अमेरिकी भूवैज्ञानिक सर्वेक्षण (स्त्रस) और फिलीपीन अधिकारियों के अनुसार भूकंप का केंद्र मिंडानाओ क्षेत्र के निकट था। मुख्य झटके के बाद एक घंटे से अधिक समय तक लगातार आफ्टरशॉक्स महसूस किए गए, जिससे लोगों में दहशत का माहौल बना रहा।

भूकंप के बाद लोग घरों और कार्यालयों से बाहर निकलकर खुले स्थानों में शरण लेने को मजबूर हो गए।

करीब 7.22 लाख आबादी वाले जनरल सेंटोस शहर को सबसे अधिक नुकसान पहुंचा है। सोशल मीडिया पर सामने आई तस्वीरों और वीडियो में कई इमारतें क्षतिग्रस्त दिखाई दे रही हैं। एक तीन मंजिला भवन, जिसमें जॉलीबी फास्ट फूड रेस्टोरेंट संचालित था, पूरी तरह ढह गया। वहीं सेंट एलिजाबेथ अस्पताल को भी भारी नुकसान पहुंचा, जिसके बाद मरीजों और चिकित्सा कर्मियों को सुरक्षित स्थानों पर स्थानांतरित किया गया। भूकंप के बाद फिलीपींस, इंडोनेशिया और जापान सहित कई देशों में सुनामी की चेतावनी जारी की गई। फिलीपींस के कुछ तटीय इलाकों में लगभग तीन फीट ऊंची लहरें दर्ज की गईं, जबकि इंडोनेशिया के कई क्षेत्रों में छोटी सुनामी लहरें देखी गईं। हालांकि बाद में अधिकांश क्षेत्रों के लिए चेतावनी वापस ले ली गई।

राष्ट्रपति फेर्डिनेंड मार्कोस जूनियर ने राहत एवं बचाव एजेंसियों को तत्काल सक्रिय करने के निर्देश दिए हैं। प्रभावित क्षेत्रों में स्कूल बंद कर दिए गए हैं। प्रशासन ने लोगों से समुद्र तटों से दूर रहने और संभावित आफ्टरशॉक्स के प्रति सतर्क रहने की अपील की है। राहत एवं बचाव कार्य जारी हैं और मृतकों की संख्या बढ़ने की आशंका जताई जा रही है।

हिमाचल के ग्रामीण इलाकों को मिली बड़ी सौगात

मुख्यमंत्री सुक्खू ने 4 अत्याधुनिक एम्बुलेंस को दिखाई हरी झंडी

» प्रथम न्यूज । शिमला

08 जून (एएम नाथ)

हिमाचल प्रदेश के मुख्यमंत्री सुखविंदर सिंह सुक्खू ने सोमवार को अपने सरकारी आवास ओकओवर से चार अत्याधुनिक एम्बुलेंस को हरी झंडी दिखाकर रवाना किया। इन एम्बुलेंसों का उद्देश्य प्रदेश के दूरदराज़ और ग्रामीण क्षेत्रों में स्वास्थ्य सेवाओं को और अधिक सुलभ एवं प्रभावी बनाना है।

ये एम्बुलेंस HDFC Bank द्वारा अपनी कॉर्पोरेट सामाजिक उत्तरदायित्व (CSR) योजना के तहत राज्य सरकार को उपलब्ध करवाई गई हैं। इन्हें विशेष रूप से सुजानपुर, भोरंज, नादौन और देहरा विधानसभा क्षेत्रों में तैनात किया जाएगा, जहां भौगोलिक चुनौतियों के कारण समय पर चिकित्सा सुविधा उपलब्ध कराना अक्सर कठिन होता है।

मुख्यमंत्री सुक्खू ने इस पहल के लिए एचडीएफसी बैंक का आभार व्यक्त करते हुए कहा कि ग्रामीण और जरूरतमंद क्षेत्रों तक समय पर स्वास्थ्य सेवाएं पहुंचाना राज्य सरकार की प्राथमिकता है। उन्होंने कहा कि ये आधुनिक एम्बुलेंस आपातकालीन परिस्थितियों में मरीजों को नजदीकी स्वास्थ्य केंद्रों तक तेजी और सुरक्षित तरीके से पहुंचाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएंगी।

मुख्यमंत्री ने कहा कि यह पहल विशेष रूप से उन क्षेत्रों के लोगों के लिए लाभकारी साबित होगी, जहां अस्पतालों तक पहुंचने में लंबा समय लगता है। इससे आपातकालीन चिकित्सा सेवाओं की उपलब्धता में सुधार होगा और मरीजों को समय रहते उपचार मिल सकेगा।

इस अवसर पर स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्री डॉ. धनी राम शांडिल, मुख्य संसदीय सचिव एवं विधायक संजय अवस्थी, विधायक अनुराधा राणा और हरीश सहित कई जनप्रतिनिधि एवं वरिष्ठ अधिकारी मौजूद रहे।

मान सरकार ने 355 युवाओं को दिए नियुक्ति पत्र

योग्यता आधारित भर्ती का दावा, पंजाब में 67 हजार से अधिक युवाओं को मिला रोजगार

» प्रथम न्यूज । चंडीगढ़

08 जून (एएम नाथ)

पंजाब के मुख्यमंत्री भगवंत सिंह मान ने 355 युवाओं को नियुक्ति पत्र सौंपते हुए कहा कि उनकी सरकार बनने के बाद अब तक राज्य में 67,037 सरकारी नौकरियां दी जा चुकी हैं। उन्होंने कहा कि सभी नियुक्तियां पूरी तरह योग्यता, पारदर्शिता और निष्पक्ष प्रतियोगिता के आधार पर की गई हैं तथा भर्ती प्रक्रिया में किसी भी प्रकार की सिफारिश, राजनीतिक हस्तक्षेप या भ्रष्टाचार को स्थान नहीं दिया गया।

नियुक्ति पत्र वितरण समारोह को संबोधित करते हुए मुख्यमंत्री ने कहा कि देश में नीट सहित विभिन्न परीक्षाओं के पेपर लीक होने की घटनाओं ने युवाओं का भरोसा कमजोर किया है। उन्होंने दावा किया कि वर्ष 2017 से देशभर में 93 पेपर लीक की घटनाएं सामने आई हैं, जबकि पंजाब में 2022 से अब तक एक भी पेपर लीक का मामला दर्ज नहीं हुआ। मुख्यमंत्री ने कहा कि राज्य सरकार रोजगार सृजन के साथ-साथ युवाओं को पंजाब में ही बेहतर भविष्य बनाने के अवसर प्रदान कर रही है। उन्होंने बताया कि 65,000 से अधिक ठेका कर्मचारियों को नियमित करने की दिशा में सरकार काम कर रही है और इसके लिए आवश्यक कानूनी प्रक्रिया शुरू की जा रही है। तकनीकी शिक्षा और कौशल विकास को बढ़ावा देने के लिए सरकार 25 नई औद्योगिक प्रशिक्षण संस्थान (आईटीआई) स्थापित कर रही है, जबकि 13 मौजूदा आईटीआई का आधुनिकीकरण किया जा रहा है। इसके अलावा सरकारी पॉलिटेक्निक कॉलेजों के उन्नयन और कौशल विकास परियोजनाओं पर करोड़ों रुपये निवेश किए जा रहे हैं। मुख्यमंत्री ने शिक्षा क्षेत्र में सुधारों का उल्लेख करते हुए कहा कि राज्य में 118 स्कूल ऑफ एमिनेंस स्थापित किए गए हैं, जहां विद्यार्थियों को आधुनिक शिक्षा और प्रतियोगी परीक्षाओं की विशेष तैयारी करवाई जा रही है। उन्होंने नव-नियुक्त कर्मचारियों से ईमानदारी, समर्पण और जनसेवा की भावना के साथ कार्य करने का आह्वान करते हुए कहा कि ये युवा खुशहाल और रंगला पंजाब के निर्माण में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएंगे।

प्रथम न्यूज
राष्ट्रीय हिंदी दैनिक
पंजाब न्यूज
Website : www.prathamnews.in

संक्षिप्त न्यूज

अमृतसर पुलिस ने अंतरराष्ट्रीय हथियार तस्करी का किया पर्दाफाश, चार गिरफ्तार

अमृतसर (साहिब दयाल)- अमृतसर पुलिस को संगठित अपराध और अवैध हथियार तस्करी के खिलाफ बड़ी सफलता मिली है। पुलिस ने सीमा पार संचालित किए जा रहे एक कथित अवैध हथियार तस्करी और हवाला नेटवर्क का पर्दाफाश करते हुए एक अफगान नागरिक सहित चार आरोपियों को गिरफ्तार किया है। कार्रवाई के दौरान पुलिस ने आठ अत्याधुनिक पिस्तौल और सात जिंदा कारतूस भी बरामद किए हैं।

पुलिस अधिकारियों के अनुसार प्रारंभिक जांच में सामने आया है कि गिरफ्तार आरोपी एक विदेशी तस्कर के संपर्क में थे। आरोप है कि विदेशी तस्कर की ओर से अवैध हथियारों की खेप गुप्त ड्रॉप प्वाइंट के माध्यम से पंजाब तक पहुंचाई जाती थी। इसके बाद इन हथियारों को आपराधिक तत्वों तक पहुंचाया जाता था, जहां से आगे उनका वितरण किया जाता था।

हवाला लेन-देन के संकेत भी मिले - जांच एजेंसियों को आशंका है कि यह नेटवर्क केवल हथियारों की तस्करी तक सीमित नहीं था, बल्कि हवाला लेनदेन के जरिए आर्थिक गतिविधियां भी संचालित कर रहा था। पुलिस अब इस नेटवर्क के वित्तीय लेनदेन और उससे जुड़े अन्य लोगों की भूमिका की भी जांच कर रही है।

पुलिस ने बताया कि मामले में इस्लामाबाद और गेट हकीमा थाना क्षेत्रों में अलग-अलग प्राथमिकी दर्ज की गई हैं। गिरफ्तार आरोपियों से पूछताछ जारी है और उनसे मिले सुरागों के आधार पर नेटवर्क के अन्य सदस्यों तक पहुंचने का प्रयास किया जा रहा है।

विश्व पर्यावरण दिवस पर सरकारी कॉलेज गुरदासपुर में सेमिनार, वृक्षारोपण मुहिम का शुभारंभ

गुरदासपुर (संदीप सन्नी)- विश्व पर्यावरण दिवस के अवसर पर सरकारी कॉलेज गुरदासपुर में पर्यावरण संरक्षण और प्रकृति के प्रति जागरूकता बढ़ाने के उद्देश्य से एक विशेष सेमिनार का आयोजन किया गया। कॉलेज के रैड रिबन क्लब, आंतरिक गुणवत्ता आश्वासन सेल (आईक्यूएसी) तथा इंस्टीट्यूशंस इनोवेशन काउंसिल के संयुक्त तत्वावधान में आयोजित इस कार्यक्रम के दौरान वृक्षारोपण अभियान की भी शुरुआत की गई। कार्यक्रम का मुख्य विषय प्रकृति से प्रेरित, जलवायु और भविष्य के लिए रहा।

कार्यक्रम की शुरुआत प्रोफेसर सीमा महाजन ने की। सेमिनार को संबोधित करते हुए कॉलेज के प्रिंसिपल डॉ. अश्वनी भल्ला ने कहा कि पर्यावरण संरक्षण केवल सरकारों या वैज्ञानिकों की जिम्मेदारी नहीं है, बल्कि यह प्रत्येक नागरिक का धार्मिक, नैतिक और सामाजिक कर्तव्य है। उन्होंने कहा कि मानव जीवन, स्वास्थ्य और विकास पूरी तरह प्रकृति पर निर्भर हैं और यदि आज पर्यावरण की सुरक्षा के लिए ठोस कदम नहीं उठाए गए तो आने वाली पीढ़ियों को गंभीर चुनौतियों का सामना करना पड़ेगा।

डॉ. भल्ला ने जलवायु परिवर्तन, बढ़ते प्रदूषण, प्लास्टिक कचरे, वनों की कटाई और प्राकृतिक संसाधनों के अत्यधिक दोहन पर चिंता व्यक्त की। उन्होंने विशेष रूप से पंजाब में गिरते भू-जल स्तर, पराली जलाने की समस्या और रासायनिक उर्वरकों के अधिक उपयोग के दुष्प्रभावों का उल्लेख किया। उन्होंने युवाओं से पर्यावरण संरक्षण अभियान में अग्रणी भूमिका निभाने का आह्वान किया।

उन्होंने विद्यार्थियों को हर वर्ष कम से कम एक पौधा लगाने और उसकी देखभाल करने, सिंगल-यूज प्लास्टिक का बहिष्कार करने, पानी और बिजली की बचत करने तथा स्वच्छता अभियानों में सक्रिय भागीदारी निभाने का संकल्प दिलाया। उन्होंने कहा कि कॉलेज का प्रत्येक विद्यार्थी समाज में ग्रीन एम्बेसडर की भूमिका निभा सकता है।

इस अवसर पर प्रोफेसर सुगंधी महाजन ने विश्व पर्यावरण दिवस की थीम के महत्व और उसके व्यावहारिक पहलुओं पर प्रकाश डाला। कार्यक्रम के अंत में विद्यार्थियों और शिक्षकों ने कॉलेज परिसर में पौधारोपण कर पर्यावरण संरक्षण का संदेश दिया। इस मौके पर वाइस प्रिंसिपल डॉ. करनजीत शर्मा, डॉ. सरबजीत सिंह सहित कॉलेज का स्टाफ और बड़ी संख्या में विद्यार्थी उपस्थित रहे।

भाजपा ने किसान विरोधी कानून थोपे, अकालियों ने धर्म का दुरुपयोग किया : भगवंत मान

कहा, अकाली-भाजपा गठबंधन सत्ता की भूख का नतीजा, पंजाबी नहीं आएंगे झांसे में, 2022 में लोगों ने लूट की राजनीति को नकारकर ईमानदार सरकार चुनी : मुख्यमंत्री

» प्रथम न्यूज । रोपड़
08 जून (एएम नाथ)

पंजाब के मुख्यमंत्री भगवंत सिंह मान ने रविवार को रोपड़ जिले के गांव बड़वा में आयोजित एक जनसभा को संबोधित करते हुए भाजपा, कांग्रेस और अकाली दल पर तीखा हमला बोला। उन्होंने कहा कि पंजाब के लोगों ने वर्ष 2022 के विधानसभा चुनाव में सात पूर्व मुख्यमंत्रियों और उनके परिवारों को सत्ता से बाहर कर ईमानदार सरकार में भरोसा जताया था। उन्होंने दावा किया कि कांग्रेस, भाजपा और अकाली दल के पास पंजाब के विकास का कोई ठोस एजेंडा नहीं है और उनकी राजनीति केवल सत्ता तथा निजी हितों तक सीमित है।

मुख्यमंत्री ने आरोप लगाया कि भाजपा ने किसान विरोधी कृषि कानून थोपे, जिनके खिलाफ हुए आंदोलन में 700 से अधिक किसानों ने जान गंवाई।

उन्होंने कहा कि अकाली दल ने समय-समय पर राजनीतिक लाभ के लिए धर्म का दुरुपयोग किया है। अकाली दल और भाजपा के संभावित गठबंधन पर निशाना साधते हुए मान ने कहा कि यह गठबंधन केवल सत्ता हासिल करने की अवसरवादी कोशिश है और पंजाब के लोग इसे पूरी तरह नकार देंगे।

मान ने कहा कि उनकी सरकार पंजाब के सर्वांगीण विकास और जनकल्याण के लिए प्रतिबद्ध है। उन्होंने दावा किया कि करदाताओं के पैसे का एक-एक रुपया लोगों की भलाई पर खर्च किया जा रहा है, जबकि पिछली सरकारों में सरकारी संसाधनों का इस्तेमाल सत्ता में बैठे लोगों की सुविधाओं के लिए होता था। मुख्यमंत्री ने कहा कि उनकी सरकार जनता के बीच रहकर काम करती है और लोगों की समस्याओं का समाधान प्राथमिकता के आधार पर किया जा रहा है।

उन्होंने कहा कि विपक्षी दल पंजाब की प्रगति को बर्दाश्त नहीं कर पा रहे क्योंकि अब राज्य में लूट और विशेषाधिकार की राजनीति की जगह जनहित और जवाबदेही की राजनीति ने ले ली है। मुख्यमंत्री ने भरोसा जताया कि पंजाब के लोग भविष्य में भी विकास और ईमानदार शासन की राजनीति का समर्थन करेंगे।

'मेरी रसोई' योजना के तहत चेयरमैन रवि शंकर ने जरुरतमंद परिवारों को दी राशन किटें

» प्रथम न्यूज । अमृतसर
08 जून (साहिब दयाल)

जरूरतमंद परिवारों की रसोई का खर्च कम करने और उन्हें आवश्यक खाद्य सामग्री उपलब्ध करवाने के उद्देश्य से पंजाब सरकार द्वारा शुरू की गई 'मेरी रसोई' योजना के तहत हल्का पश्चिमी से विधायक डॉ. जसबीर सिंह संधू के आदेश अनुसार खाद्य एवं सिविल सप्लाई में नव नियुक्त चेयरमैन तथा आप एससी विंग के जिला प्रधान भगत रवि शंकर ने वार्ड नंबर 71 ढप्पई में लाभार्थी परिवारों को राशन किटें वितरित की। इस अवसर पर बड़ी संख्या में स्थानीय निवासी और योजना के लाभार्थी उपस्थित हुए। चेयरमैन रवि शंकर ने कहा कि मुख्यमंत्री भगवंत सिंह मान के नेतृत्व वाली पंजाब सरकार आम लोगों के जीवन स्तर को बेहतर बनाने के लिए लगातार जनकल्याणकारी योजनाएं लागू कर रही है। उन्होंने कहा कि सरकार का उद्देश्य केवल योजनाएं शुरू करना नहीं, बल्कि उनका लाभ वास्तविक जरूरतमंदों तक पहुंचाना है। 'मेरी रसोई' योजना इसी सोच का परिणाम है, जिससे लाखों परिवारों को प्रत्यक्ष राहत मिलेगी। उन्होंने बताया कि इस योजना के अंतर्गत वितरित की जा रही राशन किट में 2 किलो चने की दाल, 2 किलो चीनी, 1 किलो नमक, 200 ग्राम हल्दी और 1 लीटर सरसों का तेल शामिल है। विशेष बात यह है कि लाभार्थी परिवारों को प्रत्येक तीन माह बाद ऐसी राशन किट उपलब्ध करवाई जाएगी, जिससे घरेलू खर्च का बोझ कम होगा और परिवारों को नियमित सहायता मिलती रहेगी। चेयरमैन रवि शंकर ने कहा कि पंजाब सरकार पहले ही 600 यूनिट तक मुफ्त बिजली, बेहतर स्वास्थ्य सुविधाएं और गुणवत्तापूर्ण शिक्षा जैसी सेवाएं लोगों तक पहुंचा रही है। उन्होंने बताया कि जिले के लाखों परिवार 'मेरी रसोई' योजना से लाभान्वित होंगे, जबकि पूरे पंजाब में करीब 40 लाख 85 हजार परिवारों को इसका फायदा मिलेगा। योजना के प्रभावी क्रियान्वयन के लिए राज्य सरकार ने 900 करोड़ रुपये का बजट निर्धारित किया है। इस अवसर पर लाभार्थियों ने सरकार की इस पहल का स्वागत करते हुए कहा कि योजना से रसोई का खर्च कम करने में सहायता मिलेगी।

गुरु नाभादास कमेटी मैंबर, भगत कबीर शोभायात्रा में शामिल संगत को ठंडा मीठा जल पिलाने की सेवा करेंगे

अमृतसर (साहिब दयाल) छोटा हरिपुरा में स्थित गोस्वामी श्री गुरु नाभा दास मंदिर कमेटी के प्रधान गौरव कलोतरा और कार्यकारी प्रबंधक सुरेन्द्र कुमार शहरिया की अध्यक्षता में बीते रविवार को मीटिंग का आयोजन किया गया। मीटिंग में 28 जून को भगत कबीर जी के प्रकाश दिवस को समर्पित भगत समाज द्वारा शहर में निकाली जा रही विशाल शोभायात्रा का भव्य स्वागत करने का तथा मंदिर कमेटी की और से ठंडा मीठा जल (छबील) संगत को पिलाने का फैसला लिया गया। इस मौके पर सुरिंदर कुमार शहरिया ने कहा कि यह बहुत ही सराहनीय और सेवापूर्ण कार्य है। भगत कबीर जी के प्रकाशोत्सव (28 जून) के उपलक्ष्य में निकाली जाने वाली शोभायात्रा में संगत के लिए ठंडा और मीठा जल पिलाने से न केवल गर्मी से राहत मिलेगी, बल्कि यह आपसी भाईचारे और निस्वार्थ सेवा का एक बड़ा उदाहरण भी प्रस्तुत करेगा। इस मौके पर मंदिर कमेटी प्रधान गौरव कलोतरा, कार्यकारी प्रबंधक सुरिंदर कुमार सहरिया, किरण कुमार, अवतार सिंह, ओम प्रकाश, रवि कुमार, हरबंस लाल हाजिर थे।

ईसाई समुदाय को बदनाम करने की कोशिशें बर्दाश्त नहीं की जाएंगी: ईसाई संगठन

आरोपियों की गिरफ्तारी न होने पर होगा थाना का घेराव - पीटर चीड़ा

» प्रथम न्यूज । शैली अल्बर्ट
08 जून (डोगरा)

बीते दिनों एक जून को थाना बस्ती बावा खेल, जालंधर के अंतर्गत एक घर में चल रही प्रार्थना सभा के दौरान कुछ शरारती तत्वों द्वारा कथित रूप से व्यवधान उत्पन्न किए जाने और वहां मौजूद महिलाओं के खिलाफ अभद्र भाषा का प्रयोग किए जाने के मामले को लेकर पंजाब क्रिश्चियन यूथ फेलोशिप ने कड़ा रोष व्यक्त किया है।

इसी संबंध में आज पंजाब क्रिश्चियन यूथ फेलोशिप का एक प्रतिनिधिमंडल पुलिस कमिश्नर कार्यालय, जालंधर पहुंचा और पुलिस कमिश्नर के नाम एक मांग-पत्र सौंपा। मांग-पत्र में घटना में शामिल शरारती तत्वों के खिलाफ तत्काल कार्रवाई और गिरफ्तारी की मांग की गई।

फेलोशिप के संस्थापक सरबजीत राज ने कहा कि घटना के दौरान कैमरों के सामने खुलेआम हंगामा किया गया, लेकिन आरोपियों को गिरफ्तार करने के बजाय प्रार्थना सभा में मौजूद ईसाई महिलाओं को हिरासत में लिया गया। उन्होंने संबंधित पुलिस अधिकारियों को तत्काल निलंबित करने की मांग भी की।

सरबजीत राज ने कहा कि जब भी पंजाब में ईसाई समुदाय के साथ कोई घटना घटती है, तब प्रशासन की ओर से केवल आश्वासन दिए जाते हैं। उन्होंने आरोप लगाया कि बस्ती बावा खेल मामले में भी पुलिस द्वारा कार्रवाई को टालने का प्रयास किया जा रहा है। उन्होंने चेतावनी दी कि यदि दोषियों के खिलाफ जल्द कार्रवाई नहीं की गई तो पंजाब क्रिश्चियन यूथ फेलोशिप थाना बस्ती बावा खेल का घेराव करेगी, जिसकी जिम्मेदारी स्थानीय पुलिस प्रशासन की होगी।

इस मामले को लेकर ईसाई संगठनो ने भी कहा कि ईसाई समुदाय को बदनाम करने की कोशिशें बर्दाश्त नहीं की जाएंगी !

फेलोशिप के पदाधिकारियों ने पीडति परिवार से भी मुलाकात की। इस दौरान कनाडा में मौजूद सरबजीत राज ने फोन पर परिवार से बातचीत कर उन्हें न्याय दिलाने और हर संभव सहयोग देने का भरोसा दिया। मामले का जायजा लेने के लिए पंजाब क्रिश्चियन यूथ फेलोशिप के चेयरमैन पीटर चीड़ा, पंजाब प्रधान जग्गा गुरदासपुरिया, जिला प्रधान अमृतसर विलियम जट्टा, सुख तलवंडी, उपप्रधान गौरव मसीह, उपप्रधान लूका, पास्टर विंग के उपप्रधान पास्टर मलूक संधू सहित अन्य पास्टर एवं नेता उपातीत थे !

प्राकृतिक संसाधनों के संरक्षण को लेकर गांव शेखूपुरा में जागरूकता कार्यक्रम आयोजित

» प्रथम न्यूज । गुरदासपुर
08 जून (संदीप सन्नी)

पंजाब एग्रीकल्चरल यूनिवर्सिटी (पीएयू) के क्षेत्रीय अनुसंधान केंद्र, गुरदासपुर द्वारा गांव शेखूपुरा में प्राकृतिक संसाधनों के संरक्षण और टिकाऊ कृषि को बढ़ावा देने के उद्देश्य से एक विशेष जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम में शेखूपुरा तथा आसपास के गांवों के 60 से अधिक किसानों ने भाग लेकर कृषि विशेषज्ञों से आधुनिक खेती संबंधी महत्वपूर्ण जानकारी प्राप्त की।

कार्यक्रम का उद्घाटन केंद्र के निदेशक डॉ. एच.एस. रंधावा ने किया। उन्होंने किसानों को टिकाऊ खेती अपनाने, कीटनाशकों का सीमित उपयोग करने तथा एकीकृत कीट प्रबंधन तकनीकों को अपनाने की सलाह दी। उन्होंने कहा कि प्राकृतिक संसाधनों के संरक्षण के बिना कृषि का भविष्य सुरक्षित नहीं रह सकता। साथ ही उन्होंने किसानों को अपने बच्चों को कृषि शिक्षा और व्यावसायिक प्रशिक्षण से जोड़ने के लिए प्रेरित किया।

कृषि अर्थशास्त्री डॉ. एन.डी. सिंह ने किसानों को खेती की लागत कम करने और आय बढ़ाने के लिए डेयरी, बागवानी जैसे सहायक व्यवसाय अपनाने की सलाह दी। उन्होंने कृषि रिकॉर्ड और आय-व्यय का नियमित लेखा-जोखा रखने पर भी जोर दिया।

मृदा वैज्ञानिक डॉ. जगदीश सिंह ने मिट्टी की उर्वरता बनाए रखने के लिए संतुलित उर्वरक उपयोग, नियमित मिट्टी परीक्षण और जैविक खादों के प्रयोग को आवश्यक बताया। वहीं फल वैज्ञानिक डॉ. सरवप्रिया सिंह ने फसल विविधीकरण और बागवानी को किसानों की आय बढ़ाने का प्रभावी माध्यम बताया।

कृषि मौसम वैज्ञानिक डॉ. नवनीत कौर ने जलवायु परिवर्तन और बदलते मौसम के प्रभावों की जानकारी देते हुए किसानों को मौसम आधारित कृषि प्रबंधन अपनाने की सलाह दी। पशु वैज्ञानिक डॉ. अंकुश प्रोच ने डेयरी फार्मिंग से जुड़ी समस्याओं और उनके समाधान पर विस्तार से चर्चा की।

कार्यक्रम के दौरान किसानों ने मिट्टी की जांच, पोषक तत्व प्रबंधन तथा फसलों में लगने वाले कीट एवं रोगों से संबंधित प्रश्न पूछे, जिनका विशेषज्ञों ने संतोषजनक उत्तर दिया। अंत में किसानों को कृषि संबंधी साहित्य वितरित किया गया और प्राकृतिक संसाधनों के संरक्षण हेतु जागरूक रहने का आह्वान किया गया।

खालसा यूनिवर्सिटी के पाठ्यक्रम फ्रेमवर्क कार्यशाला में चितकारा यूनिवर्सिटी के सीनियर अधिकारी हुए शामिल

» प्रथम न्यूज । अमृतसर
08 जून (साहिब दयाल)

खालसा यूनिवर्सिटी और चितकारा यूनिवर्सिटी के संयुक्त सहयोग से बीए बीएससीबीएड (आईटीईपी) पाठ्यक्रम फ्रेमवर्क पर एक दिवसीय कार्यशाला आयोजित की गई। खालसा यूनिवर्सिटी के कुलपति डॉ. महल सिंह के दिशा-निर्देशों के तहत आयोजित इस कार्यशाला में यूनिवर्सिटी के रजिस्ट्रार डॉ. खुशविंदर कुमार के अलावा चितकारा यूनिवर्सिटी से मनोविज्ञान एवं शिक्षा कार्यक्रम की प्रो-वाइस चांसलर प्रो. संगीता पंत, क्वालिटी एश्योरेंस के प्रो-वाइस चांसलर डॉ. के.के. मिश्रा तथा अकादमिक मामलों के प्रो-वाइस चांसलर डॉ. नवीन बाबू मुख्य अतिथि के रूप में शामिल हुए। डॉ. कुमार

ने बताया कि कार्यशाला में खालसा यूनिवर्सिटी, चितकारा यूनिवर्सिटी, श्री गुरु ग्रंथ साहिब वर्ल्ड यूनिवर्सिटी तथा रयात बहरा यूनिवर्सिटी के प्रतिनिधियों ने बी.ए. बी.एससी.बी.एड. (चार वर्षीय आईटीईपी पाठ्यक्रम) के पाठ्यक्रम ढांचे पर अपने विचार प्रस्तुत किए। प्रतिभागियों ने राष्ट्रीय अध्यापक शिक्षा परिषद द्वारा निर्धारित आधारभूत ढांचे पर विस्तार से चर्चा करते हुए क्रेडिट फ्रेमवर्क और विषय चयन से जुड़े महत्वपूर्ण बिंदुओं पर विचार-विमर्श किया।

उन्होंने बताया कि चितकारा यूनिवर्सिटी परिसर में आयोजित इस कार्यशाला की शुरुआत प्रो. संगीता पंत ने अतिथियों के स्वागत के साथ की। उन्होंने राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 के संदर्भ में राष्ट्रीय पाठ्यक्रम फ्रेमवर्क में आए परिवर्तनों तथा उनसे जुड़ी चुनौतियों पर प्रकाश डाला। साथ ही शिक्षकों की भूमिका और आधुनिक शिक्षण पद्धतियों को अपनाने की आवश्यकता पर जोर दिया। इस अवसर पर डॉ. खुशविंदर कुमार ने अपने संबोधन में जेन-ज़ी और अल्फा पीढ़ी के सामने मौजूद चुनौतियों का उल्लेख करते हुए शिक्षकों की बेहतर तैयारी तथा आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस के युग में उसके प्रभावी और जिम्मेदार उपयोग पर अपने विचार साझा किए।

कार्यशाला के दौरान डॉ. के.के. मिश्रा और डॉ. नवीन बाबू ने नई राष्ट्रीय शिक्षा नीति तथा एनसीटीई के दिशा-निर्देशों और मानकों के अनुरूप छात्र-केंद्रित पाठ्यक्रम विकसित करने के लिए विश्वविद्यालयों को प्रेरित किया। अंत में प्रो. संगीता पंत, डॉ. पारुल और डॉ. वाणी ने अतिथियों को सम्मानित किया तथा उनका धन्यवाद किया।

विश्व साइकिल दिवस पर फिट बाइकर क्लब ने निकाली साइकिल रैली

» प्रथम न्यूज । होशियारपुर
08 जून (तरसेम दीवाना)

विश्व साइकिल दिवस के उपलक्ष्य में फिट बाइकर क्लब होशियारपुर द्वारा एक भव्य साइकिल रैली का आयोजन किया गया, जिसमें शहर और आसपास के क्षेत्रों से करीब 300 साइकिलिस्टों ने उत्साह के साथ भाग लिया। रैली का उद्देश्य लोगों को स्वस्थ जीवनशैली अपनाने, पर्यावरण संरक्षण के प्रति जागरूक करने और साइकिलिंग को दैनिक जीवन का हिस्सा बनाने के लिए प्रेरित करना था। रैली बुलाबाड़ी स्थित सचदेवा स्टॉक्स के मुख्य कार्यालय से शुरू हुई।

सोनालिका ग्रुप के डायरेक्टर अक्षय सांगवान ने हरी झंडी दिखाकर रैली को रवाना किया। रैली शहर के विभिन्न मार्गों से गुजरते हुए पुन: सचदेवा स्टॉक्स कार्यालय पहुंचकर संपन्न हुई। इस दौरान साइकिलिस्टों ने फिटनेस, स्वास्थ्य और सड़क सुरक्षा से जुड़े संदेश भी लोगों तक पहुंचाए।

अक्षय सांगवान ने कहा कि साइकिलिंग एक स्वस्थ और तंदुरुस्त समाज की नींव रखने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाती है। इससे न केवल शारीरिक स्वास्थ्य बेहतर होता है, बल्कि पर्यावरण संरक्षण में भी मदद मिलती है। उन्होंने फिट बाइकर क्लब के प्रयासों की सराहना करते हुए भविष्य में भी सहयोग का भरोसा दिया।

क्लब के प्रधान परमजीत सिंह सचदेवा ने कहा कि साइकिल चलाना फिटनेस के साथ-साथ प्रदूषण कम करने का प्रभावी माध्यम है। उन्होंने रैली को सफल बनाने के लिए होशियारपुर पुलिस, एसएसपी संदीप मलिक, सभी साइकिलिस्टों और सहयोगियों का आभार व्यक्त किया। इस अवसर पर अनेक गणमान्य व्यक्ति और क्लब सदस्य उपस्थित रहे।

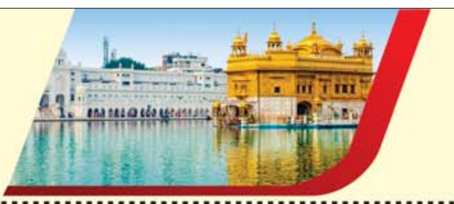

संक्षिप्त न्यूज

हिमाचल के वीर सपूतों मंडी के कैप्टन योगेंद्र सिंह और शिमला के मेजर अंशुल बाल्टू को मिला वीरता सम्मान

शिमला/मंडी (एएम नाथ)– हिमाचल प्रदेश के लिए यह बेहद गौरवपूर्ण क्षण है जब प्रदेश के दो वीर सपूतों, मंडी जि़ले के जोगिंद्रनगर (ग्राम पंचायत दारट बगला) के कैप्टन योगेंद्र सिंह ठाकुर और शिमला जि़ले की जुब्बल तहसील (घुंसा गांव) के मेजर अंशुल बाल्टू को देश के प्रतिष्ठित वीरता सम्मान %शौर्य चक्र% से सम्मानित किया गया है। मेजर अंशुल बाल्टू को यह सम्मान असम में एक विशेष सैन्य अभियान के दौरान प्रदर्शित उनके अदम्य साहस, कर्तव्यनिष्ठा और अदम्य वीरता के लिए राष्ट्रपति भवन में प्रदान किया गया। इस ऐतिहासिक और गौरवपूर्ण उपलब्धि पर पूर्व मुख्यमंत्री और नेता प्रतिपक्ष जयराम ठाकुर ने दोनों जांबाजों को हार्दिक बधाई व शुभकामनाएं दी हैं। जयराम ठाकुर ने अपने बयान में कहा कि कैप्टन योगेंद्र और मेजर अंशुल ने अपने अद्वितीय साहस, दृढ़ संकल्प और मातृभूमि के प्रति अटूट समर्पण से यह साबित कर दिया है कि हिमाचल की देवभूमि आज भी वीरों की जननी है। उन्होंने विश्वास जताया कि भारतीय सेना के कड़े अनुशासन और सर्वोच्च राष्ट्रसेवा का प्रतीक यह सम्मान न केवल पूरे देश को गौरवान्वित करता है, बल्कि हिमाचल प्रदेश के युवाओं को देशभक्ति और देशसेवा के मार्ग पर चलने के लिए हमेशा प्रेरित करता रहेगा।

स्कूल में शिक्षकों की जनगणना ड्यूटी का ग्रामीणों ने किया विरोध, भवन निर्माण की उठाई मांग

पट्टा मेहलोग, 8 जून (तारा) – शिक्षा खंड पट्टा मेहलोग के तहत राजकीय माध्यमिक विद्यालय शेरला में सोमवार को स्कूल प्रबंधन समिति की बैठक का आयोजन अध्यक्ष पूजा देवी की अध्यक्षता में किया गया। बैठक में ग्रामीणों ने स्कूल शिक्षकों की सेवाएं जनगणना कार्य में लगाए जाने का विरोध जताया। बैठक में कहा गया कि राजकीय माध्यमिक विद्यालय शेरला में कार्यरत दो अध्यापकों में से एक को तबादले के बाद दूसरे अध्यापक को जनगणना ड्यूटी में लगा दिया गया है, जिससे स्कूल में केवल एक ही शिक्षक बचा है। ग्रामीणों का कहना है कि इससे बच्चों की पढ़ाई प्रभावित हो रही है और स्कूल का संचालन भी मुश्किल हो गया है।

ग्रामीण श्रवण कुमार सेहजल ने बताया कि पिछले वर्ष भारी बारिश के कारण राजकीय प्राथमिक पाठशाला का भवन मलबे की चपेट में आकर क्षतिग्रस्त हो गया था। इसके बाद गांव के एक नागरिक ने मानवता की मिसाल पेश करते हुए स्कूल भवन निर्माण के लिए पांच बिस्वा भूमि दान में दी। बावजूद इसके, एक वर्ष बीत जाने के बाद भी नए भवन निर्माण का कार्य शुरू नहीं हो पाया है।

बैठक में यह भी बताया गया कि बरसात के दिनों में गांव को जोड़ने वाली सड़कें क्षतिग्रस्त हो जाती हैं और कई बार यातायात पूरी तरह बंद हो जाता है। लोक निर्माण विभाग द्वारा अभी तक स्थायी समाधान नहीं किया गया है।

ग्रामीणों ने कहा कि मूलभूत सुविधाओं की कमी के कारण गांव के करीब 50 प्रतिशत लोग अपने बच्चों को शहरों में किराये के मकानों में रखकर पढ़ाने को मजबूर हैं।

स्कूल प्रबंधन समिति और ग्रामीणों ने सरकार व संबंधित विभागों से मांग की है कि स्कूल भवन निर्माण कार्य जल्द शुरू किया जाए तथा शिक्षकों को जनगणना ड्यूटी से मुक्त रखा जाए, ताकि बच्चों की पढ़ाई प्रभावित न हो।

सुल्तान पहलवान ने आर्यन पहलवान को शिकस्त देकर जीता बरागु का दंगल

पट्टा मेहलोग, 8 जून (तारा) – विकास खंड पट्टा की ग्राम पंचायत बाड़ियाँ के गाँव बरागु में लखदाता कुश्ती दंगल का आयोजन करवाया गया। इसमें दून के समाजसेवी हंसराज चंदेल मुख्य अतिथि रहे इस दंगल में क्षेत्र के इलावा बाहरी राज्यों के पहलवानों ने भी अपनी कला के जौहर दिखाकर कुश्ती प्रेमियों का खूब मनोरंजन किया।

दंगल समिति के प्रधान राम आसरा चौहान ने बताया गांव में हर तीसरे वर्ष जून माह के द्वितीय रविवार को दंगल करवाने की यह परंपरा वर्षों पुरानी है,जिसका आज भी आदर पूर्वक निर्वहन किया जा रहा है। उन्होंने बताया कि दंगल के दौरान अनेक छोटी व बड़ी अनेक बेहतरीन कुश्तियां पहलवानों द्वारा लड़ी गई। अंत में माली का मुकाबला सुल्तान पहलवान भोगपुर व आर्यन गांव पड़च के बीच हुआ,जिसमें सुल्तान पहलवान ने आर्यन पहलवान को पटखनी देकर खिताब अपने नाम किया। विजेता व उप विजेता पहलवानों को मुख्य अतिथि हंसराज चंदेल ने पुरस्कृत किया। उन्होंने दंगल कमेटी को अपनी ओर से 5100 रु की राशि बतौर प्रोत्साहन भेंट की। इस मौके पर पंचायत प्रधान पवन गुप्ता, उप प्रधान संजीव कुमार, पंचायत समिति सदस्य पूजा, सीमा देवी के इलावा दंगल कमेटी के प्रधान राम आसरा चौहान,कोषाध्यक्ष शिशु पाल चौहान, सचिव नेक राम ठाकुर , सह – सचिव गुरबचन चौहान,पूर्व बीडीसी प्रेम चंद व कमेटी के सदस्य देवीलाल, राम सिंह, केहर श्याम, रामजी, रमेश चंद, कृष्ण चंद, खुर्मेद सिंह ने कुश्ती के इस कार्यक्रम मे अपना योगदान दिया।

कांग्रेस में बढ़ी तल्खी, मुख्यमंत्री सुक्खू के बयान पर नीरज भारती का पलटवार

हिमाचल कांग्रेस में बयानबाजी तेज, विक्रमादित्य सिंह की पोस्ट ने बढ़ाई सियासी चर्चा

» प्रथम न्यूज । शिमला
08 जून (एएम नाथ)

हिमाचल प्रदेश कांग्रेस में जारी अंदरूनी खींचतान और नेताओं के बीच बढ़ती बयानबाजी ने प्रदेश की राजनीति का माहौल गर्मा दिया है। मुख्यमंत्री सुखविंदर सिंह सुक्खू के एक बयान के बाद पार्टी के भीतर चल रही सियासी हलचल और तेज हो गई है। वहीं, लोक निर्माण मंत्री विक्रमादित्य सिंह की सोशल मीडिया पोस्ट ने भी राजनीतिक चर्चाओं को नया आयाम दे दिया है।

रविवार को एक कार्यक्रम के बाद मीडिया से बातचीत करते हुए मुख्यमंत्री सुखविंदर सिंह सुक्खू ने कहा था कि नशेड़ी आदमी कोई मसला नहीं है और उसके बयानों को गंभीरता से नहीं लेना चाहिए। हालांकि मुख्यमंत्री ने अपने बयान में किसी व्यक्ति का नाम नहीं लिया, लेकिन राजनीतिक गलियारों में इसे पूर्व विधायक नीरज भारती की ओर इशारा माना जा रहा है। मुख्यमंत्री के इस बयान के बाद कांग्रेस के भीतर चल रही खींचतान सार्वजनिक रूप से सामने आती दिखाई दे रही है। मुख्यमंत्री की टिप्पणी के बाद पूर्व विधायक नीरज भारती ने भी तीखी प्रतिक्रिया दी। उन्होंने सोशल मीडिया और मीडिया के माध्यम से कई सवाल उठाए तथा मुख्यमंत्री को डोप टेस्ट

करवाने की चुनौती तक दे डाली। भारती के इस पलटवार के बाद राजनीतिक बहस और तेज हो गई है। दोनों नेताओं के बीच सीधे नाम लिए बिना हो रही बयानबाजी अब प्रदेश की राजनीति में चर्चा का प्रमुख विषय बन चुकी है। इसी बीच लोक निर्माण मंत्री विक्रमादित्य सिंह की एक सोशल मीडिया पोस्ट ने भी सियासी अटकलों को हवा दे दी है। उन्होंने लिखा कि, जीवन का शाश्वत सत्य है कि दूसरों के लिए गड्ढा खोदने वाले अक्सर खुद उसमें गिर जाते हैं। इसलिए नफरत और द्वेष से दूर रहकर सकारात्मक सोच अपनाएं और निस्वार्थ भाव से सबकी मदद करें। हमारी अच्छाई ही हमारा सबसे बड़ा कवच है।

हालांकि विक्रमादित्य सिंह ने अपनी पोस्ट में किसी व्यक्ति, घटना या राजनीतिक विवाद का जिक्र नहीं किया, लेकिन मौजूदा राजनीतिक परिस्थितियों के बीच उनके इस संदेश के कई राजनीतिक मायने निकाले जा रहे हैं। राजनीतिक विश्लेषक इसे कांग्रेस के भीतर चल रही बयानबाजी और गुटबाजी से जोड़कर देख रहे हैं। प्रदेश कांग्रेस में नेताओं के बीच लगातार हो रहे वार-पलटवार और सोशल मीडिया पर सक्रिय राजनीतिक प्रतिक्रियाओं ने पार्टी की अंदरूनी स्थिति को लेकर नई चर्चाओं को जन्म दे दिया है। आने वाले दिनों में यह विवाद किस दिशा में जाता है, इस पर सभी की निगाहें टिकी हुई हैं।

संजौली में तनाव, हिंदू संघर्ष समिति के नेताओं की हिरासत पर पुलिस स्टेशन के बाहर धरना

दर्जी से मारपीट मामले में पुलिस की बड़ी कार्रवाई, चार लोग हिरासत में

» प्रथम न्यूज । शिमला (संजौली)
08 जून (एएम नाथ)

राजधानी शिमला के संजौली क्षेत्र में एक दर्जी और उसके सहकर्मी के साथ कथित मारपीट के मामले को लेकर रविवार को माहौल तनावपूर्ण हो गया। पुलिस द्वारा हिंदू संघर्ष समिति के कुछ पदाधिकारियों को हिरासत में लेने के बाद स्थानीय लोगों और प्रदर्शनकारियों ने संजौली पुलिस स्टेशन के बाहर धरना शुरू कर दिया। धरने में संबंधित मामले की पीड़ित युवती भी शामिल रही, जिसके चलते मौके पर पुलिस और प्रदर्शनकारियों के बीच तीखी नोकझोंक देखने को मिली।

पुलिस के अनुसार, विवाद की शुरुआत उस समय हुई जब संजौली में दर्जी की दुकान चलाने वाले अजीम मिर्जा और उनके सहकर्मी आफताब के साथ कुछ लोगों ने कथित रूप से दुकान में घुसकर बदसलूकी की। आरोप है कि एक युवती को सामने लाकर दोनों की पहचान करवाने का प्रयास किया गया। युवती द्वारा पहचान से इनकार करने के बावजूद दोनों को दुकान से बाहर निकालकर सड़क पर ले जाया गया, जहां उनके साथ मारपीट की गई। इस दौरान नारेबाजी करने और दुकान में लगे सीसीटीवी कैमरों को नुकसान पहुंचाने के भी आरोप लगाए गए हैं।

पुलिस ने बताया कि यह मामला एक दिन पहले महिला थाने में दर्ज हुए प्रकरण से जुड़ा है, जिसमें मुख्य आरोपी उबैद को पहले ही गिरफ्तार किया जा चुका है। पुलिस के अनुसार, युवती के बयानों में अजीम मिर्जा और आफताब के खिलाफ कोई प्रत्यक्ष आरोप सामने नहीं आया था, फिर भी मामले की निष्पक्ष जांच के तहत उनकी भूमिका की पड़ताल की जा रही थी। इसी दौरान कुछ स्थानीय संगठनों के पदाधिकारियों पर जांच प्रक्रिया को प्रभावित करने और कानून अपने हाथ में लेने के आरोप लगे हैं।

घटना की संवेदनशीलता को देखते हुए पुलिस ने भारतीय न्याय संहिता (बीएनएस) की विभिन्न धाराओं के तहत मामला दर्ज किया है। पुलिस कार्रवाई के तहत हिंदू संघर्ष समिति के दो प्रमुख नेताओं मदन ठाकुर और विजय शर्मा समेत चार लोगों को हिरासत में लिया गया है। सभी को नियमानुसार न्यायालय में पेश किया जा रहा है। पुलिस प्रशासन ने स्पष्ट किया है कि क्षेत्र में शांति एवं कानून-व्यवस्था बनाए रखना उसकी प्राथमिकता है। अधिकारियों का कहना है कि मामले के प्रत्येक पहलू की गहन और निष्पक्ष जांच की जा रही है तथा किसी भी व्यक्ति को कानून हाथ में लेने की अनुमति नहीं दी जाएगी।

दिल्ली से धर्मशाला सिर्फ 6 घंटे में

हरियाणा-पंजाब-हिमाचल को होगा फायदा

» प्रथम न्यूज । शिमला
08 जून (एएम नाथ)

राजधानी दिल्ली और एनसीआर से अब हिमाचल प्रदेश की खूबसूरत वादियों के बीच स्थित धर्मशाला शहर पहुंचना आसान होने वाला है। दिल्ली से धर्मशाला पहुंचने में जहां 9 से 11 घंटे का वक्त लगता है, वो घटकर महज 6 घंटे का बचेगा। इसके लिए 4 लेन के हाईस्पीड हाइवे तैयार हो रहा है, जो इसी साल सितंबर महीने तक पूरा हो जाएगा। हिमाचल प्रदेश में बन रहे नए फोर-लेन हाईवे और सुरंगों के नेटवर्क से यह प्रोजेक्ट तैयार होगा। इस हाइवे से दिल्ली-एनसीआर, हरियाणा, पंजाब और हिमाचल प्रदेश के लोगों को सीधा फायदा होगा।

NHAI फिलहाल इस प्रोजेक्ट के तहर ह॥-503 को फोर लेन का बना रही है। यह करीब 100 किलोमीटर

का कॉरिडोर है, जो हिमाचल के पहाड़ी इलाकों से गुजरता है। दुर्गम पहाड़ी रास्ता होने की वजह से यहं सफर धीमा हो जाता है। यह हाइवे दिल्ली और धर्मशाला को जोड़ता है। हाइवे पंजाब के किरतपुर साहिब से शुरू होकर हिमाचल प्रदेश के मैक्लोडगंज (धर्मशाला) तक जाता है।

यह हाइवे पंजाब के किरतपुर साहिब, आनंदपुर साहिब और नांगल से होकर गुजरता है। वहीं हिमाचल प्रदेश के मेहतपुर, ऊना, मुबारकपुर, अम्ब, रानीताल, माताउर, कांगड़ा, धर्मशाला और मैक्लोडगंज को भी कनेक्ट करता है।

इस हाइवे को 4 लेन का किया जा रहा है। इसके लिए सरकार ने PWD और NHAI को कमान सौंपी है। इसके ऊना से रानीताल के 99 किमी के हिस्से और मटौर से मैक्लोडगंज के 22 किमी हिस्से पर काम चल रहा है।

बंकरमैन को ग्रीन इंडिया अवार्ड 2026 से सम्मानित किया गया

» प्रथम न्यूज । बद्दी
08 जून (तारा)

विश्व पर्यावरण दिवस के अवसर पर आयोजित वर्ल्ड एनवायरनमेंट कॉन्फ्रेंस 2026 तथा अखिल भारतीय मेयर्स एवं आरडब्ल्यूए समिट 2026 में बंकरमैन बद्दी द्वारा प्रस्तुत की गई उसकी अभिनव एवं क्रांतिकारी डायरेक्ट कार्बन कैप्चर एट नेगेटिव कॉस्ट (डीसीसीएनसी) तकनीक को व्यापक सराहना प्राप्त हुई। इस उत्कृष्ट उपलब्धि के लिए बंकरमैन को प्रतिष्ठित ग्रीन इंडिया अवार्ड 2026 से सम्मानित किया गया। यह पुरस्कार कंपनी को बेस्ट इंडोर एयर प्यूरिफिकेशन सॉल्यूशन ऑफ द ईयर श्रेणी में प्रदान किया गया।

यह पुरस्कार उत्तर प्रदेश सरकार के मंत्री डॉ. सोमेन्द्र तोमर द्वारा बंकरमैन के संस्थापक एवं अध्यक्ष मेजर जनरल (डॉ.)

श्रीपाल, वीएसएम (सेवानिवृत्त) को प्रदान किया गया। यह सम्मान इनडोर एयर क्वालिटी प्रबंधन, डायरेक्ट कार्बन कैप्चर, ऊर्जा संरक्षण तथा जलवायु परिवर्तन नियंत्रण के क्षेत्र में स्वदेशी तकनीक के विकास एवं उपयोग हेतु प्रदान किया गया।

सम्मेलन को संबोधित करते हुए मेजर जनरल (डॉ.) श्रीपाल ने कहा कि वातावरण में लगातार बढ़ती कार्बन डाइऑक्साइड की मात्रा प्रदूषण, ग्लोबल वार्मिंग और जलवायु परिवर्तन का प्रमुख कारण है। उन्होंने बताया कि जहाँ विश्व के अनेक वैज्ञानिक अभी भी प्रत्यक्ष कार्बन कैप्चर की लागत को 300 से 600 अमेरिकी डॉलर प्रति मीट्रिक टन ष्टह२ तक कम करने के प्रयास में लगे हैं, वहीं भारत की बंकरमैन ने इस लागत को न केवल शून्य बल्कि नेगेटिव कॉस्ट तक पहुँचाने में सफलता प्राप्त की है।

उन्होंने बताया कि यह उपलब्धि एयर-कंडीशनिंग प्रणालियों के साथ डीसीसीएनसी तकनीक के एकीकरण से संभव हुई है। इस तकनीक के प्रयोग से भवनों में प्रचलित 4 से 12 एयर चेंजेज प्रति घंटा (एसीएच) की आवश्यकता को काफी हद तक कम किया जा सकता है। परिणामस्वरूप एयर-कंडीशनिंग संयंत्र की स्थापित क्षमता तथा प्रारंभिक लागत में 40 से 50 प्रतिशत तक कमी आती है।

साथ ही बिजली की खपत एवं संचालन व्यय में भी 40 से 50 प्रतिशत तक बचत होती है, जिससे नई तकनीक की लागत आसानी से समाहित हो जाती है।

डॉ. श्रीपाल ने बताया कि इस तकनीक पर आधारित पायलट परियोजना पिछले लगभग दो वर्षों से इंडियन ऑयल कॉर्पोरेशन लिमिटेड की गुवाहाटी रिफाइनरी में सफलतापूर्वक संचालित हो रही है। इसके उत्साहजनक परिणामों के आधार पर देश की कई अन्य परियोजनाओं में भी इसे अपनाया जा रहा है।

उन्होंने ग्रेट निकोबार द्वीप की प्रस्तावित रणनीतिक परियोजना का उल्लेख करते हुए कहा कि डीसीसीएनसी तकनीक अपनाने पर वहाँ होने वाली पर्यावरणीय क्षति की भरपाई कई गुना अधिक की जा सकती है। उनके अनुसार यह तकनीक वायुमंडल से कार्बन डाइऑक्साइड तथा अन्य प्रदूषकों को अवशोषित कर उन्हें खनिज-समृद्ध जैविक खाद (एमआरओएम) में परिवर्तित करती है। प्रस्तुत गणनाओं के अनुसार यह परियोजना 2.15 करोड़ से अधिक वृक्षों के बराबर पर्यावरणीय लाभ प्रदान कर सकती है। इसके अतिरिक्त एयर-कंडीशनिंग ऊर्जा बचत से लगभग 700 करोड़ रुपये प्रतिवर्ष तथा कार्बन क्रेडिट से 100 करोड़ रुपये से अधिक वार्षिक आय प्राप्त हो सकती है।

दिल्ली-एनसीआर में बढ़ते प्रदूषण के संदर्भ में उन्होंने कहा कि यदि बड़े वातानुकूलित भवनों में डीसीसीएनसी तकनीक को अपनाया जाए तो प्रतिवर्ष लगभग 7,000 करोड़ रुपये की बिजली बचत तथा लगभग 1,000 करोड़ रुपये की अतिरिक्त आय कार्बन क्रेडिट के रूप में अर्जित की जा सकती है। उन्होंने सुझाव दिया कि केंद्रीय प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड, दिल्ली प्रदूषण नियंत्रण समिति तथा अन्य राज्य प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड उन्नत कार्बन कैप्चर एवं इनडोर एयर शुद्धिकरण तकनीकों को बढ़ावा देने हेतु उपयुक्त दिशा-निर्देश तैयार करें। मेजर जनरल (डॉ.) श्रीपाल ने डीसीसीएनसी को भविष्य की पीढ़ियों के लिए एक क्रांतिकारी एवं गेम-चेंजर तकनीक बताते हुए कहा कि अब समय आ गया है कि हम भवनों की डिजाइन और संचालन की वर्तमान सोच पर पुनर्विचार करें। ऐसी तकनीकें जो इनडोर वायु गुणवत्ता में सुधार करते हुए ऊर्जा खपत को कम करें, अब विकल्प नहीं बल्कि सतत भविष्य की अनिवार्यता बन चुकी हैं।

जन समस्याओं का समयबद्ध निपटारा तथा ग्रामीण विकास सरकार की प्राथमिकताः राजेश धर्माणी

तकनीकी शिक्षा मंत्री ने घुमारवीं में सुनी जन समस्याएं, अधिकांश का मौके पर किया निपटारा

» प्रथम न्यूज । घुमारवीं (बिलासपुर)
08 जून (धर्मपाल)

नगर व ग्राम नियोजन, आवास, तकनीकी शिक्षा, व्यावसायिक एवं औद्योगिक प्रशिक्षण मंत्री राजेश धर्माणी ने आज लोक निर्माण विभाग विश्राम गृह घुमारवीं में जन समस्याएं सुनीं तथा अधिकतर का मौके पर ही निपटारा कर दिया।

इस दौरान तकनीकी शिक्षा मंत्री राजेश धर्माणी ने संबंधित विभागों के अधिकारियों को लोगों की जन समस्याओं को प्राथमिकता के आधार पर समाधान करने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि प्रदेश सरकार लोगों की समस्याओं के त्वरित समाधान और क्षेत्र के समग्र विकास के लिए प्रतिबद्ध है। उन्होंने अधिकारियों को निर्देश दिये कि जिन मामलों का मौके पर निपटारा नहीं हो सका है, उन्हें निर्धारित समय सीमा के भीतर हल किया जाए।

इस मौके पर हाल ही में नव निर्वाचित पंचायतीराज संस्थाओं के प्रतिनिधियों ने मंत्री राजेश धर्माणी से शिष्टाचार भेंट की तथा अपनी पंचायतों एवं क्षेत्रों के विकासात्मक मुद्दों को उनके समक्ष रखा। इस बीच ग्राम पंचायतों में आधारभूत सुविधाओं के विस्तार, सड़क संपर्क, पेयजल व्यवस्था, शिक्षा और अन्य विकास कार्यों को लेकर भी विस्तृत चर्चा हुई।

तकनीकी शिक्षा मंत्री राजेश धर्माणी ने नव-निर्वाचित पंचायतीराज संस्थाओं के प्रतिनिधियों को बधाई देते हुए कहा कि पंचायतीराज संस्थाएं ग्रामीण विकास की आधारशिला है। ऐसे में सभी जनप्रतिनिधियों की जिम्मेदारी है कि जन अपेक्षाओं पर खरा उतरते हुए अपने क्षेत्रों के समग्र विकास के लिए सक्रिय भूमिका निभाएं। उन्होंने कहा कि प्रदेश सरकार भी पंचायतों के संपूर्ण विकास और ग्रामीण क्षेत्रों में बुनियादी सुविधाओं को सुदृढ़ बनाने के लिए निरंतर कार्यरत है।

उन्होंने कहा कि प्रदेश सरकार का लक्ष्य सरकार की विभिन्न विकासात्मक योजनाओं, नीतियों एवं कार्यक्रमों को समाज के अंतिम व्यक्ति तक पहुंचाना है ताकि समाज का कोई भी वर्ग वंचित न रहे। उन्होंने सभी विभागों को पूरी पारदर्शिता और जवाबदेही के साथ कार्य करने के भी निर्देश दिए। साथ ही विभिन्न पंचायतीराज संस्थाओं के प्रतिनिधियों द्वारा उठाए गए विकास संबंधी मुद्दों पर गंभीरता से विचार कर जनहित में जल्द उचित कदम उठाने का भी भरोसा दिया।

इस मौके पर नवनिर्वाचित पंचायतीराज संस्थाओं के प्रतिनिधियों सहित विभिन्न विभागों के अधिकारी भी मौजूद रहे।

मंडी, धर्मशाला और सोलन नगर निगमों में मेयर-डिप्टी मेयर चुनाव हेतु भाजपा ने नियुक्त किए पर्यवेक्षक

» प्रथम न्यूज । शिमला
08 जून (बी शर्मा)

भारतीय जनता पार्टी हिमाचल प्रदेश ने मंडी, धर्मशाला एवं सोलन नगर निगमों में मेयर एवं डिप्टी मेयर के चुनावों के लिए वरिष्ठ नेताओं और पदाधिकारियों को पर्यवेक्षक नियुक्त किया है। इस संबंध में भाजपा प्रदेश अध्यक्ष डॉ. राजीव बिंदल द्वारा आधिकारिक नियुक्ति आदेश जारी किए गए हैं।

भाजपा ने नगर निगम चुनावों में मिली शानदार सफलता के बाद मेयर और डिप्टी मेयर चुनावों को लेकर संगठनात्मक स्तर पर व्यापक रणनीति तैयार की है। पार्टी नेतृत्व ने अनुभवी नेताओं को पर्यवेक्षक बनाकर पूरी प्रक्रिया को सुव्यवस्थित एवं प्रभावी ढंग से संचालित करने का निर्णय लिया है।

जारी आदेशों के अनुसार मंडी नगर निगम के लिए राज्यसभा सांसद एवं भाजपा प्रदेश महामंत्री डॉ. सिकंदर कुमार तथा प्रदेश महामंत्री श्रीमती पायल वैद्य को पर्यवेक्षक नियुक्त किया गया है। दोनों नेता मंडी नगर निगम में मेयर एवं डिप्टी मेयर चुनावों की प्रक्रिया का समन्वय करेंगे तथा निर्वाचित पार्षदों के साथ संवाद स्थापित कर संगठनात्मक दिशा-निर्देशों का पालन सुनिश्चित करेंगे। धर्मशाला नगर निगम के लिए विधायक एवं भाजपा प्रदेश उपाध्यक्ष पवन काजल तथा विधायक एवं पूर्व मंत्री विक्रम ठाकुर को पर्यवेक्षक बनाया गया है। दोनों वरिष्ठ नेता नगर निगम में पार्टी की रणनीति को अंतिम रूप देने तथा चुनाव प्रक्रिया के दौरान आवश्यक समन्वय की जिम्मेदारी निभाएंगे। सोलन नगर निगम के लिए विधायक एवं भाजपा प्रदेश उपाध्यक्ष बलवीर वर्मा, प्रदेश उपाध्यक्ष बिहारी लाल शर्मा तथा प्रदेश महामंत्री संजीव कटवाल को पर्यवेक्षक नियुक्त किया गया है। पार्टी नेतृत्व ने सोलन नगर निगम में संगठनात्मक मजबूती और निर्वाचित प्रतिनिधियों के साथ बेहतर तालमेल सुनिश्चित करने के लिए तीन सदस्यीय पर्यवेक्षक टीम का गठन किया है।

भाजपा प्रदेश अध्यक्ष डॉ. राजीव बिंदल ने कहा कि नगर निगम चुनावों में प्रदेश की जनता ने भारतीय जनता पार्टी पर जो विश्वास व्यक्त किया है, पार्टी उस विश्वास पर पूरी तरह खरा उतरने के लिए प्रतिबद्ध है। मेयर और डिप्टी मेयर चुनावों की प्रक्रिया भी लोकतांत्रिक मूल्यों और संगठनात्मक अनुशासन के अनुरूप संपन्न करवाई जाएगी। उन्होंने कहा कि भाजपा के सभी निर्वाचित पार्षद विकास, सुशासन और जनसेवा के संकल्प के साथ आगे बढ़ेंगे। पार्टी का उद्देश्य नगर निगमों में पारदर्शी, जवाबदेह और जनहितैषी प्रशासन सुनिश्चित करना है।

प्रथम न्यूज़
राष्ट्रीय हिंदी दैनिक
हरियाणा न्यूज़
Website : www.prathamnews.in

श्रद्धालु तीर्थ स्थानों से अपने भीतर लेकर लौटता है नई ऊर्जा, प्रेरणा व चेतना - मुख्यमंत्री

» प्रथम न्यूज । चंडीगढ़

08 जून (मुकेश डोलिया)

हरियाणा के मुख्यमंत्री श्री नायब सिंह सैनी ने कहा कि तीर्थ यात्राएं समाज को जोड़ने का महान माध्यम होती हैं। ये यात्राएं हमारी नई पीढ़ी को अपनी जड़ों, संस्कृति और संस्कारों से जोड़ती हैं। जब कोई श्रद्धालु तीर्थ स्थानों पर जाता है, तो वह अपने भीतर नई ऊर्जा, प्रेरणा और नई चेतना लेकर लौटता है।

मुख्यमंत्री श्री नायब सिंह सैनी आज कुरूक्षेत्र से सोमनाथ के लिए विशेष ट्रेन को हरी झण्डी दिखाकर रवाना कर रहे थे। ट्रेन में 1100 से अधिक श्रद्धालु जा रहे हैं। मुख्यमंत्री ने उपस्थित सभी संतगणों को अंगवस्त्र भेंट कर सम्मानित किया।

मुख्यमंत्री ने कहा कि 10 मई को श्री नरेन्द्र मोदी सबसे लम्बे समय तक देश की सेवा करने वाले प्रथम प्रधानमंत्री बन जाएगें। प्रधानमंत्री ने 2014 में देश का नेतृत्व संभाला तब से भारत को नई दिशा देने का कार्य किया है। बुजुर्गों के लिए सोमनाथ की सुखद यात्रा प्रधानमंत्री का आशीर्वाद है।

मुख्यमंत्री ने कहा कि तीथ स्थलों के महत्व को देखते हुए प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी के कुशल नेतृत्व में धार्मिक और सांस्कृतिक धरोहरों के संरक्षण और संवर्धन के लिए अभूतपूर्व कार्य किए जा रहे हैं। प्रधानमंत्री ने हमारे अनेक तीर्थों का जीर्णोद्धार करवाया है। हम सब श्रीराम मंदिर के उद्घाटन पर्व के साक्षी रहे हैं। प्रधानमंत्री के नेतृत्व में काशी विश्वनाथ धाम का दिव्य और भव्य स्वरूप भी सामने आया है, जिससे प्राचीन काशी की गरिमा पुन: जीवित हुई है। उन्होंने कहा कि आज देशभर के तीर्थ स्थलों का विकास, चारधाम परियोजना, प्रसाद योजना और सांस्कृतिक धरोहरों के संरक्षण के माध्यम से भारत अपनी जड़ों से जुड़ रहा है और यह नए भारत का वह कालखंड है, जहां विकास और विरासत साथ-साथ चल रहे हैं।

भगवान शिव केवल भारत के नहीं, बल्कि संपूर्ण मानवता के प्रेरणास्रोत

श्री नायब सिंह सैनी ने कहा कि आज विश्व अनेक संकटों का सामना कर रहा है। लेकिन भारत की सनातन संस्कृति हमें संतुलन, करुणा और मानवता का मार्ग दिखाती है। भगवान शिव विनाश के देवता नहीं, बल्कि नवसृजन के देवता हैं। वे हमें सिखाते हैं कि विष को भी धारण करके समाज को अमृत दिया जा सकता है। भगवान महादेव हमें सिखाते हैं कि शक्ति का उपयोग संरक्षण के लिए होना चाहिए, विनाश के लिए नहीं। त्याग, तपस्या और सेवा ही जीवन का वास्तविक मार्ग हैं। इसीलिए भगवान शिव केवल भारत के नहीं, बल्कि संपूर्ण मानवता के प्रेरणास्रोत हैं। प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी ने कहा कि सोमनाथ आस्था का वह गीत है जो हमें सिखाता है कि सृजन की शक्ति विनाश से कहीं प्रबल होती है। यह कथन भारत की हजारों वर्षों पुरानी संस्कृति का सार है।

मुख्यमंत्री ने कहा कि यह हरियाणा की धरती से श्रद्धा, आस्था, संस्कृति और सनातन चेतना की एक ऐसी यात्रा का शुभारंभ है, जो हमें भारत की हजारों वर्षों पुरानी आध्यात्मिक विरासत से जोड़ती है। उन्होंने भगवान भोलेनाथ के श्रीचरणों में कोटि-कोटि नमन करते हुए कहा कि उनकी कृपा हरियाणा के हर परिवार, किसान, युवा, माता-बहन तथा समस्त देशवासियों पर बनी रहे। यह यात्रा सुखद, सुरक्षित और फलदायी हो। उन्होंने कहा कि भगवान सोमनाथ का मंदिर बारह ज्योतिलिंगों में प्रथम माना जाता है।

हमारी आस्था को तलवारों से नहीं जा सकता मिटाया

मुख्यमंत्री ने कहा कि सोमनाथ मंदिर का इतिहास भारत की धैर्यगाथा का रहा है। यह मंदिर अनेक बार टूटा और लूटा गया। लेकिन हर बार दोगुणे साहस के साथ उठ खड़ा हुआ। इतिहास गवाह है कि जब-जब सोमनाथ पर प्रहार हुआ, तब-तब पूरे देश की आत्मा आहत हुई। लेकिन हर बार राष्ट्र ने यह सिद्ध किया कि हमारी आस्था को तलवारों से नहीं मिटाया जा सकता। उन्होंने कहा कि जब सोमनाथ मंदिर के पुनर्निमाण व स्वतन्त्र भारत के सांस्कृतिक पुनर्जागरण का उद्घोष हुआ तब लौह पुरूष सरदार वल्लभाई पटेल ने मंदिर निर्माण को राष्ट्रीय निर्माण की पुनर्स्थापना बताया। जिसने राष्ट्र को सांस्कृतिक जड़ो से जोड़ने का काम किया।

मुख्यमंत्री ने कहा कि पूरे देश भर में सोमनाथ स्वाभिमान पर्व मनाया जा रहा है। यह पर्व जनवरी 2027 तक चलेगा। इस पर्व के दौरान श्रृद्वालुओं के लिए मुख्यमंत्री तीर्थ योजना के तहत तीर्थ स्थलों की यात्रा करवाई जा रही है।

इस योजना के तहत हजारों बुजुर्ग श्रद्धालु अब तक देश के विभिन्न तीर्थ स्थलों की यात्रा कर चुके हैं। उन्होंने कहा कि बुजुर्ग हमारे समाज की सबसे बड़ी पूंजी हैं। उन्होंने अपने अनुभव, संस्कार और परिश्रम से समाज को दिशा दी है। मुख्यमंत्री तीर्थ यात्रा योजना के माध्यम से हम उनके प्रति सम्मान और कृतज्ञता व्यक्त कर रहे हैं।

मुख्यमंत्री ने सभी यात्रियों के सुरक्षित और सुखमय भविष्य की कामना करते हुए कहा कि उनके जीवन में सुख, शांति, समृद्धि और अध्यात्मिक उन्नति आए और हरियाणा को निरंतर विकास के पथ पर आगे बढाए।

उन्होंने कहा कि भारत को विश्व में नई ऊंचाईयों पर लेकर जाए और भगवान हम सभी को राष्ट्र निर्माण में अपना अहम योगदान देने की षक्ति प्रदान करें। इस अवसर पर पूर्व मंत्री सुभाष सुधा, महाराज बंसी पुरी, उपायुक्त विश्राम कुमार मीणा, राजेश परासर, चेयरमैन धर्मबीर मिर्जापुर, चेयरमैन जिला परिषद कंवल जीत कौर सहित कई पार्टी पदाधिकारी, संतगण मौजूद रहे।

संक्षिप्त न्यूज़

दसवीं और बारहवीं कक्षा के मेधावी विद्यार्थियों को सांसद मनीष तिवारी ने किया सम्मानित

चंडीगढ़, 8 जून (सुरिन्दर पाल)- चंडीगढ़ से सांसद और पूर्व केंद्रीय मंत्री मनीष तिवारी ने दसवीं और बारहवीं कक्षा में मेरिट प्राप्त करने वाले सेक्टर 48 से 51 की कोऑपरेटिव हाउस बिल्डिंग सोसायटियों से संबंधित 42 विद्यार्थियों को सम्मानित किया। इस अवसर पर विद्यार्थियों को मेरिट प्रमाणपत्र और ट्रॉफियां प्रदान की गई। कार्यक्रम का आयोजन रेजिडेंट्स वेलफेयर एसोसिएशन, सेक्टर-48 के अध्यक्ष जे. जे. सिंह के नेतृत्व में सेक्टर-46 स्थित कम्युनिटी सेंटर में किया गया था।

इस अवसर पर विद्यार्थियों का हौंसला बढ़ाते हुए, सांसद तिवारी ने कहा कि यह परिणाम उनकी कड़ी मेहनत और समर्पण का फल हैं। उन्होंने विद्यार्थियों की सफलता के लिए शिक्षकों और अभिभावकों को भी बधाई दी। इसी के साथ ही सांसद ने विद्यार्थियों को पढ़ाई के साथ-साथ ए आई और अन्य आधुनिक विषयों पर भी ध्यान केंद्रित करने के लिए प्रेरित किया, जो वर्तमान समय की प्रमुख आवश्यकता हैं। सांसद ने कार्यक्रम के आयोजकों को भी बधाई दी, जिन्होंने विद्यार्थियों का मनोबल बढ़ाने के लिए यह सराहनीय पहल की है। इस दौरान अन्य लोगों के अलावा, कुलभूषण कंवर, एस. के. सुखीजा, विजय चांदला, एस. के. अरोड़ा, एस. पी. एस. ढींडसा, विकास सोनी, संधू पुष्पक और आर. एस. थापर भी उपस्थित रहे।

भारतीय भाषा समर कैंप का हुआ सफल समापन, विद्यार्थियों ने दिखाई प्रतिभा

इस्माईलाबाद (सुनील कोमल) - शहीद बलबीर सिंह राजकीय मॉडल संस्कृति वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय, इस्माईलाबाद में नई शिक्षा नीति के अंतर्गत आयोजित सात दिवसीय भारतीय भाषा समर कैंप का शनिवार को उत्साहपूर्वक समापन हुआ। यह कैंप 1 जून से 7 जून 2026 तक आयोजित किया गया, जिसमें विद्यार्थियों ने विभिन्न भाषा एवं सांस्कृतिक गतिविधियों में बढ़-चढ़कर भाग लिया।

प्राचार्य भीमसेन ने बताया कि भारतीय भाषाएं हमारी सांस्कृतिक विरासत की पहचान हैं। ऐसे शिविर विद्यार्थियों के भाषा कौशल, रचनात्मकता तथा अभिव्यक्ति क्षमता को विकसित करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। कैंप के दौरान भाषा आधारित अंताक्षरी, शब्द खेल, प्रश्नोत्तरी, कहानी लेखन, कविता पाठ, भाषण प्रतियोगिता तथा हरियाणवी संस्कृति से संबंधित गतिविधियों का आयोजन किया गया।

वाइस प्रिंसिपल जितेंद्र कुमार ने कहा कि विद्यार्थियों ने पूरे कैंप के दौरान अनुशासन, उत्साह और रचनात्मकता का उत्कृष्ट परिचय दिया। उन्होंने कहा कि ऐसे कार्यक्रम बच्चों के व्यक्तित्व विकास, आत्मविश्वास और संवाद कौशल को मजबूत बनाने में सहायक सिद्ध होते हैं तथा भविष्य में भी विद्यार्थियों को इसी प्रकार की गतिविधियों में बढ़-चढ़कर भाग लेना चाहिए।

कार्यक्रम संयोजक एवं हिन्दी प्राध्यापक डॉ. बलवान सिंह ने कहा कि इस कैंप का मुख्य उद्देश्य विद्यार्थियों को भारतीय भाषाओं की समृद्ध परंपरा से जोड़ना, उनके संवाद कौशल को विकसित करना तथा उनमें आत्मविश्वास का संचार करना है। इस अवसर पर रजनी कंसल, संतराम, तपेश कौशिक, सुमेन्द्र सांगवान एवं पवन कुमार सहित विद्यालय का समस्त स्टाफ उपस्थित रहा।

सीजेएम नीतिका भारद्वाज ने किया लाडवा साक्षी बाल कुंज आश्रम व बाबा बंसी वाला वृद्ध आश्रम का निरीक्षण

लाडवा 8 जून(बृज मोहन) जिला एवं सत्र न्यायाधीश दिनेश कुमार मित्तल के मार्गदर्शन में जिला विधिक सेवा प्राधिकरण की सचिव एवं सीजेएम नीतिका भारद्वाज ने साक्षी बाल कुंज आश्रम लाड़वा का निरीक्षण किया।

जिला विधिक सेवा प्राधिकरण की सचिव एवं सीजेएम नीतिका भारद्वाज ने वहाँ पर बच्चों से बातचीत की और बच्चों के कमरों का निरीक्षण किया और उनको दिए जाने वाले भोजन का जायजा लिया। इसके उपरांत जिला विधिक सेवा प्राधिकरण की सचिव एवं सीजेएम नीतिका भारद्वाज ने बाबा बंसी वाला वृद्ध आश्रम लाड़वा का निरीक्षण किया। इस निरीक्षण के दौरान वहाँ पर उन्होंने बुजुर्गों से बातचीत की और उनके कमरों का निरीक्षण किया और उनको दिए जाने वाले भोजन का जायजा भी लिया।

भविष्य की चुनौतियों से निपटने के लिए जन-जागरूकता और प्रभावी नेतृत्व जरूरी : मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी

» प्रथम न्यूज । चंडीगढ़

08 जून (मुकेश डोलिया)

हरियाणा के मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने कहा कि आज पूरी दुनिया आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई), साइबर सुरक्षा, जलवायु परिवर्तन, ऊर्जा आवश्यकताओं, डिजिटल अर्थव्यवस्था और सामाजिक असमानताओं जैसी नई चुनौतियों का सामना कर रही है। इन समस्याओं का समाधान केवल प्रशासनिक निर्णयों से संभव नहीं है, बल्कि इसके लिए जन-जागरूकता, सामाजिक सहभागिता और प्रभावी विधायी नेतृत्व की आवश्यकता है।

मुख्यमंत्री हरियाणा विधानसभा के तत्वावधान में आयोजित राष्ट्रमंडल संसदीय संघ इंडिया रीजन के जोन-2 के तीन दिवसीय सम्मेलन के उद्घाटन सत्र को संबोधित कर रहे थे। सम्मेलन का उद्घाटन Om Birla ने किया। इस अवसर पर विभिन्न राज्यों के विधानसभा अध्यक्ष, उपाध्यक्ष और विधायक भी मौजूद रहे।

मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रधानमंत्री Narendra Modi द्वारा निर्धारित विकसित भारत @2047 का लक्ष्य केवल एक सरकारी कार्यक्रम नहीं, बल्कि 140 करोड़ भारतीयों का सामूहिक संकल्प है। इसे साकार करने में जनप्रतिनिधियों, जागरूक समाज और प्रत्येक नागरिक की महत्वपूर्ण भूमिका है।

उन्होंने बताया कि हरियाणा सरकार ने हरियाणा विजन डॉक्यूमेंट-2047 तैयार किया है, जिसका उद्देश्य राज्य को वर्ष 2047 तक एक ट्रिलियन डॉलर की अर्थव्यवस्था और 40 लाख रुपये से अधिक प्रति व्यक्ति आय वाला प्रदेश बनाना है। इसके लिए सरकार ने डिपार्टमेंट ऑफ फ्यूचर, विदेशी सहयोग विभाग और हरियाणा इनोवेशन फोरम जैसी पहलें शुरू की हैं।

मुख्यमंत्री ने कहा कि एआई, डेटा सुरक्षा, साइबर अपराध, जल संरक्षण और सोशल मीडिया जैसे विषय अब विधायी विमर्श का महत्वपूर्ण हिस्सा बन चुके हैं।

उन्होंने जनप्रतिनिधियों से भविष्य की चुनौतियों को समझते हुए दूरदर्शी सोच अपनाने का आह्वान किया, ताकि विकसित भारत और विकसित हरियाणा के लक्ष्य को सफलतापूर्वक प्राप्त किया जा सके।

योजनाओं के क्रियान्वयन में पारदर्शिता, गुणवत्ता एवं समयबद्धता सुनिश्चित करें : विरेंद्र चौधरी

» प्रथम न्यूज । कुरुक्षेत्र

08 जून (बृज मोहन)

जिला परिषद के मुख्य कार्यकारी अधिकारी विरेंद्र चौधरी ने अधिकारियों को निर्देश दिए हैं कि ग्रामीण विकास से जुड़ी सभी योजनाओं के क्रियान्वयन में पारदर्शिता, गुणवत्ता और समयबद्धता सुनिश्चित की जाए, ताकि आम लोगों को योजनाओं का वास्तविक लाभ मिल सके।

जिला परिषद कार्यालय में आयोजित समीक्षा बैठक में विकास एवं पंचायत विभाग तथा ग्रामीण विकास विभाग की विभिन्न योजनाओं की प्रगति की समीक्षा की गई। बैठक में मुख्यमंत्री घोषणाओं के तहत चल रहे विकास कार्यों, एचआरडीएफ, एसएफसी, एफएफसी, महिला चौपाल, शामलात भूमि पट्टे, जल निकायों के संरक्षण, लेखा-जोखा पोर्टल तथा स्वच्छ भारत मिशन (ग्रामीण) के कार्यों पर विस्तार से चर्चा हुई। विरेंद्र चौधरी ने प्रधानमंत्री जन विकास कार्यक्रम, विधायक आदर्श ग्राम योजना, प्रधानमंत्री आवास योजना (ग्रामीण), हरियाणा राज्य ग्रामीण आजीविका मिशन, मनरेगा तथा मुख्यमंत्री ग्रामीण आवास योजना 2.0 की प्रगति की समीक्षा करते हुए अधिकारियों को लंबित कार्यों को प्राथमिकता के आधार पर पूरा करने के निर्देश दिए। उन्होंने 500 वर्ग गज तक के अवैध कब्जों को नियमित करने से संबंधित मामलों को भी नियमानुसार शीघ्र तैयार कर भेजने को कहा। मुख्य कार्यकारी अधिकारी ने जन संवाद और सीएम विंडो पोर्टल पर प्राप्त शिकायतों के समयबद्ध समाधान पर विशेष जोर दिया। उन्होंने कहा कि योजनाओं की नियमित मॉनिटरिंग की जाए तथा विभागों के बीच बेहतर समन्वय स्थापित किया जाए। साथ ही स्वच्छता, ग्रामीण आवास, रोजगार सृजन और जल संरक्षण से जुड़ी योजनाओं को गंभीरता से लागू करने के निर्देश दिए।

बैठक में ज्ञान भारतम् अभियान के तहत प्राचीन पांडुलिपियों के संरक्षण के लिए ग्राम पंचायत स्तर पर किए जाने वाले सर्वेक्षण को लेकर भी दिशा-निर्देश जारी किए गए। इस अवसर पर उप मुख्य कार्यकारी अधिकारी कृष्णलाल, डीडीपीओ विकास चौधरी, कार्यकारी अभियंता अमन कुमार सहित विभिन्न विभागों के अधिकारी उपस्थित रहे।

पंचकूला मेले में पूर्व डीजीपी के निजी सचिव की कार से नकदी और कीमती सामान चोरी, सुरक्षा व्यवस्था पर उठे सवाल

» प्रथम न्यूज । पंचकूला

08 जून (पुनीत महाजन)

सेक्टर-5 स्थित दशहरा ग्राउंड में आयोजित मेले के दौरान हरियाणा के पूर्व पुलिस महानिदेशक (डीजीपी) बी.एस. संधू के निजी सचिव (पीएस) शिवदेव की कार से चोरी की घटना सामने आई है। अज्ञात चोर कार का शीशा तोड़कर नकदी सहित अन्य कीमती सामान लेकर फरार हो गए।

प्राप्त जानकारी के अनुसार शिवदेव अपने परिवार के साथ मेला देखने पहुंचे थे और उन्होंने अपनी मारुति ब्रेज़ा कार निर्धारित पार्किंग स्थल पर खड़ी की थी। रात करीब 9:48 बजे जब वे वापस लौटे तो कार की पिछली खिड़की टूटी हुई मिली। कार की जांच करने पर उसमें रखे 17

हजार रुपये नकद, भारतीय स्टेट बैंक (एसबीआई) की चेक बुक तथा चांदी का एक ब्रेसलेट गायब पाया गया।

पीड़ित शिवदेव ने आरोप लगाया कि पार्किंग शुल्क के नाम पर 50 रुपये वसूले गए थे, लेकिन पार्किंग स्थल पर सुरक्षा व्यवस्था नाकाफी थी। उन्होंने कहा कि घटना के बाद भी मेला प्रबंधन की ओर से कोई संतोषजनक कार्रवाई या सहयोग नहीं किया गया, जिससे लोगों की सुरक्षा को लेकर गंभीर प्रश्न खड़े हो गए हैं।

घटना की सूचना मिलने पर सेक्टर-5 थाना पुलिस मौके पर पहुंची और शिकायत के आधार पर भारतीय न्याय संहिता (बीएनएस) की धारा 305 तथा 324(4) के तहत मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी। पुलिस आसपास लगे सीसीटीवी कैमरों की फुटेज खंगाल रही है और आरोपियों की पहचान के प्रयास किए जा रहे हैं।

इस घटना ने मेले में आने वाले हजारों लोगों की सुरक्षा व्यवस्था पर सवाल खड़े कर दिए हैं।

स्थानीय लोगों ने प्रशासन से पार्किंग स्थलों और सार्वजनिक आयोजनों में सुरक्षा के पुख्ता इंतजाम सुनिश्चित करने की मांग की है ताकि भविष्य में इस प्रकार की घटनाओं को रोका जा सके।

ऑनलाइन सट्टेबाजी के नाम पर ठगी करने वाले गिरोह का भंडाफोड़, पांच आरोपियों के खिलाफ मामला दर्ज

» प्रथम न्यूज । जीरकपुर

08 जून (पुनीत महाजन)

जीरकपुर पुलिस ने ऑनलाइन सट्टेबाजी के नाम पर लोगों से कथित ठगी करने वाले एक संगठित गिरोह का पर्दाफाश करते हुए पांच आरोपियों के खिलाफ मामला दर्ज किया है। पुलिस ने गुप्त सूचना के आधार पर कार्रवाई करते हुए इस नेटवर्क का खुलासा किया, जो लोगों को कम समय में अधिक मुनाफा कमाने का लालच देकर अपने जाल में फंसा रहा था।

जानकारी के अनुसार पुलिस को विश्वसनीय सूत्रों से सूचना मिली थी कि कुछ व्यक्ति प्राइवेट मैचों पर ऑनलाइन सट्टा लगाने के नाम पर भोले-भाले लोगों से धनराशि अपने बैंक खातों में ट्रांसफर

करवाकर कथित रूप से हड़प रहे हैं। सूचना मिलने पर पुलिस ने तत्काल कार्रवाई शुरू की।

पुलिस के अनुसार एएसआई गुरनाम सिंह अपनी टीम के साथ क्षेत्र में गश्त कर रहे थे, तभी कोहिनूर ढाबा के निकट एक मुखबिर ने जानकारी दी कि राकेश कुमार, अनिल कुमार, दीसू गर्ग, मनीष कुमार तथा विजय कुमार वीआईपी रोड स्थित मोना ग्रीन सोसायटी के फ्लैट नंबर 1202 से इस कथित अवैध गतिविधि का संचालन कर रहे हैं।

प्रारंभिक जांच में सामने आया है कि आरोपी लोगों को ऑनलाइन सट्टेबाजी के माध्यम से भारी मुनाफा कमाने का झांसा देकर निवेश के लिए प्रेरित करते थे। इसके बाद उनसे धनराशि अपने खातों में ट्रांसफर करवा लेते थे। पुलिस को यह भी सूचना मिली कि आरोपियों द्वारा मोबाइल फोन, लैपटॉप और अन्य इलेक्ट्रॉनिक उपकरणों की सहायता से इस नेटवर्क को संचालित किया जा रहा था।

पुलिस ने पांचों आरोपियों के खिलाफ पंजाब गैंबलिंग एक्ट की धारा 3 एवं 4 तथा भारतीय न्याय संहिता (बीएनएस) की धारा 318(4) के तहत मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

517 ग्राम अफीम बरामदगी मामले में एंटी नारकोटिक सैल द्वारा राजस्थान निवासी अफीम सप्लायर गिरफ्तार

कैथल, 08 जून (कृष्ण कुमार)- नशा तस्करों की जड़ मूल तक पहुंचकर एसपी मनप्रीत सिंह सूदन के आदेशानुसार नशा सप्लाई करने वालों पर शिकंजा कसते हुए 517 ग्राम अफीम बरामदगी मामले की जांच एंटी नारकोटिक सैल प्रभारी एसआई प्रदीप कुमार की अगुवाई में एएसआई जसमेर सिंह की टीम द्वारा करते हुए आरोपी गांव उटेल जिला चित्तौड़गढ़ राजस्थान निवासी भेरूलाल को काबू कर लिया गया। पुलिस प्रवक्ता ने बताया कि 2 जून को एंटी नारकोटिक सेल के एसआई बलराज सिंह की टीम द्वारा एक गुप्त सूचना के आधार पर आश्रम पबनावा के पास नाकाबंदी कर गाड़ी में सवार आए गांव फरल निवासी बिजेंद्र सिंह को काबू किया गया था। जिसके कब्जे से 517 ग्राम अफीम बरामद हुई थी। आरोपी के खिलाफ थाना ढाण्ड में मामला दर्ज करके आगामी जांच एएसआई जसमेर सिंह द्वारा अमल में लाई गई। आरोपी बिजेंद्र सिंह ने कबूल किया था कि उसको यह अफीम बैरुलाल उपरोक्त द्वारा उपलब्ध करवाई गई है। आरोपी के कब्जे से 5 हजार रुपए ड्रगमनी बरामद की गई। आरोपी को न्यायालय के आदेशानुसार न्यायिक हिरासत में भेज दिया गया।

गांव सांवला व रामगढ़ के बच्चों ने प्राप्त किया गोल्डन एरो नेशनल अवार्ड

कुरुक्षेत्र 8 जून (बृज मोहन) जिले के सरकारी स्कूल गांव सांवला के विद्यार्थी विवान तथा गांव रामगढ़ के प्रतीक व संस्कार ने भारत स्काउट एंड गाइड के तत्वावधान में पहली सीढ़ी कब के लिए सर्वोच्च राष्ट्रीय सम्मान गोल्डन एरो अवार्ड प्राप्त कर जिले, विद्यालय और अपने गांव का नाम रोशन किया है। यह सम्मान बच्चों को जिला मौलिक शिक्षा अधिकारी इंदू कौशिक एवं सीएमजीजीए मुस्कान यादव द्वारा उनके प्रशिक्षकों वीरेंद्र सिंह तथा सतीश कुमार की उपस्थिति में प्रदान किया गया। अधिकारियों ने बच्चों की इस उपलब्धि की सराहना करते हुए उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की।

इन बच्चों ने विद्यालय, जिला एवं राज्य स्तर पर अनेक चरण सफलतापूर्वक पार किए तथा कई दिनों तक घर से दूर रहकर विभिन्न शिविरों में भाग लिया। उनकी मेहनत, अनुशासन और लगन का परिणाम उन्हें राष्ट्रीय स्तर का यह प्रतिष्ठित गोल्डन एरो अवार्ड मिलने के रूप में प्राप्त हुआ। बच्चों की इस सफलता में उनके प्रशिक्षकों वीरेंद्र सिंह एवं सतीश कुमार का विशेष योगदान रहा। दोनों प्रशिक्षकों ने निरंतर मेहनत करते हुए हर कदम पर बच्चों का मार्गदर्शन किया तथा विभिन्न शिविरों में उनके साथ रहकर उनका उत्साहवर्धन किया। इस अवसर पर भारत स्काउट एंड गाइड के जिला संगठन आयुक्त अमित कुमार विशेष रूप से उपस्थित रहे। उन्होंने बच्चों और उनके शिक्षकों को बधाई देते हुए भविष्य में भी इसी प्रकार उत्कृष्ट प्रदर्शन करने के लिए प्रेरित किया तथा विभाग की ओर से हर संभव सहयोग का आश्वासन दिया।

गुरु शिष्य परंपरा प्रशिक्षण योजना के तहत गुरु, संगतकार और शिष्यों को प्रदान की जाएगी छात्रवृत्ति

कुरुक्षेत्र 8 जून (बृज मोहन) उपायुक्त विश्राम कुमार मीणा ने कहा कि गुरु शिष्य परंपरा प्रशिक्षण योजना के तहत गुरु, संगतकार और शिष्यों को छात्रवृत्ति प्रदान की जाएगी। इस योजना का लाभ पाने के लिए लुप्त होती विधाओं का प्रशिक्षण देने वाले गुरुओं और शिष्यों की जानकारी कला एवं सांस्कृतिक कार्य विभाग को भेजी जाए। उन्होंने कहा कि उत्तर मध्य क्षेत्र सांस्कृतिक केंद्र प्रयागराज ने प्रदेश से लुप्त होती विधाओं का प्रशिक्षण देने वालों को प्रोत्साहित किया जा रहा है। गुरु शिष्य परंपरा प्रशिक्षण योजना के तहत गुरु को प्रति माह 7500 रुपए, प्रति संगतकार को प्रति माह 3750 रुपए और प्रत्येक शिष्य को प्रति माह 1500 रुपए की राशि छात्रवृत्ति के तौर पर प्रदान की जाएगी। उन्होंने कहा कि इस योजना का लाभ अधिक से अधिक पात्र नागरिकों तक पहुंचाने के लिए गुरुओं तथा शिष्यों के नामों की सूची कला एवं सांस्कृतिक कार्य विभाग हरियाणा को भेजी जाए, ताकि भारत सरकार की इस नीति के प्रति जागरूक और लाभर्थित हो सके।

आज का संपादकीय

विश्वास टूट रहे हैं, उम्मीदें खत्म हो रही हैं

विश्वास टूट रहे हैं। उम्मीदें खत्म हो रही हैं। यह एक त्रासदी है। और ऐसा माहौल समाज के लिए बहुत ही घातक होता है।

समाज कानून से नहीं, भरोसे से चलता है। आप पुलिस से सुरक्षा की उम्मीद करते हैं, कोर्ट से न्याय की, नेता से समाधान की। जब यही लोग और यही संस्थाएं अपना काम नहीं करतीं तो जनता का भरोसा उठ जाता है। फिर हर आदमी खुद को अकेला महसूस करता है। वो कानून पर नहीं, अपनी ताकत पर भरोसा करता है। यही अराजकता की शुरुआत है। जब भरोसा टूटता है तो व्यवस्था अंदर से खोखली हो जाती है। लोग सड़कों पर, दफ्तरों में, बाजार में हर जगह चिड़चिड़े और अविश्वासी हो जाते हैं।

नरेन्द्र भारती
वरिष्ठ पत्रकार

उम्मीद खत्म होना सबसे खतरनाक है। इंसान गरीबी, बीमारी, मेहनत सब सह लेता है अगर उसे लगे कि कल बेहतर होगा। लेकिन जब उम्मीद ही मर जाए तो आदमी अंदर से खत्म हो जाता है। आज युवा पढ़कर भी कहता है नौकरी नहीं मिलेगी। किसान फसल उगाकर भी कहता है भाव नहीं मिलेगा। व्यापारी मेहनत करके भी कहता है सिस्टम खा जाएगा। ये थकान एक पीढ़ी को बेकार कर देती है। और बेकार पीढ़ी देश का भविष्य बर्बाद कर देती है। उम्मीद के बिना लोग न विरोध करते हैं न सहयोग। वो सिर्फ जीते हैं, जैसे सांस चल रही हो लेकिन जीवन खत्म हो गया हो।

जब भरोसा और उम्मीद दोनों खत्म होते हैं तो समाज में संदेह बढ़ता है। हर बात में साजिश दिखने लगती है। सच और झूठ का फर्क मिट जाता है। लोग व्हाट्सऐप फॉरवर्ड को सबूत मानने लगते हैं और सरकारी आंकड़ों को झूठ। इस माहौल में तर्क हार जाता है और शोर जीत जाता है। समाज दो हिस्सों में बंट जाता है, हम और वो। जहाँ हम और वो आ जाए वहाँ संवाद खत्म हो जाता है और बचा रहता है सिर्फ संघर्ष। गुस्सा और पलायन भी इसी का परिणाम हैं। लोग छोटी बात पर लड़ने लगते हैं, सड़कों पर, सोशल मीडिया पर, घरों में। जो सक्षम हैं वो देश छोड़ देते हैं। जो बचते हैं वो चुप हो जाते हैं। इसका नतीजा है नफरत, नशा, अपराध और उदासीनता। इतिहास गवाह है कि साम्राज्य तलवार से नहीं गिरे, वो अंदर से खोखले हुए थे। जब लोगों का सिस्टम से भरोसा उठ गया तो कुछ भी टिक नहीं पाया।

इसका ठीकरा किसी एक पर नहीं फोड़ा जा सकता। सरकार अगर पारदर्शी नहीं होगी तो लोग सवाल पूछेंगे। मीडिया अगर सच नहीं दिखाएगी तो लोग अफवाह पर भरोसा करेंगे। न्याय अगर देर से मिलेगा तो लोग कानून को मानना बंद कर देंगे। और आम जनता अगर वोट जाति-धर्म पर देगी, मुद्दे पर नहीं, तो यही चक्र चलता रहेगा। हर व्यक्ति की जिम्मेदारी है क्योंकि देश सिर्फ सरकार से नहीं बनता, हम सब से बनता है।

रास्ता मुश्किल नहीं है लेकिन मेहनत मांगता है। सबसे पहले सच स्वीकार करना होगा। सब ठीक नहीं है, ये मानना होगा। उसके बाद जवाबदेही तय करनी होगी। गलती करने वाले को सजा मिले, चाहे वो कोई भी हो।

छोटे स्तर पर भरोसा बनाना होगा। अगर मोहल्ला, स्कूल, थाना ठीक चलने लगे तो लोगों का भरोसा धीरे-धीरे लौटता है। और सबसे जरूरी है अच्छी खबरें फैलाना। देश में आज भी लाखों लोग ईमानदारी से काम कर रहे हैं। उनकी कहानियाँ सामने आनी चाहिए क्योंकि उम्मीद भी संक्रामक होती है।

विश्वास और उम्मीद दोबारा बनाई जा सकती हैं। लेकिन उसके लिए झूठ बोलना बंद करना होगा, काम करना होगा, और सबसे जरूरी जनता को खुद जागना होगा। अगर आज नहीं जागे तो कल जब बच्चे पूछेंगे देश ऐसा क्यों है, तो हमारे पास जवाब नहीं होगा। समय इंतज़ार नहीं करता। या तो हम माहौल बदलेंगे, या माहौल हमें बदल देगा।

औपनिवेशिक सोच से मुक्ति की ओर बढ़े भारतीय शिक्षा व्यवस्था

भारत ने राजनीतिक स्वतंत्रता तो प्राप्त कर ली, लेकिन शिक्षा व्यवस्था आज भी काफी हद तक औपनिवेशिक सोच से प्रभावित है। देश के अनेक विश्वविद्यालयों और उच्च शिक्षण संस्थानों के पाठ्यक्रम भारतीय परिस्थितियों, भाषाओं और ज्ञान परंपराओं को पर्याप्त महत्व नहीं दे पाते। परिणामस्वरूप छात्रों की सोच और अनुसंधान का दायरा अक्सर विदेशी सिद्धांतों तक सीमित रह जाता है।

विशेषज्ञों का मानना है कि शिक्षा का वास्तविक वि-उपनिवेशीकरण तभी संभव है, जब भारतीय भाषाओं को उच्च शिक्षा और शोध का सशक्त माध्यम बनाया जाए। मातृभाषा में शिक्षा न केवल समझ को बेहतर बनाती है, बल्कि मौलिक चिंतन और नवाचार को भी बढ़ावा देती है। जापान, चीन और दक्षिण कोरिया जैसे देशों ने अपनी भाषाओं में शिक्षा विकसित कर वैश्विक स्तर पर उल्लेखनीय प्रगति हासिल की है।

नई शिक्षा नीति ने भारतीय ज्ञान परंपरा और स्थानीय भाषाओं को बढ़ावा देने की दिशा में महत्वपूर्ण पहल की है। हालांकि इसके प्रभावी क्रियान्वयन के लिए विश्वविद्यालयों, शिक्षकों और नीति निर्माताओं को मिलकर कार्य करना होगा। शिक्षा का उद्देश्य केवल डिग्री प्रदान करना नहीं, बल्कि ऐसे नागरिक तैयार करना होना चाहिए जो अपनी संस्कृति, समाज और राष्ट्रीय आवश्यकताओं को समझते हुए नए समाधान विकसित कर सकें।

भारतीय दृष्टि और आधुनिक ज्ञान के संतुलित समन्वय से ही शिक्षा व्यवस्था वास्तव में आत्मनिर्भर और भविष्य उन्मुख बन सकेगी।

भारत ने राजनीतिक स्वतंत्रता तो 1947 में प्राप्त कर ली, लेकिन शिक्षा व्यवस्था आज भी काफी हद तक औपनिवेशिक सोच और ढांचे के प्रभाव से मुक्त नहीं हो सकी है। पिछले कुछ वर्षों में देश में डीकोलोनाइजेशन अर्थात् वि-उपनिवेशीकरण की चर्चा तेज हुई है। शिक्षा, प्रशासन, न्याय और संस्कृति के क्षेत्रों में यह बहस लगातार उठ रही है कि क्या भारत की वर्तमान व्यवस्था वास्तव में भारतीय समाज, संस्कृति और आवश्यकताओं का प्रतिनिधित्व करती है? विशेष रूप से शिक्षा के क्षेत्र में यह प्रश्न अत्यंत महत्वपूर्ण हो जाता है, क्योंकि किसी भी राष्ट्र की भावी दिशा उसके शिक्षण संस्थानों में ही तय होती है।

आज भी देश के अनेक विश्वविद्यालयों और उच्च शिक्षण संस्थानों के पाठ्यक्रम ऐसे ढांचों पर आधारित हैं, जिनकी रचना औपनिवेशिक काल में हुई थी। इनका उद्देश्य भारतीय समाज की जरूरतों के अनुरूप ज्ञान विकसित करना नहीं, बल्कि प्रशासनिक और औद्योगिक आवश्यकताओं की पूर्ति के लिए सीमित सोच वाले मानव संसाधन तैयार करना था। स्वतंत्रता के बाद अनेक सुधार हुए, लेकिन शिक्षा की मूल संरचना और सोच में अपेक्षित परिवर्तन नहीं हो पाया।

भारतीय शिक्षा व्यवस्था के सामने सबसे बड़ी चुनौती यह है कि वह भारतीय परिस्थितियों, सामाजिक वास्तविकताओं और सांस्कृतिक अनुभवों को पर्याप्त स्थान नहीं दे पा रही है। अधिकांश पाठ्यक्रमों में पश्चिमी विचारधाराओं, सिद्धांतों और शोध पद्धतियों का वर्चस्व दिखाई देता है। परिणामस्वरूप छात्र अक्सर भारतीय समस्याओं के समाधान खोजने के बजाय विदेशी मॉडलों की नकल करने लगते हैं। जबकि भारत जैसे विविधतापूर्ण देश की चुनौतियां और अवसर दोनों ही विशिष्ट हैं, जिनके लिए स्थानीय ज्ञान और अनुभवों पर आधारित दृष्टिकोण की आवश्यकता है।

विशेषज्ञों का मानना है कि शिक्षा का वि-उपनिवेशीकरण केवल पाठ्यपुस्तकों में कुछ भारतीय नाम जोड़ देने से पूरा नहीं होगा। इसके लिए ज्ञान की पूरी अवधारणा पर पुनर्विचार करना होगा। छात्रों को यह सिखाना आवश्यक है कि वे स्वतंत्र और मौलिक सोच विकसित करें। उन्हें केवल स्थापित सिद्धांतों को याद करने के बजाय नए प्रश्न पूछने, भारतीय संदर्भ में शोध करने और स्थानीय समस्याओं के समाधान खोजने के लिए प्रेरित किया जाना चाहिए। यही प्रक्रिया वास्तविक नवाचार और आत्मनिर्भरता की आधारशिला बन सकती है।

इस संदर्भ में भारतीय भाषाओं की भूमिका भी अत्यंत महत्वपूर्ण है। आज भी उच्च शिक्षा और शोध के अधिकांश क्षेत्रों में अंग्रेजी का प्रभुत्व कायम है। इससे बड़ी संख्या में प्रतिभाशाली छात्र अपनी अभिव्यक्ति और शोध क्षमता का पूरा उपयोग नहीं कर पाते। कई बार विद्यार्थी अपनी मातृभाषा में बेहतर सोचते हैं, लेकिन उन्हें अपने विचार अंग्रेजी में व्यक्त करने पड़ते हैं। इस प्रक्रिया में न केवल समय अधिक लगता है, बल्कि विचारों की मौलिकता और प्रभावशीलता भी प्रभावित होती है।

भारतीय मनीषा और अवधारणाओं को सहज प्रासंगिक रूप से शिक्षा में शामिल करना होगा कि वे अतिरिक्त भार न बनकर हमारी आवश्यकताओं एवं चुनौतियों का सामना करने में हमें समर्थ बना सकें।

दुनिया के कई विकसित देशों ने अपनी मातृभाषाओं में शिक्षा और अनुसंधान को बढ़ावा देकर उल्लेखनीय प्रगति हासिल की है। जापान, दक्षिण कोरिया, चीन, जर्मनी और फ्रांस जैसे देशों ने अपनी भाषाओं में वैज्ञानिक और तकनीकी साहित्य विकसित किया तथा शिक्षा को अपनी सांस्कृतिक आवश्यकताओं के अनुरूप ढाला। परिणामस्वरूप वे न केवल तकनीकी क्षेत्र में आगे बढ़े, बल्कि वैश्विक ज्ञान उत्पादन में भी महत्वपूर्ण योगदान दे सके। भारत के लिए भी यह आवश्यक है कि वह अपनी भाषाओं को आधुनिक ज्ञान-विज्ञान के वाहक के रूप में विकसित करे।

नई शिक्षा नीति 2020 ने इस दिशा में कुछ सकारात्मक संकेत दिए हैं। नीति में भारतीय भाषाओं को प्रोत्साहन, भारतीय ज्ञान परंपरा के समावेश और बहुविषयक शिक्षा पर बल दिया गया है। हालांकि इन उद्देश्यों को वास्तविक रूप देने के लिए व्यापक संस्थागत प्रयासों की आवश्यकता होगी। केवल नीतिगत घोषणाएं पर्याप्त नहीं हैं; विश्वविद्यालयों, शोध संस्थानों और शिक्षकों को भी इस परिवर्तन का सक्रिय भागीदार बनना होगा।

भारतीय ज्ञान परंपरा में विज्ञान, गणित, दर्शन, चिकित्सा, कृषि, पर्यावरण और सामाजिक संगठन से जुड़े अनेक मूल्यवान विचार मौजूद हैं। इनका आधुनिक संदर्भों में पुनर्पाठ और पुनर्मूल्यांकन किया जाना चाहिए। इसका अर्थ अतीत की अंधभक्ति नहीं, बल्कि उपयोगी और प्रासंगिक ज्ञान को समकालीन शोध और शिक्षा के साथ जोड़ना है। यदि भारतीय विश्वविद्यालय इन स्रोतों को गंभीरता से अध्ययन और अनुसंधान का विषय बनाएं, तो नई पीढ़ी को अपनी बौद्धिक विरासत से परिचित कराया जा सकता है।

शिक्षा के वि-उपनिवेशीकरण का एक अन्य महत्वपूर्ण पक्ष मूल्यांकन प्रणाली में सुधार भी है। वर्तमान परीक्षा व्यवस्था अक्सर रटने और निर्धारित उत्तरों को दोहराने पर आधारित होती है। इससे रचनात्मकता और स्वतंत्र चिंतन को पर्याप्त प्रोत्साहन नहीं मिल पाता। आवश्यकता इस बात की है कि मूल्यांकन की ऐसी प्रणाली विकसित की जाए, जो विश्लेषणात्मक क्षमता, समस्या समाधान कौशल और नवाचारी सोच को बढ़ावा दे।

विशेषज्ञों का यह भी मानना है कि भारतीय विश्वविद्यालयों को केवल वैश्विक रैंकिंग की दौड़ में शामिल होने के बजाय अपने सामाजिक दायित्वों पर भी ध्यान देना चाहिए। उन्हें स्थानीय समुदायों, ग्रामीण क्षेत्रों और भारतीय समाज की वास्तविक समस्याओं से जुड़कर शोध और नवाचार को दिशा देनी चाहिए। जब शिक्षा समाज की जरूरतों के साथ जुड़ती है, तभी उसका वास्तविक प्रभाव दिखाई देता है।

वैश्वीकरण के वर्तमान दौर में यह आवश्यक नहीं कि भारतीय शिक्षा स्वयं को दुनिया से अलग कर ले। बल्कि आवश्यकता इस बात की है कि भारत वैश्विक ज्ञान से संवाद करते हुए अपनी विशिष्ट पहचान और बौद्धिक स्वतंत्रता को बनाए रखे। एक ऐसी शिक्षा व्यवस्था विकसित की जाए, जो अंतरराष्ट्रीय मानकों के अनुरूप हो, लेकिन उसकी जड़ें भारतीय समाज, संस्कृति और भाषाओं में मजबूती से स्थापित हों।

निस्संदेह, शिक्षा का वि-उपनिवेशीकरण कोई तात्कालिक प्रक्रिया नहीं है। इसके लिए दीर्घकालिक दृष्टि, संस्थागत प्रतिबद्धता और सामाजिक सहयोग की आवश्यकता होगी। लेकिन यदि भारत को ज्ञान आधारित, आत्मनिर्भर और नवाचार-प्रधान राष्ट्र बनना है, तो शिक्षा व्यवस्था को औपनिवेशिक विरासत की सीमाओं से बाहर निकालना अनिवार्य होगा। भारतीय दृष्टि, भारतीय भाषाओं और भारतीय ज्ञान परंपरा को केंद्र में रखकर विकसित की गई शिक्षा ही भविष्य के भारत को नई दिशा और नई ऊर्जा प्रदान कर सकती है।

प्रतिस्पर्धा, तनाव और हिंसा: कोचिंग संस्कृति पर एक विमर्श

हाल ही में बिहार की राजधानी पटना स्थित खान ग्लोबल स्टडीज संस्थान में हुई हिंसा और तोड़फोड़ की घटना ने पूरे देश का ध्यान अपनी ओर आकर्षित किया है। लाखों छात्रों के बीच लोकप्रिय शिक्षक खान सर के संस्थान के बाहर हुई इस घटना ने न केवल कानून-व्यवस्था पर सवाल खड़े किए हैं, बल्कि भारत की तेजी से बढ़ती कोचिंग संस्कृति के उस अंधेरे पक्ष को भी उजागर किया है, जिसके बारे में अक्सर कम चर्चा होती है। शिक्षा का उद्देश्य ज्ञान, विवेक और व्यक्तित्व निर्माण है, लेकिन जब शिक्षा का क्षेत्र व्यावसायिक प्रतिस्पर्धा, प्रतिष्ठा की लड़ाई और आर्थिक हितों का अखाड़ा बन जाए, तो ऐसी घटनाएं समाज के लिए गंभीर चिंता का विषय बन जाती हैं।

मीडिया रिपोर्टों के अनुसार पटना में खान सर के संस्थान के बाहर कुछ लोगों द्वारा तोड़फोड़, पथराव और हिंसा की गई। घटना में एक सुरक्षा कर्मी घायल हुआ और बाद में मामले ने कानूनी तथा राजनीतिक रंग भी ले लिया। पुलिस जांच में कई लोगों की गिरफ्तारी हुई, वहीं विभिन्न पक्षों द्वारा एक-दूसरे पर आरोप लगाए गए। कुछ रिपोर्टों में कोचिंग संस्थानों के बीच प्रतिद्वंद्विता को संभावित कारण बताया गया, जबकि मामले की जांच अभी भी जारी है। इसलिए अंतिम निष्कर्ष जांच पूरी होने के बाद ही सामने आएगा। हालांकि इस घटना का महत्व केवल एक आपराधिक मामले तक सीमित नहीं है। यह उस व्यापक व्यवस्था का प्रतीक है जिसमें कोचिंग संस्थान आज शिक्षा से अधिक एक बड़े उद्योग का रूप ले चुके हैं। भारत में प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी करने वाले करोड़ों छात्रों के लिए कोचिंग संस्थान सफलता का प्रमुख माध्यम बन गए हैं। ऐसे में छात्रों को आकर्षित करने, बेहतर परिणाम दिखाने और बाजार में अपनी पहचान बनाने की होड़ लगातार बढ़ रही है।

कोचिंग संस्कृति का विस्तार पिछले दो दशकों में अभूतपूर्व रूप से हुआ है। पहले जहां शिक्षा का केंद्र विद्यालय और विश्वविद्यालय हुआ करते थे, वहीं आज प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी का बड़ा हिस्सा निजी कोचिंग संस्थानों के हाथों में है। इन संस्थानों के बीच प्रतिस्पर्धा स्वाभाविक है, लेकिन जब यह प्रतिस्पर्धा स्वस्थ दायरे से बाहर निकल जाती है, तब तनाव और टकराव की स्थिति पैदा होती है। बेहतर परिणामों का दावा, छात्रों की संख्या बढ़ाने की होड़, विज्ञापन युद्ध और सोशल मीडिया पर प्रभाव बढ़ाने की कोशिशें कई बार विवाद का कारण बन जाती हैं।

विशाल कल्याण

खान सर का संस्थान अपनी कम फीस और बड़े छात्र आधार के कारण लंबे समय से चर्चा में रहा है। ऐसे में यदि किसी संस्थान की लोकप्रियता तेजी से बढ़ती है, तो वह अन्य संस्थानों के लिए चुनौती बन सकती है। हालांकि यह कहना जल्दबाजी होगी कि हालिया हिंसा का कारण केवल व्यावसायिक प्रतिस्पर्धा थी, लेकिन यह घटना इस संभावना पर चर्चा करने का अवसर अवश्य देती है कि शिक्षा क्षेत्र में बढ़ती प्रतिस्पर्धा किस प्रकार तनावपूर्ण माहौल पैदा कर सकती है।

इस घटना का सबसे बड़ा प्रभाव छात्रों पर पड़ सकता है। छात्र कोचिंग संस्थानों में शिक्षा प्राप्त करने और अपने भविष्य का निर्माण करने के लिए आते हैं। जब वे अपने शिक्षण संस्थान के आसपास हिंसा, तोड़फोड़ और असुरक्षा का माहौल देखते हैं, तो उनके मन में भय और अस्थिरता उत्पन्न होती है। शिक्षा के वातावरण में सुरक्षा और मानसिक शांति अत्यंत आवश्यक होती है। यदि छात्र स्वयं को असुरक्षित महसूस करेंगे, तो उनकी पढ़ाई और एकाग्रता दोनों प्रभावित होंगी।

दूसरा प्रभाव अभिभावकों पर पड़ता है। माता-पिता अपने बच्चों को दूर-दराज के शहरों में भेजते हैं और उनकी सुरक्षा को लेकर पहले से ही चिंतित रहते हैं। ऐसी घटनाएं उनकी आशंकाओं को और बढ़ा देती हैं। परिणामस्वरूप कोचिंग संस्थानों की विश्वसनीयता पर भी असर पड़ सकता है।

तीसरा प्रभाव पूरे शिक्षा जगत की छवि पर पड़ता है। शिक्षा संस्थानों को समाज में सम्मान और विश्वास का केंद्र माना जाता है। यदि उनके नाम हिंसा और विवादों से जुड़ने लगें, तो यह शिक्षा व्यवस्था की गरिमा को नुकसान पहुंचाता है। इससे यह संदेश जाता है कि शिक्षा भी अब अन्य व्यावसायिक क्षेत्रों की तरह प्रतिस्पर्धा और संघर्ष का मैदान बनती जा रही है।

यह घटना मानसिक तनाव के प्रश्न को भी सामने लाती है। आज छात्र प्रतियोगी परीक्षाओं के दबाव में हैं, शिक्षक परिणाम देने के दबाव में हैं और संस्थान बाजार में अपनी स्थिति बनाए रखने के दबाव में हैं। यह सामूहिक तनाव कई बार नकारात्मक रूप धारण कर लेता है। जब संवाद और सहयोग की जगह आक्रामकता ले लेती है, तब विवाद जन्म लेते हैं।

समाज को यह समझना होगा कि शिक्षा का उद्देश्य केवल नौकरी दिलाना नहीं है। शिक्षा का वास्तविक उद्देश्य जिम्मेदार नागरिक तैयार करना है। यदि शिक्षा संस्थान स्वयं संघर्ष और टकराव का प्रतीक बन जाएं, तो छात्रों को गलत संदेश मिल सकता है। वे यह मान सकते हैं कि सफलता प्राप्त करने के लिए किसी भी प्रकार की प्रतिस्पर्धा उचित है, जबकि वास्तविकता इसके विपरीत है। इस घटना से सरकार, प्रशासन और कोचिंग संस्थानों सभी को सीख लेने की आवश्यकता है। प्रशासन को यह सुनिश्चित करना चाहिए कि शिक्षा संस्थानों के आसपास पर्याप्त सुरक्षा व्यवस्था हो और किसी भी प्रकार की हिंसा के प्रति शून्य सहनशीलता की नीति अपनाई जाए। वहीं कोचिंग संस्थानों को भी प्रतिस्पर्धा को स्वस्थ और सकारात्मक बनाए रखने का प्रयास करना चाहिए। छात्रों को आकर्षित करने के लिए गुणवत्ता, नवाचार और बेहतर शिक्षण पद्धति का सहारा लिया जाना चाहिए, न कि टकराव और आरोप-प्रत्यारोप का।

अंततः पटना में हुई यह घटना केवल एक संस्थान की समस्या नहीं है। यह भारतीय कोचिंग संस्कृति के सामने खड़े व्यापक प्रश्नों की ओर संकेत करती है। जब शिक्षा व्यवसाय, प्रतिष्ठा और प्रतिस्पर्धा के दबाव में आ जाती है, तब उसके मूल उद्देश्य को खतरा पैदा हो जाता है। आवश्यकता इस बात की है कि शिक्षा जगत में सहयोग, नैतिकता और स्वस्थ प्रतिस्पर्धा की भावना को मजबूत किया जाए। छात्रों के सपनों का निर्माण करने वाले संस्थानों को संघर्ष का नहीं, बल्कि ज्ञान और प्रेरणा का केंद्र बनना चाहिए। तभी शिक्षा वास्तव में समाज को आगे बढ़ाने का माध्यम बन सकेगी।

मां कालका मंदिर जोल बड़सर हमीरपुर हिमाचल प्रदेश वार्षिक मेला 22 जून 2026 को

हमीरपुर (हिमाचल प्रदेश) के बड़सर उपमंडल में स्थित माँ कालका जी मंदिर (टिक्कर) एक अत्यंत सिद्ध और प्राचीन शक्तिपीठ है। यह स्थान अपने शांत वातावरण, मनमोहक प्राकृतिक दृश्यों और हर साल लगने वाले प्रसिद्ध मेले के लिए जाना जाता है। यात्रा और मेले से जुड़े मुख्य विवरण-स्थान- यह मंदिर ऊना-हमीरपुर रोड पर बड़सर के अंतर्गत जोल से गलियां जाने वाले लिंक रोड पर स्थित है। यह हमीरपुर से लगभग 25 से 30 किलोमीटर की दूरी पर है। मेला = कालका माता मंदिर, जोल-बड़सर में वार्षिक मेला बड़े ही हर्षोल्लास के साथ मनाया जाता है। इस दौरान स्थानीय लोग के अलावा पंजाब, हरियाणा ,दिल्ली आदि से हजारों की संख्या में माता के दर्शन करते हैं और मेले में पारंपरिक व्यंजनों व मेलों का आनंद लेते हैं। मेले के दिन जगह जगह मीठे पानी की छबील लगती है। तरबूज, खरबूजे आदि फलों, आइसक्रीम, जलेबी आदि के भंडारों का भी आयोजन किया जाता है। मेले में घरेलू सामान, कृषि उत्पाद/उपकरण, कपड़े, खिलौनों आदि की दुकानें सजती है। बच्चों के लिए अनेक प्रकार के बड़े बड़े झूले लगाए जाते हैं। सुविधाएं- मंदिर परिसर में सराय,पीने के पानी, पर्याप्त पार्किंग और शौचालय की सुविधा मौजूद है। समय- मंदिर दर्शन के लिए सुबह से शाम तक खुला रहता है (सामान्यतः सुबह 6बजे से शाम 7-30बजे तक)। मंदिर में रोज सुबह शाम आरती होती है।

कालका माता का प्राचीन इतिहास....

आज से हज़ारों वर्ष पूर्व की बात है कि गाँव टिक्कर राजपूतां के पूर्वज खेतों में घास काटने गए हुए थे, वहां पर घास काटने के उपरान्त घास की गांठ बांधकर जब वो घास को उठाने लगे तो उनसे वह घास की गांठ नहीं उठाई गई। उसके बाद उन्होंने सोचा कि शायद घास जयादा हो गई है इसलिए नहीं उठाई जा रही है, फिर उन्होंने उस घास की गांठ से घास कम कर दिया पर फिर भी गांठ नहीं उठाई गई, फिर दोबारा उन्होंने घास को कम किया जब अन्तिम में घास थोड़ी रह गई तो वो असमंजस में पड़ गए कि इतनी कम घास होने के बाबजूद गांठ क्यों नहीं उठाई जा रही, तब उन्होंने घास को खोल कर देखा तो उसमें पिण्डी (मूर्ति) निकली तो उन्होंने अन्य लोगों को इक्ट्ठा किया औऔर पूरी घटना के बारे में बताया, जब वो मूर्ति हाथों से नहीं उठाई गई तो पालकी का इन्तजाम किया और सभी ने मिलकर मूर्ति को पालकी में डाला, इसी तरह उठाते-उठाते छः पालकियां टूट गई, सातवीं पालकी जब तैयार की गई तो वह मूर्ति आसानी से उस पालकी में रखी गई और खेतों से उठाकर ले आए और थोड़ी दूर आने पर विश्राम करने के लिए पालकी को उतारा गया। जहाँ अब मन्दिर है जब उस पालकी को दोबारा उठाने लगे तो दोवारा नहीं उठाई गई और सभी लोग अपने - 2 घरों में पालकी को छोड़ कर चले गए, रात को उसी पूर्वज को जिसके घास में पिण्डी मिली थी उसको स्वप्न हुआ कि जहाँ मेरे को उतारा गया है वहीं पर मेरी मूर्ति स्थापना की जाए, जब मूर्ति को पूर्व की ओर स्थापित किया गया तो दरवाजा गिर गया फिर उत्तर और दक्षिण की ओर मूर्ति को स्थापित किया गया तो उन दिशाओं का दरवाजा भी गिर गया। वो तीनों दरवाजे आज भी माता की गुफा में वैसे ही दर्शाये गए हैं। अन्त में माता की मूर्ति की स्थापना पश्चिम की तरफ की गई तो माता ने वहीं अपना स्थान ले लिया।

यह लगभग 200 वर्ष पुराना प्राचीन मंदिर है। आसपास के गाँवों के श्रद्धालु अपनी पहली फसल (अन्न) सबसे पहले माता के चरणों में अर्पित करते हैं। कुलदेवी मां कालका के मंदिर में माता को श्रद्धा, लाल चुनरी, नारियल, फल, और हलवा-पूरी अर्पित किए जाते हैं। माता के प्रति अपनी पूर्ण आस्था दिखाने के लिए भक्त मंदिर में विशेष रूप से घी का अखंड दीया और धूप भी जलाते हैं।

मुख्य मंदिर के साथ ही यहाँ हनुमान जी का प्राचीन मंदिर और शिव पिण्डी भी स्थित है। मंदिर परिसर में अति प्राचीन पीपल और बरगद के पेड़ मौजूद हैं।

यहाँ ज्येष्ठ माह (मई-जून) में विशाल मेला आयोजित किया जाता है। इसके अलावा नवरात्रि और नववर्ष के पहले दिन यहाँ हज़ारों की संख्या में श्रद्धालु शीश नवाकर मन्नतें मांगते हैं। सभी भक्तजन माँ कालका मंदिर मेले में सपरिवार आमंत्रित हैं। आइए और मां कालका जी का आशीर्वाद प्राप्त करें।

शशि पाल
प्रवक्ता इतिहास

प्रथम न्यूज
राष्ट्रीय हिंदी दैनिक
हिमाचल न्यूज
Website : www.prathamnews.in

संक्षिप्त न्यूज

बच्चे भी उठा सकते हैं नालसा की मुफ्त कानूनी सहायता का लाभ

चंबा (एएम नाथ)- जिला विधिक सेवा प्राधिकरण, चंबा के सचिव एवं अतिरिक्त मुख्य न्यायिक दंडाधिकारी एकांश कपिल ने बताया कि आम लोगों को न्याय सुलभ बनाने के लिए राष्ट्रीय विधिक सेवाएं प्राधिकरण (नालसा) ने कई महत्वपूर्ण योजनाएं आरंभ की हैं। इन योजनाओं में मुफ्त कानूनी सहायता योजना सबसे महत्वपूर्ण है। उन्होंने बताया कि इसी क्रम में नालसा ने बच्चों के लिए भी चाइल्ड फ्रेंडली लीगल सर्विसेज फॉर चिल्ड्रेन स्कीम 2024 आरंभ की है, जिसके तहत हर बच्चे के लिए मुफ्त कानूनी सहायता का प्रावधान किया गया है।

वहीं बच्चों को जानकारी पाने का अधिकार, अपना पक्ष रखने तथा उसके पक्ष को गंभीरता से सुनने तथा गोपनीयता का अधिकार दिया गया है। उन्होंने बताया की मुफ्त कानूनी सहायता के लिए नालसा ने टोल फ्री नंबर 15100 पर हेल्पलाइन आरंभ की है। इसके अलावा चाइल्ड हेल्पलाइन नंबर 1098 पर भी संपर्क किया जा सकता है, जबकि दिव्यांगो को भी मुफ्त कानूनी सहायता उपलब्ध करवाने के लिए 14456 हेल्पलाइन नंबर आरंभ किया है।

11 और 12 जून को आयोजित होंगे कैंपस इंटरव्यू : जिला रोजगार अधिकारी

चम्बा (एएम नाथ)- जिला रोजगार अधिकारी जितेंद्र सिंह ने जानकारी देते हुए बताया कि जिला रोजगार कार्यालय बालू चंबा के द्वारा तीसा और भरमौर में कैंपस इंटरव्यू का आयोजन किया जा रहा है जिसमें निजी कम्पनी द्वारा सिक्योरिटी गार्ड और सुपरवाइज़र के 80 पदों को भरा जाएगा।

उन्होंने बताया कि सिक्योरिटी और इंटेलिजेंस सर्विस इंडिया लिमिटेड आरटीए हमीरपुर द्वारा यह कैंपस इंटरव्यू आयोजित किए जाएंगे। उन्होंने बताया कि 11 जून को उप रोजगार कार्यालय तीसा और 12 जून को पंचायत घर भरमौर में कैंपस इंटरव्यू का आयोजन किया जाएगा।

जितेंद्र सिंह ने बताया कि आयोजित होने वाले कैंपस इंटरव्यू प्रक्रिया में सिर्फ पुरुष अभ्यर्थी ही भाग ले सकते हैं जिसके लिए न्यूनतम शैक्षणिक योगिता मैट्रिक निर्धारित की गई है। इच्छुक उम्मीदवार की आयु सीमा 19 से 40 के बीच होनी चाहिए साथ ही चयन के लिए न्यूनतम शारीरिक मानदंड में ऊंचाई 165 सेंटीमीटर या अधिक और वजन 56 किलोग्राम से 95 किलोग्राम के बीच होना अनिवार्य है। उन्होंने बताया कि चयन प्रक्रिया के पश्चात चयनित उम्मीदवारों को एक माह के प्रशिक्षण के पश्चात 19 हज़ार से 24000 हज़ार मासिक वेतन एवं अन्य लाभ भी प्रदान किये जाएंगे। चयनित अभ्यर्थियों को हिमाचल प्रदेश एवं चंडीगढ़ के विभिन्न स्थानों पर नियुक्ति प्रदान की जाएगी।

उन्होंने बताया कि सभी इच्छुक एवं योग्य पुरुष अभ्यार्थी शैक्षणिक योग्यता के मूल प्रमाण पत्र, पासपोर्ट साइज फोटो, रोजगार कार्यालय का प्रमाण पत्र, आधार कार्ड व बायोडाटा लेकर निर्धारित तिथि और स्थान पर प्रातः 11 बजे उपस्थित हो जाएं।

मामलों को आपसी सहमति से निपटाने का मौका

समाधान समारोह के तहत होगी लोक अदालत

चम्बा (एएम नाथ)- सचिव, जिला विधिक सेवाएं प्राधिकरण चम्बा, एकांश कपिल ने बताया कि आम लोगों के लिए न्याय सुलभ बनाने के सर्वोच्च न्यायालय के प्रयासों की कड़ी में 21 अप्रैल से सर्वोच्च न्यायालय के परिसर में समाधान समारोह 2026 का शुभारंभ किया गया है। इस विशेष अभियान के दौरान विभिन्न मुकदमों का निपटारा आपसी सहमति संवाद और मध्यस्थता से किया जा रहा है।उन्होंने बताया कि 21, 22 तथा 23 अगस्त 2026 को सर्वोच्च न्यायालय के परिसर में विशेष लोक अदालतों के आयोजन के साथ ही इस विशेष अभियान का समापन होगा। उन्होंने बताया कि समाधान समारोह के तहत 21 अप्रैल 2026 से ही सुलह एवं मध्यस्थता बैठकों का आयोजन प्रारंभ हो चुका है। ये बैठकें राज्य, जिला, तालुका एवं उच्च न्यायालय स्तर पर विधिक सेवा प्राधिकरणों एवं समितियों के अंतर्गत स्थापित मध्यस्थता केंद्रों में आयोजित की जा रही हैं। इन बैठकों में प्रशिक्षित मध्यस्थ एवं विधिक सेवा प्राधिकरण के अधिकारी पक्षकारों के बीच सहमति बनाने में सहयोग प्रदान कर रहे हैं। पक्षकार इन बैठकों में व्यक्तिगत रूप से या वर्चुअल माध्यम से भी भाग ले सकते हैं।

सचिव, जिला विधिक सेवाएं प्राधिकरण चम्बा एकांश कपिल ने अधिवक्ताओं एवं सभी संबंधित पक्षकारों से आग्रह किया है कि वे इस विशेष अभियान में सक्रिय भागीदारी सुनिश्चित करें और अपने मामलों के समाधान के लिए आगे आएं। उन्होंने बताया कि लंबित मामलों को समाधान समारोह, विशेष लोक अदालत 2026 में शामिल करने के लिए एक सरल गूगल फॉर्म तैयार किया गया है जो सर्वोच्च न्यायालय की आधिकारिक वेबसाइट https://www.sci.gov.in पर उपलब्ध है।

इच्छुक पक्षकार दिए गए लिंक https://forms.gle/pRWbif6wAPrcgMsZ8 के माध्यम से फॉर्म भरकर अपने मामले को इस विशेष लोक अदालत में शामिल करवा सकते हैं। गूगल फॉर्म भरने की अंतिम तिथि 31 जुलाई 2026 निर्धारित की गई है। उन्होंने बताया कि किसी भी प्रकार की सहायता या जानकारी के लिए समाधान समारोह हेतु स्थापित वन स्टॉप सेंटर से संपर्क किया जा सकता है जिसके दूरभाष नंबर 011-23115652 तथा 011-23116464 हैं। इसके अतिरिक्त सीआरपी निदेशक से दूरभाष नंबर 011-23116465 पर भी संपर्क किया जा सकता है।

नेता प्रतिपक्ष जय राम ठाकुर ने जनगणना अभियान के तहत की स्व-गणना

» प्रथम न्यूज । शिमला
08 जून (बी.शर्मा)

हिमाचल प्रदेश में राष्ट्रीय जनगणना के अंतर्गत चलाए जा रहे स्व-गणना (Self-Enumeration) अभियान के तहत प्रदेश के नेता प्रतिपक्ष श्री जय राम ठाकुर द्वारा कल अपने आवास पर स्व-गणना का कार्य सफलता पूर्वक पूर्ण किया गया।

इस विशेष अवसर पर जनगणना कार्य निदेशालय, हिमाचल प्रदेश की निदेशक श्रीमती दीप शिखा शर्मा सहित निदेशालय के अन्य वरिष्ठ अधिकारी भी उपस्थित रहे। कार्यक्रम के दौरान निदेशक महोदया द्वारा वहां उपस्थित बीडीसी (BDC) सदस्यों और अन्य जनप्रतिनिधियों को स्व-गणना पोर्टल (se.census.gov.in) की प्रक्रिया तथा इसके महत्व के विषय में विस्तार से जानकारी दी गई। इस दौरान मीडिया को संबोधित करते हुए बताया गया कि हिमाचल प्रदेश में जनगणना का पहला चरण, जिसके तहत मकान सूचीकरण एवं मकानों की गणना का कार्य होना है, आगामी 16 जून से 15 जुलाई 2026 तक पूरे राज्य में सुचारू रूप से संचालित किया जाएगा। इस चरण के दौरान गणनाकार हर घर का दौरा करेंगे और मकान व परिवार से संबंधित जानकारी आधिकारिक रूप से प्रकाशित 33 प्रश्नों के माध्यम से एकत्र करेंगे। निदेशक श्रीमती दीप शिखा शर्मा ने आम जनता से अपील की कि सभी हिमाचल वासी इस स्व-गणना अभियान में अधिक से अधिक भाग लें और अपनी सक्रिय भागीदारी दर्ज कराएं। इसके साथ ही उन्होंने जनगणना के विषय में समाज में व्याप्त विभिन्न भ्रांतियों को दूर करते हुए स्पष्ट किया कि जनगणना के तहत लिया जाने वाला पूरा डेटा पूरी तरह से सुरक्षित और गोपनीय रहता है।

उन्होंने यह भी साफ किया कि जो व्यक्ति सामान्यतः जहां रहता है, उसकी गणना उसी स्थान पर की जाएगी। अंत में निदेशालय द्वारा सभी प्रदेशवासियों से इस राष्ट्रीय महत्व के कार्य में पूर्ण सहयोग देने का अनुरोध किया गया।

अंतर्राष्ट्रीय शिमला ग्रीष्मोत्सव में खेल, संस्कृति और स्वाद का संगम, पर्यटकों ने लिया भरपूर आनंद

» प्रथम न्यूज । शिमला
08 जून (बी.शर्मा)

अंतर्राष्ट्रीय शिमला ग्रीष्मोत्सव-2026 के तहत नगर निगम ग्राउंड संजौली में आयोजित प्रथम एंटी चिट्टा अंतर जिला वॉलीबॉल प्रतियोगिता का शुभारंभ मुख्यमंत्री ठाकुर सुखविंदर सिंह सुक्खू ने किया। प्रतियोगिता के पहले दिन खेले गए मुकाबलों में शिमला ब्लू ने ऊना को 3-0 से हराया। दूसरे मैच में हमीरपुर ने बिलासपुर को 3-0 से मात दी, जबकि तीसरे मुकाबले में शिमला येलो ने किन्नौर को 3-0 से पराजित कर जीत दर्ज की।

ग्रीष्मोत्सव के अंतर्गत रानी झांसी पार्क में आयोजित शिमला पहाड़ी स्वाद महोत्सव लोगों के आकर्षण का केंद्र बना हुआ है। यहां 13 चयनित प्रतिभागियों द्वारा पारंपरिक व्यंजनों के स्टॉल लगाए गए हैं, जिनमें स्वयं सहायता समूहों और ओपन कैटेगरी के प्रतिभागियों ने भाग लिया है। स्थानीय लोगों और पर्यटकों ने हिमाचली व्यंजनों का स्वाद लिया। अतिरिक्त उपायुक्त सचिन शर्मा ने भी स्टॉलों का निरीक्षण कर महिलाओं द्वारा तैयार किए गए व्यंजनों की सराहना की। रोटरी टाउन हॉल के समीप आयोजित फ्लावर शो में विभिन्न संस्थानों द्वारा सैकड़ों प्रजातियों के फूल प्रदर्शित किए गए। सेजिस द्वारा 100, आर्मी हेरिटेज म्यूजियम द्वारा 50, उद्यान विभाग द्वारा 36 तथा सीपीडब्ल्यूडी द्वारा विभिन्न प्रकार के फूल प्रदर्शित किए गए, जिन्हें देखने के लिए बड़ी संख्या में लोग पहुंचे। ग्रीष्मोत्सव में शामिल फन कैरेक्टर्स जैसे गोल्डन स्टैच्यू, पांडा, टेडी बियर और पोलर बियर बच्चों और पर्यटकों के बीच विशेष आकर्षण का केंद्र रहे। लोगों ने इनके साथ सेल्फी लेकर उत्सव का आनंद लिया। इसके अलावा विभिन्न स्कूलों के विद्यार्थियों ने जुम्बा नृत्य प्रस्तुत कर दर्शकों का मनोरंजन किया। वहीं पारंपरिक छम्म नृत्य की प्रस्तुति ने हिमाचली संस्कृति की झलक पेश की। गेयटी थिएटर में प्रस्तुत नाटक जहर को भी दर्शकों ने खूब सराहा। ग्रीष्मोत्सव के विभिन्न कार्यक्रमों में स्थानीय लोगों और पर्यटकों की भारी भागीदारी देखने को मिली।

कांग्रेस में मचा घमासान, मुख्यमंत्री पर लगे गंभीर आरोपों की हो निष्पक्ष जांच : संदीपनी भारद्वाज

मुख्यमंत्री पर लगाए गए पांच सूटकेस प्रतिमाह के आरोपों पर कांग्रेस को देना होगा जवाब

» प्रथम न्यूज । शिमला
08 जून (बी.शर्मा)

भाजपा प्रदेश प्रवक्ता संदीपनी भारद्वाज ने कहा कि हिमाचल प्रदेश में कांग्रेस सरकार के भीतर चल रही खींचतान अब सार्वजनिक मंचों तक पहुंच चुकी है। कांग्रेस के वरिष्ठ नेता एवं पूर्व विधायक नीरज भारती द्वारा मुख्यमंत्री पर लगाए गए गंभीर आरोपों ने प्रदेश की राजनीति में कई सवाल खड़े कर दिए हैं। नीरज भारती ने सार्वजनिक रूप से आरोप लगाया है कि मुख्यमंत्री हर महीने पांच सूटकेस एकत्रित करते हैं। यह अत्यंत गंभीर विषय है और ऐसे आरोपों की निष्पक्ष एवं स्वतंत्र जांच होनी चाहिए ताकि प्रदेश की जनता के सामने सच्चाई आ सके।

संदीपनी भारद्वाज ने कहा कि कांग्रेस के नेता और मंत्री आज एक-दूसरे पर आरोप-प्रत्यारोप लगाने में व्यस्त हैं। ऐसा प्रतीत होता है कि सत्ता संघर्ष और आपसी वर्चस्व की लड़ाई के कारण कांग्रेस के नेता स्वयं अपनी सरकार की वास्तविकता जनता के सामने उजागर कर रहे हैं। यदि कांग्रेस के अपने वरिष्ठ नेता मुख्यमंत्री पर इस प्रकार के आरोप लगा रहे हैं तो कांग्रेस नेतृत्व को इस पर स्पष्ट जवाब देना चाहिए।

उन्होंने कहा कि प्रदेश सरकार एक ओर नशे के खिलाफ अभियान चलाने की बातें करती है, वहीं दूसरी ओर कांग्रेस के नेताओं द्वारा सार्वजनिक रूप से लगाए जा रहे आरोप सरकार की कथनी और करनी पर प्रश्नचिह्न लगा रहे हैं। यदि कांग्रेस के भीतर सब कुछ ठीक है तो फिर उनके नेता लगातार मुख्यमंत्री और सरकार के खिलाफ बयानबाजी क्यों कर रहे हैं? यह स्पष्ट संकेत है कि कांग्रेस सरकार के भीतर भारी असंतोष व्याप्त है और पार्टी दिशाहीनता की ओर बढ़ रही है। संदीपनी भारद्वाज ने कहा कि भाजपा हमेशा पारदर्शिता, जवाबदेही और स्वच्छ शासन की पक्षधर रही है। मुख्यमंत्री पर लगाए गए आरोपों को हल्के में नहीं लिया जा सकता। प्रदेश की जनता जानना चाहती है कि आखिर कांग्रेस के वरिष्ठ नेताओं द्वारा लगाए जा रहे आरोपों में कितनी सच्चाई है। इसलिए इन आरोपों की निष्पक्ष जांच करवाई जानी चाहिए और दोषी पाए जाने वालों के खिलाफ उचित कार्रवाई होनी चाहिए।

उन्होंने कहा कि कांग्रेस सरकार जनहित के मुद्दों पर विफल रही है और अब उसके नेता आपसी संघर्ष में उलझकर प्रदेश की जनता का ध्यान वास्तविक मुद्दों से भटकाने का प्रयास कर रहे हैं, लेकिन हिमाचल प्रदेश की जनता सब कुछ देख रही है और समय आने पर इसका उचित जवाब देगी।

सुप्रसिद्ध पर्यटक स्थल खजियार दुनिया के श्रेष्ठ पर्यटक स्थलों में शुमार : ज्ञानेश कुमार मुख्य निर्वाचन आयुक्त

» प्रथम न्यूज । चम्बा
08 जून (एएम नाथ)

भारत के मुख्य निर्वाचन आयुक्त ज्ञानेश कुमार ने सोमवार को सुबह सपरिवार सुप्रसिद्ध पर्यटक स्थल खजियार की खूबसूरती का आनंद लिया। इस अवसर पर उन्होंने कहा कि विश्व विख्यात पर्यटक स्थल खजियार दुनिया के श्रेष्ठ खूबसूरत पर्यटक स्थलों में से एक है तथा यहां की शांत वादियां, स्वच्छ वातावरण तथा मनमोहक खूबसूरती का दुनिया में कोई मुकाबला नहीं है। उन्होंने जिला चंबा के दौरे के दौरान राज्य सरकार व जिला प्रशासन का मेहमान बाजी व सहयोग के लिए आभार व्यक्त किया। मुख्य चुनाव आयुक्त इसके उपरांत खजियार से जिला कांगड़ा के लिए रवाना हुए। इस दौरान उपायुक्त मुकेश रेपसवाल, पुलिस अधीक्षक विजय सकलानी, अतिरिक्त उपायुक्त अमित मेहरा, एसडीएम प्रियांशु खाती,हिमाचल प्रदेश के अतिरिक्त मुख्य निर्वाचन मुरारी लाल व नीरज चांदला एसी टू डीसी मनमोहन सिंह, जिला विकास अधिकारी तविंद्र चिनौरिया, तहसीलदार (निर्वाचन) अनूप डोगरा सहित कई अन्य वरिष्ठ अधिकारी भी मौजूद रहे।

उपायुक्त की अध्यक्षता में नीट (यूजी) 2026 परीक्षा की तैयारियों को लेकर समीक्षा बैठक आयोजित

» प्रथम न्यूज । बिलासपुर
08 जून (जितेंद्र गौतम)

आगामी 21 जून को आयोजित होने जा रही नीट (यूजी) 2026 परीक्षा के सफल एवं सुचारू संचालन को लेकर उपायुक्त राहुल कुमार की अध्यक्षता में बचत भवन में समीक्षा बैठक का आयोजन किया गया। बैठक में परीक्षा के दौरान सभी आवश्यक व्यवस्थाओं को दुरुस्त बनाए रखने को लेकर विभिन्न विभागीय अधिकारियों के साथ विस्तृत चर्चा की गई। जिला बिलासपुर में बिलासपुर मुख्यालय में तीन तथा घुमारवीं में दो परीक्षा केंद्र स्थापित किये गए हैं, जिनमें लगभग 1400 अभ्यर्थियों परीक्षा में शामिल होंगे।

उपायुक्त राहुल कुमार ने सभी संबंधित विभागीय अधिकारियों को परीक्षा का सफल संचालन सुनिश्चित बनाने के लिए अपने-अपने स्तर पर सभी आवश्यक प्रबंध समयबद्ध पूर्ण करने के निर्देश दिये। उन्होंने सभी परीक्षा केंद्रों पर निर्बाध विद्युत आपूर्ति सुनिश्चित बनाए रखने, अभ्यर्थियों के लिए परिवहन सेवाओं की सुगमता, पेयजल आपूर्ति, इंटरनेट सुविधा तथा आपातकालीन सेवाओं के तहत एंबुलेंस एवं अग्निशमन व्यवस्था को सुदृढ़ बनाए रखने के भी निर्देश दिए।

इसके अतिरिक्त, दिव्यांग अभ्यर्थियों के लिए सभी सुविधाएं समयबद्ध सुनिश्चित करने को भी कहा।

उन्होंने कहा कि परीक्षा केंद्रों की सुरक्षा व्यवस्था को लेकर पुलिस विभाग द्वारा पर्याप्त सुरक्षा कर्मियों की तैनाती भी सुनिश्चित बनाई जाएगी। इसके अतिरिक्त परीक्षा केंद्रों में सुरक्षा व्यवस्था को लेकर पुलिस विभाग को विशेष सतर्कता बरतने के भी निर्देश दिये। उन्होंने कहा कि परीक्षा केंद्रों में अनधिकृत प्रवेश पर पूर्ण प्रतिबंध रहेगा।

राहुल कुमार ने सभी अभ्यर्थियों से निर्धारित समय 1:30 बजे से पूर्व परीक्षा केंद्र में पहुंचने का आह्वान किया है। साथ ही अपने साथ एडमिट कार्ड, वास्तविक पहचान पत्र तथा दो फोटोग्राफ साथ लाने को भी कहा है। उन्होंने सभी संबंधित विभागीय अधिकारियों से परीक्षा संचालन के लिए निर्धारित मानक संचालन प्रक्रिया की कड़ाई से अनुपालना सुनिश्चित बनाने के साथ-साथ आपसी समन्वय के साथ कार्य करने के भी निर्देश दिए, ताकि परीक्षा का आयोजन शांतिपूर्ण एवं निष्पक्ष ढंग से संपन्न हो सके।

बैठक में पुलिस अधीक्षक संदीप धवल, एसडीएम गौरव चैधरी सहित विभिन्न विभागों के अधिकारी मौजूद रहे।

शिमला ग्रीष्मोत्सव के प्रथम दिन गेयटी थिएटर में 50 कवियों ने स्थापित किया साहित्यिक वातावरण

» प्रथम न्यूज । शिमला
08 जून (बी.शर्मा)

अंतर्राष्ट्रीय शिमला ग्रीष्मोत्सव - 2026 के प्रथम दिन गेयटी थिएटर में हिंदी कवि सम्मेलन का आयोजन किया गया जिसमें प्रदेश के लगभग 50 नामित कविजनों ने अपनी उपस्थिति दर्ज कर साहित्यिक वातावरण स्थापित किया। कार्यक्रम की अध्यक्षता करते हुए अतिरिक्त जिला दंडाधिकारी (प्रोटोकॉल) ज्योति राणा ने प्रदेश भर से आये कविजनों का पारंपरिक ढंग से स्वागत किया। उन्होंने कहा कि इस वर्ष पहली बार अंतर्राष्ट्रीय शिमला ग्रीष्मोत्सव में 08 से 10 जून तक कवि सम्मेलन का आयोजन किया जा रहा है जो प्रदेश के साहित्यकारों के लिए गर्व का विषय है। उन्होंने उपस्थित सभी कवियों को कार्यक्रम की शुभकामनाएं दीं और प्रदेश के साहित्य को इसी प्रकार से बढ़ावा देने का आग्रह भी किया।

08 से 10 जून तक आयोजित किए जा रहे कवि सम्मेलन में हिंदी व पहाड़ी कवि सम्मेलन तथा मुशायरा का आयोजन किया जा रहा है जिसके तहत आज हिंदी कवि सम्मेलन का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का संचालन एस.आर हरनोट व मंच संचालन डॉ. सत्यनारायण स्नेही द्वारा किया गया। आयोजित हिंदी कवि सम्मेलन का प्रथम सत्र प्रातः 10 बजे से आरम्भ किया गया जिसमें अध्यक्षीय मंडल में डॉ. ओम प्रकाश सारस्वत, डॉ. रेखा वशिष्ठ व प्रोफेसर मीनाक्षी एफ पॉल उपस्थित रहीं। हिंदी कवि सम्मेलन का दूसरा सत्र दोपहर 02 बजे आयोजित किया गया जिसमें के.आर भारती, डॉ. भवानी सिंह, आत्मा रंजन व डॉ. दिनेश कंवर बतौर अध्यक्षीय मंडल उपस्थित रहे। द्वितीय सत्र का संचालन डॉ. दिनेश शर्मा द्वारा किया गया। इसके अलावा प्रदेश के विभिन्न कवियों ने अपनी रचनाओं का व्याख्यान किया और साहित्यक जगत की उपलब्धियों बारे विस्तृत जानकारी प्रदान की।

एनसीसी वार्षिक प्रशिक्षण शिविर का भव्य समापन, कैडेट्स ने प्रस्तुत किए रंगारंग सांस्कृतिक कार्यक्रम

» प्रथम न्यूज । बिलासपुर
08 जून (जितेंद्र गौतम)

हिमाचल प्रदेश नेवल यूनिट एनसीसी, बिलासपुर द्वारा शिवा इंटरनेशनल स्कूल, घुमारवीं में आयोजित 10 दिवसीय वार्षिक प्रशिक्षण शिविर (ATC-228) का आज भव्य समापन हुआ। शिविर के अंतिम दिन सायंकाल आयोजित समापन समारोह में कैडेट्स द्वारा आकर्षक एवं रंगारंग सांस्कृतिक कार्यक्रम प्रस्तुत किए गए, जिन्होंने उपस्थित अतिथियों एवं दर्शकों का मन मोह लिया। समारोह के मुख्य अतिथि कैप्टेन (भारतीय नौसेना) कमलेंद्र शर्मा (सेवानिवृत्त) रहे। इस अवसर पर कमांडर आर.एस. वर्मा, कमांडर एस.एम. शर्मा, श्री पुरुषोत्तम शर्मा, प्रबंध निदेशक, शिवा ग्रुप ऑफ इंस्टीट्यूशन्स तथा श्रीमती शिल्पा गोयल, प्रधानाचार्या, शिवा इंटरनेशनल स्कूल, घुमारवीं विशेष रूप से उपस्थित रहे। कार्यक्रम का शुभारंभ दीप प्रज्ज्वलन एवं स्वागत समारोह से हुआ। इसके उपरांत कैडेट्स द्वारा देशभक्ति गीत, समूह नृत्य, सांस्कृतिक प्रस्तुतियां एवं अन्य मनोरंजक कार्यक्रम प्रस्तुत किए गए। कैडेट्स की प्रस्तुतियों ने शिविर के दौरान उनके आत्मविश्वास, अनुशासन एवं प्रतिभा का उत्कृष्ट प्रदर्शन किया।

अपने संबोधन में मुख्य अतिथि कैप्टेन कमलेंद्र शर्मा ने कैडेट्स को सफल शिविर के लिए बधाई देते हुए कहा कि एनसीसी युवाओं में नेतृत्व क्षमता, अनुशासन, आत्मविश्वास एवं राष्ट्रसेवा की भावना विकसित करने का एक सशक्त माध्यम है। उन्होंने कैडेट्स से जीवन में सदैव अनुशासन, समर्पण एवं कर्तव्यनिष्ठा को अपनाने का आह्वान किया।

कैम्प कमांडिंग ऑफिसर कमांडर सज्जन कुमार ने शिविर की गतिविधियों की विस्तृत जानकारी प्रस्तुत करते हुए बताया कि 10 दिवसीय शिविर में 20 विद्यालयों के 519 कैडेट्स ने भाग लिया।

शिविर के दौरान परेड प्रशिक्षण, नेवल ओरिएंटेशन, वेपन ट्रेनिंग, फायरिंग, आपदा प्रबंधन, स्वास्थ्य एवं स्वच्छता जागरूकता, पर्यावरण संरक्षण, खेलकूद प्रतियोगिताएं तथा विभिन्न सांस्कृतिक एवं व्यक्तित्व विकास कार्यक्रम आयोजित किए गए।

समारोह के दौरान शिविर में आयोजित विभिन्न प्रतियोगिताओं एवं गतिविधियों में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले कैडेट्स को मुख्य अतिथि द्वारा पुरस्कार एवं प्रमाण-पत्र प्रदान कर सम्मानित किया गया। पुरस्कार प्राप्त करने वाले कैडेट्स के चेहरे पर गर्व एवं उत्साह स्पष्ट दिखाई दे रहा था।

कैम्प कमांडिंग ऑफिसर कमांडर सज्जन कुमार ने शिविर के सफल आयोजन में सहयोग प्रदान करने वाले अतिथियों, विद्यालय प्रशासन, एएनओ, पीआई स्टाफ एवं सभी प्रतिभागी कैडेट्स का आभार व्यक्त किया।

उन्होंने कहा कि शिविर के दौरान प्राप्त प्रशिक्षण एवं अनुभव कैडेट्स के भविष्य निर्माण में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएंगे। समारोह राष्ट्रगान के साथ संपन्न हुआ तथा कैडेट्स अपने साथ अनुशासन, नेतृत्व, मित्रता एवं अविस्मरणीय अनुभवों की अमूल्य यादें लेकर अपने-अपने विद्यालयों के लिए रवाना हुए।

भारत ने रचा इतिहास, टेस्ट में दर्ज की सबसे बड़ी जीत

अफगानिस्तान को पारी और 300 रनों से हराया

भारत ने अफगानिस्तान को एकमात्र टेस्ट मैच में पारी और 300 रनों से हराया। भारत ने पहली पारी आठ विकेट पर 564 रन बनाकर घोषित की थी और अफगानिस्तान की पहली पारी तीसरे दिन 152 रन पर ऑलआउट की। भारत को इस तरह 412 रनों की बढ़त हासिल हुई और टीम इंडिया ने अफगानिस्तान को फॉलोऑन दिया। अफगानिस्तान की दूसरी पारी में बल्लेबाजी बेहद खराब रही और टीम 112 रन ही बना सकी। अफगानिस्तान ने दूसरी पारी में नौ विकेट गंवाए थे, लेकिन अशरफ बल्लेबाजी के लिए नहीं उतरे।

फॉलोऑन के बाद भी नहीं संभली अफगान टीम

पहली पारी में बड़ी बढ़त मिलने के बाद भारत ने अफगानिस्तान को फॉलोऑन दिया। हालांकि दूसरी पारी में भी मेहमान टीम की बल्लेबाजी में कोई सुधार देखने को नहीं मिला। अफगानिस्तान की ओर से सेदिकुल्लाह अटल ने सर्वाधिक 42 रन बनाए। पूरी टीम सिर्फ 112 रन पर ढेर हो गई।

दूसरी पारी में केवल तीन बल्लेबाज ही दहाई का आंकड़ा पार कर सके। भारत की ओर से वॉशिंगटन सुंदर ने चार विकेट लिए, जबकि कुलदीप यादव ने तीन बल्लेबाजों को आउट किया। मानव सुथार ने एक और विकेट अपने नाम किया, जबकि मोहम्मद सिराज को भी एक सफलता मिली।

मानव सुथार का यादगार डेब्यू

इस मैच की सबसे बड़ी सकारात्मक बात भारतीय टीम के लिए मानव सुथार का प्रदर्शन रहा।

पदार्पण टेस्ट में उन्होंने पहली पारी में छह और दूसरी पारी में एक विकेट लेकर कुल सात विकेट हासिल किए। अपनी सटीक लाइन-लेंथ और नियंत्रण से उन्होंने अफगान बल्लेबाजों को लगातार दबाव में रखा और मैच में निर्णायक भूमिका निभाई।

अफगानिस्तान की पहली पारी 152 रन पर सिमटी

विशाल स्कोर के जवाब में अफगानिस्तान की बल्लेबाजी भारतीय गेंदबाजों के सामने पूरी तरह बिखर गई। रहमत शाह ने संघर्ष करते हुए अर्धशतक लगाया, लेकिन उन्हें दूसरे छोर से कोई खास सहयोग नहीं मिला। इस टेस्ट में भारत के लिए अंतरराष्ट्रीय डेब्यू करने वाले बाएं हाथ के स्पिनर मानव सुथार ने शानदार गेंदबाजी की। उन्होंने अफगान बल्लेबाजों को लगातार परेशान करते हुए पहली पारी में छह विकेट झटके।

प्रसिद्ध कृष्णा ने भी अहम सफलताएं दिलाईं। अफगानिस्तान की पूरी टीम 152 रन पर सिमट गई और भारत को 412 रन की विशाल बढ़त हासिल हुई।

भारत ने बनाया नया रिकॉर्ड

भारत की पारी और 300 रन की जीत टेस्ट क्रिकेट में पारी के अंतर से उसकी सबसे बड़ी जीत बन गई।

इसके अलावा भारत ने 2023 के बाद पहली बार घरेलू टेस्ट में 550 से अधिक रन बनाए। वहीं 564 रन अफगानिस्तान के खिलाफ टेस्ट क्रिकेट में किसी भी टीम द्वारा बनाया गया दूसरा सबसे बड़ा स्कोर रहा।

हालांकि, यह मुकाबला विश्व टेस्ट चैंपियनशिप (डब्ल्यूटीसी) का हिस्सा नहीं था, इसलिए भारतीय टीम को अंक तालिका में कोई लाभ नहीं मिला।

राहुल-गिल के शतकों से भारत ने खड़ा किया विशाल स्कोर

इससे पहले, टॉस जीतकर पहले बल्लेबाजी करने उतरी भारतीय टीम की शुरुआत यशस्वी जायसवाल और केएल राहुल ने संभलकर की। दोनों ने पहले विकेट के लिए 41 रन जोड़े। जायसवाल 24 रन बनाकर आउट हुए, लेकिन इसके बाद केएल राहुल और साई सुदर्शन ने दूसरे विकेट के लिए 139 रन की महत्वपूर्ण साझेदारी कर भारत को मजबूत स्थिति में पहुंचा दिया। राहुल ने शानदार बल्लेबाजी करते हुए 165 गेंदों में 100 रन बनाए और अपने टेस्ट करियर का शतक पूरा किया। वहीं साई सुदर्शन ने 104 गेंदों में 81 रन की उपयोगी पारी खेली। इसके बाद कप्तान शुभमन गिल ने जिम्मेदारी संभाली और बेहतरीन शतक जड़ा। गिल ने 177 गेंदों पर 126 रन बनाए, जिसमें 15 चौके और एक छक्का शामिल रहा।

ऋषभ पंत ने भी आक्रामक अंदाज में बल्लेबाजी करते हुए 81 रन बनाए। गिल और पंत के बीच चौथे विकेट के लिए 169 रन की साझेदारी हुई, जो अफगानिस्तान के खिलाफ टेस्ट क्रिकेट में भारत की सबसे बड़ी साझेदारी बन गई। निचले क्रम में वॉशिंगटन सुंदर ने नाबाद 52 रन की पारी खेली। भारत ने अपनी पहली पारी आठ विकेट पर 564 रन बनाकर घोषित की।

जीत का अंतर vs टीम	जगह	वर्ष
पारी और 300 रन से vs अफगानिस्तान	मुल्लांपुर	2026
पारी और 272 रन से vs वेस्टइंडीज	राजकोट	2018
पारी और 262 रन से vs अफगानिस्तान	बंगलूरू	2018
पारी और 239 रन से vs बांग्लादेश	मीरपुर	2007
पारी और 239 रन से vs श्रीलंका	नागपुर	2017

कानपुर में थाना प्रभारियों के तबादले, अब जुझारू इंस्पेक्टर अशोक दुबे का नया ठिकाना गोविंद नगर

» प्रथम न्यूज । कानपुर
08 जून (सुनील बाजपेई)

कानून और शांति व्यवस्था के पक्ष में अपराधियों के खिलाफ लगातार सफल मोर्चा खोले यहां के पुलिस कमिश्नर रघुबीर लाल ने कई थानेदारों में फेर बदल बदल किया है, जिसके क्रम में चकेरी अनवर गंज और किदवई नगर के बाद अब चुनौती पूर्ण गोविंद नगर की कमान इंस्पेक्टर अशोक कुमार दुबे के हवाले की है।

गोविंद नगर से पहले नौबस्ता, चकेरी ,जाजमऊ, घाटमपुर ,अनवरगंज और किदवई नगर में भी पीड़ितों की हर संभव सहायता के साथ ही कानून और शांति व्यवस्था के पक्ष में अपराधियों के खिलाफ प्रभावी कार्रवाई के मामले में इंस्पेक्टर अशोक दुबे की नेतृत्व कुशलता सदैव सफल रही है और अब कर्तव्य के प्रति उनकी प्रगाढ़ निष्ठा कठोर परिश्रम के साथ पीड़ितों के हित में अपराधियों के खिलाफ गोविंद नगर में भी सक्रिय है।

दरअसल पुलिस कमिश्नर रघुबीर लाल की मंशा चार्ज के मामले में केवल उन्हीं थानेदारों को महत्व देना है ,जो कानून और शांति व्यवस्था के पक्ष में किसी भी प्रकार की लापरवाही नहीं करते हुए अपने कर्तव्य का पालन पूरी निष्ठा के साथ करते हैं ,जिनमें इंस्पेक्टर अशोक कुमार दुबे का भी नाम शामिल है। जहां तक प्रभारी निरीक्षक गोविंद नगर के रूप में तेजतर्रार, व्यवहार कुशल और जुझारू तेवरों वाले इंस्पेक्टर अशोक कुमार दुबे की चुनौतीपूर्ण नियुक्ति का सवाल है , उसे उनकी कानून और शांति व्यवस्था के पक्ष में अपराधियों के खिलाफ और पीड़ितों के हित में अपने कर्तव्य का पालन सदैव निष्ठा और ईमानदारी के साथ करना ही माना जा रहा है। यही नहीं यूपी की पुलिस सेवा में आने के बाद निष्पक्ष और पारदर्शी कार्यशैली के कठोर परिश्रमी इंस्पेक्टर अशोक कुमार दुबे के अब तक के कार्यकाल के विवेचन से यह भी साबित होता है कि हालात चाहे जैसे रहे हों लेकिन निर्दोष फंसे नहीं और अपराधी बचे नहीं जैसी लोकहित की प्रबल विचारधारा के अनुरूप अपनी धुन के भी पक्के बेहद निडर और स्वाभिमानी इंस्पेक्टर अशोक दुबे ने अपनी कर्तव्य के प्रति निष्ठा के साथ समझौता आज तक नहीं किया।

इसी के साथ निर्दोष फंसे नहीं और अपराधी बचे नहीं जैसी लोकहित की प्रबल विचारधारा वाले इंस्पेक्टर अशोक दुबे की कार्यशैली भी संभ्रांत असहाय लोगों की हितरक्षक और बहुत मैत्रीपूर्ण भी मानी जाती है ,जिसके अनुरूप ही भगवान और भाग्य यानी कर्म भरोसे रहने वाले इंस्पेक्टर अशोक दुबे जहां उचित पात्र लोगों की हर संभव सहायता करते हैं। साथ ही उनकी निडरता कानून और शांति व्यवस्था के पक्ष में अपराधियों के खिलाफ शठे शाठ्यम समाचरेत वाली कहावत चरितार्थ करने से भी नहीं चूकती।

यही वजह है कि भौतिक संसार में हर स्तर की सक्षमता और संपन्नता से परिपूर्ण होने के बाद भी अहंकार शून्य शिवत्व स्वभाव के इंस्पेक्टर अशोक कुमार दुबे की कर्तव्य के प्रति उनकी प्रगाढ़ निष्ठा उनकी जुझारू नौकरी के अब तक के कार्यकाल में सभी संगीन घटनाओं का सटीक खुलासा करते हुए दर्जनों शातिरों को सबक सिखाने में भी सफल हो चुकी है।

उपायुक्त ने जिला परिषद के नवनिर्वाचित सदस्यों को दिलाई पद एवं गोपनीयता की शपथ

बिलासपुर (जितेंद्र गौतम)- बिलासपुर में जिला पंचायत संसाधन केंद्र भवन के प्रशिक्षण हॉल में आज जिला परिषद के नवनिर्वाचित सदस्यों के लिए शपथ ग्रहण समारोह का आयोजन किया गया। इस दौरान उपायुक्त बिलासपुर राहुल कुमार ने सभी 14 नवनिर्वाचित जिला परिषद सदस्यों को पद एवं गोपनीयता की शपथ दिलाई।

शपथ ग्रहण करने वाले सदस्यों में वार्ड नंबर 01 घंडालवीं से जमना देवी, वार्ड नंबर 02 गाहर से रक्षा कुमारी, वार्ड नंबर 03 कुठेड़ा से निशु देवी, वार्ड नंबर 04 ननावां से प्रोमिला देवी, वार्ड नंबर 05 बड़गांव से नरेंद्र कुमार, वार्ड नंबर 06 रोहल से जरनैल सिंह, वार्ड नंबर 07 जेजवीं से आशा देवी, वार्ड नंबर 08 जांगला से देवांश चंदेल, वार्ड नंबर 09 बामटा से सपना कुमारी, वार्ड नंबर 10 बरमाणा से अशोक कुमार, वार्ड नंबर 11 नम्होल से सुरभि ठाकुर, वार्ड नंबर 12 जुखाला से लेख राम, वार्ड नंबर 13 स्वाहण से रतन चंद तथा वार्ड नंबर 14 कोटखास से तरसेम सिंह शामिल रहे।

इस मौके पर उपायुक्त ने सभी नवनिर्वाचित जिला परिषद सदस्यों को शुभकामनाएं देते हुए कहा कि मतदाताओं ने उन पर विश्वास व्यक्त किया है, ऐसे में जन आकांक्षाओं पर खरा उतरना उनकी अहम जिम्मेदारी हो जाती है। उन्होंने सभी जनप्रतिनिधियों से अपने-अपने क्षेत्रों के समग्र विकास तथा आमजन के कल्याण के लिए पूरी पारदर्शिता, जवाबदेही तथा समर्पित भाव से कार्य करने का आह्वान किया।

राहुल कुमार ने कहा कि प्रदेश सरकार ने जनकल्याण और विकास के दृष्टिगत अनेक कल्याणकारी योजनाएं एवं कार्यक्रम शुरू किये हैं, जिनके माध्यम से समाज की अंतिम पंक्ति तक बैठे व्यक्तियों को समयबद्ध लाभान्वित करना हम सभी का सामूहिक दायित्व है। उन्होंने से समाज से नशा उन्मूलन के लिए सभी जनप्रतिनिधियों से प्रशासन के साथ बेहतर समन्वय स्थापित करते हुए कार्य करने का भी आह्वान किया।

उन्होंने कहा कि पंचायती राज संस्थाओं के निर्वाचित प्रतिनिधि ग्रामीण विकास को गति देने, स्थानीय समस्याओं के समाधान तथा लोगों की आकांक्षाओं को शासन और प्रशासन तक पहुंचाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। उन्होंने सभी नवनिर्वाचित सदस्य से आशा व्यक्त करते हुए कहा कि वह अपने कार्यकाल के दौरान जनहित को सर्वोच्च प्राथमिकता देते हुए क्षेत्र के समग्र विकास में सक्रिय योगदान देंगे।

उपायुक्त ने कहा कि जिला परिषद के अध्यक्ष एवं उपाध्यक्ष के निर्वाचन के लिए शीघ्र ही तिथि घोषित की जाएगी, जिसके उपरांत जिला परिषद का कार्य पूर्ण रूप से प्रारंभ हो सकेगा।

इस अवसर पर अतिरिक्त उपायुक्त ओम कांत ठाकुर, जिला पंचायत अधिकारी यश पाल सहित विभिन्न विभागों के अधिकारी मौजूद रहे।

भाजपा के झूठे आरोपों पर भारतीय का पलटवार : दो साल का सांसद, भाजपा के 10 साल के कार्यकाल पर भारी

सांसद मनीष तिवारी जनता के प्रति उत्तरदायी हैं, भाजपा के राजनीतिक प्रलाप के लिए नहीं

सवाल उठाने वाले पहले संसद का रिकॉर्ड, हाजिरी और 15 लाख व 2 करोड़ नौकरियों का हिसाब दें

» प्रथम न्यूज । चंडीगढ़
08 जून (पुनीत महाजन)

संसद चुनाव के दो वर्ष पूरे होने पर कांग्रेस सांसद एवं पूर्व केंद्रीय मंत्री मनीष तिवारी से हिसाब मांगने वाले भाजपा नेताओं को वरिष्ठ सामाजिक कार्यकर्ता एवं जन-प्रतिनिधि राजबीर सिंह भारतीय ने करारा जवाब दिया है। भाजपा के वरिष्ठ नेता तथा महिला मोर्चा प्रदेश अध्यक्ष सोनम वर्मा द्वारा लगाए गए आरोपों को निराधार बताते हुए भारतीय ने कहा कि सांसद मनीष तिवारी ने मात्र दो वर्षों में संसद और सड़कों पर चंडीगढ़ की आवाज को जिस मजबूती से उठाया है, वह भाजपा के पिछले दस वर्षों के कार्यकाल पर भारी है। राजबीर सिंह भारतीय ने कहा कि भाजपा नेताओं को दूसरों पर सवाल उठाने से पहले अपने वादों का हिसाब देना चाहिए। उन्होंने कहा कि भाजपा द्वारा देश के प्रत्येक नागरिक के खाते में 15 लाख रुपये और प्रतिवर्ष 2 करोड़ रोजगार देने के वादों का जवाब आज तक नहीं दिया गया है।

महिला भत्ते और महिला आरक्षण पर भाजपा को घेरा

महिलाओं को प्रतिमाह 8500 रुपये देने के कांग्रेस के वादे पर उठाए गए सवालों का जवाब देते हुए भारतीय ने कहा कि चुनावी घोषणा-पत्र सरकार बनने की स्थिति में लागू किया जाता है। यदि केंद्र में इंडिया गठबंधन की सरकार बनती तो महिलाओं को यह लाभ अवश्य मिलता। उन्होंने भाजपा से पूछा कि 15 लाख रुपये के वादे का क्या हुआ?

महिला आरक्षण को लेकर उन्होंने कहा कि संसद द्वारा महिला आरक्षण कानून पहले ही पारित किया जा चुका है। यदि भाजपा वास्तव में महिलाओं के हित में है तो नगर निगम एवं अन्य चुनावों में महिलाओं को 33 प्रतिशत नहीं बल्कि 50 प्रतिशत आरक्षण देने की पहल करे।

राजबीर सिंह भारतीय

संसद में सबसे सक्रिय सांसदों में शामिल हैं मनीष तिवारी

सांसद को साप्ताहिक सांसद बताए जाने वाले आरोपों को खारिज करते हुए भारतीय ने कहा कि संसद का आधिकारिक रिकॉर्ड हाजिरी रजिस्टर इस बात का गवाह है कि मनीष तिवारी ने पिछले दो वर्षों में चंडीगढ़ और देशहित के अनेक महत्वपूर्ण मुद्दे उठाए हैं। उन्होंने कहा कि भाजपा नेता पहले संसद की कार्यवाही, उपस्थिति और पूछे गए सवालों का रिकॉर्ड देखें, उसके बाद टिप्पणी करें।

चंडीगढ़ के प्रमुख मुद्दों को संसद में उठाया

भारतीय ने बताया कि सांसद मनीष तिवारी ने डडूमाजरा डंपिंग ग्राउंड के निस्तारण, मकानों के मालिकाना हक, बिजली-पानी के निजीकरण, स्मार्ट मीटरों, मनीमाजरा में एनओसी की समस्या, बढ़ते प्रॉपर्टी टैक्स, स्वच्छ पेयजल, नीड बेस्ड चेंज पॉलिसी, लाल डोरा विस्तार, ट्राईसिटी मेट्रो परियोजना, नगर निगम के मेयर का कार्यकाल बढ़ाने, सरकारी अस्पतालों में डॉक्टरों एवं स्टाफ की कमी तथा कच्चे कर्मचारियों को नियमित करने जैसे मुद्दों को संसद और प्रशासन के समक्ष प्रमुखता से उठाया है।

धरातल पर भी सक्रिय रहे सांसद

राजबीर सिंह भारतीय ने बताया कि सांसद निधि के माध्यम से शहर की सुरक्षा के लिए सीसीटीवी कैमरे, पार्कों के विकास और पानी की समस्या से निपटने हेतु आवश्यक सुविधाओं की व्यवस्था करवाई गई। उन्होंने कहा कि मनीमाजरा के युवाओं के लिए खेल मैदान हेतु सांसद निधि से 10 लाख रुपये देने का प्रस्ताव रखा गया, लेकिन प्रशासन ने अब तक भूमि उपलब्ध नहीं करवाई। इसी प्रकार मनीमाजरा हाउसिंग कॉम्प्लेक्स की बहुमंजिला इमारतों में लिफ्ट लगाने का प्रस्ताव भी प्रशासनिक उदासीनता का शिकार बना हुआ है।

भाजपा नेताओं को खुली बहस की चुनौती

राजबीर सिंह भारतीय ने भाजपा नेताओं को खुली चुनौती देते हुए कहा कि यदि भाजपा वास्तव में दो वर्षों का हिसाब चाहती है तो किसी भी सार्वजनिक मंच पर मीडिया की उपस्थिति में बहस कर ले। उन्होंने कहा कि कांग्रेस सांसद मनीष तिवारी के दो वर्षों के कार्यों की तुलना भाजपा अपने दस वर्षों के कार्यकाल से करके दिखाए। जनता के सामने दूध का दूध और पानी का पानी हो जाएगा।

उन्होंने कहा कि सांसद मनीष तिवारी भाजपा के राजनीतिक प्रपंचों के प्रति नहीं, बल्कि चंडीगढ़ की जनता के प्रति जवाबदेह हैं और जनता के हितों के लिए निरंतर संघर्ष कर रहे हैं।

श्रद्धालुओं की सुरक्षा के लिए लॉन्च हुआ 'पहचान ऐप'

अब फर्जीवाड़ा करने वालों की खैर नहीं

अमरनाथ यात्रा 2026 पर जाने वाले श्रद्धालुओं और पर्यटकों के लिए सुरक्षा के लिहाज से एक बेहद राहत भरी खबर सामने आई है।

इस साल की पवित्र यात्रा शुरू होने से ठीक पहले जम्मू-कश्मीर के अनंतनाग जिले की पुलिस ने सुरक्षा व्यवस्था को अभेद्य बनाने के लिए एक बड़ा कदम उठाया है। पुलिस ने 'पहचान ऐप' (Pehchan App) नाम का एक अनूठा डिजिटल प्लेटफॉर्म लॉन्च किया है। यह एक क्यूआर (QR) कोड आधारित मोबाइल ऐप है, जिसका मुख्य उद्देश्य यात्रा मार्ग और प्रमुख पर्यटन स्थलों पर तैनात सेवा प्रदाताओं (Service Providers) को पंजीकृत और सत्यापित (Verify) करना है।

इस तकनीकी पहल का मकसद बाबा बर्फानी के दर्शनों के लिए आने वाले तीर्थयात्रियों को एक सुरक्षित माहौल देना और फर्जी पहचान पत्र के सहारे छिपे संदिग्ध लोगों पर पैनी नजर रखना है।

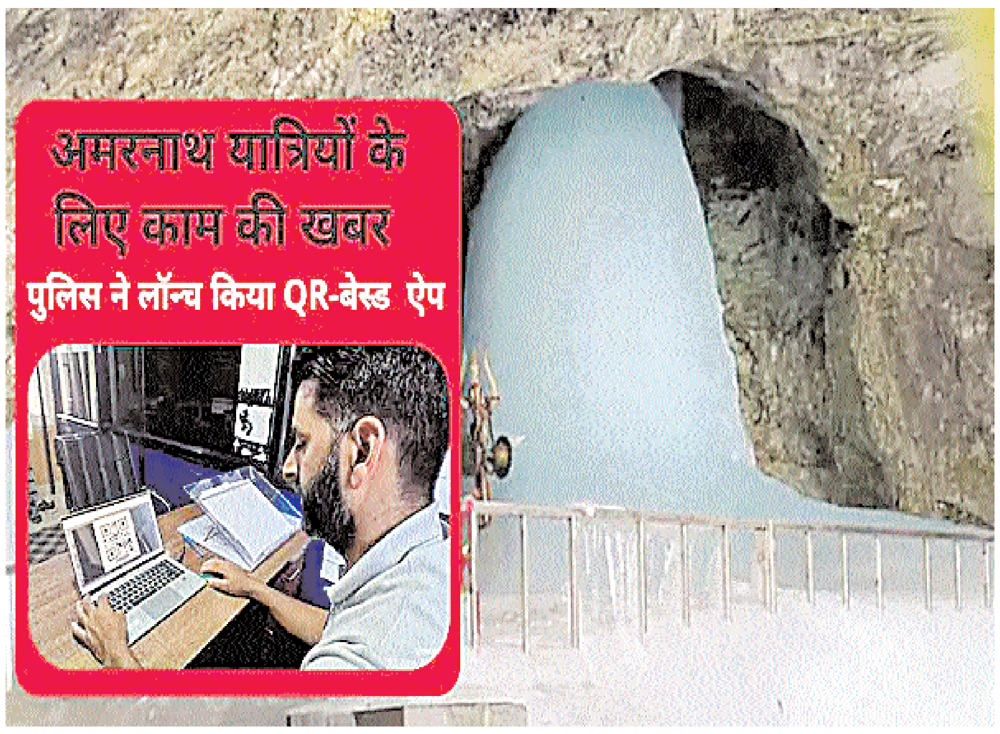

क्या है पहचान ऐप और कैसे करेगा काम?

अनंतनाग पुलिस द्वारा तैयार किया गया यह 'पहचान ऐप' अमरनाथ यात्रा मार्ग, बेस कैंपों और आसपास के पर्यटन स्थलों पर टेंट, घोड़े-खच्चर, पालकी और अन्य जरूरी सेवाएं देने वाले स्थानीय लोगों की पहचान को पूरी तरह से डिजिटल तरीके से रिकॉर्ड करेगा।

ऐप के जरिए प्रत्येक रजिस्टर्ड सेवा प्रदाता को एक यूनिक क्यूआर कोड अलॉट किया जाएगा। यात्रा मार्ग पर तैनात सुरक्षाकर्मी और पुलिस बल मौके पर ही इस क्यूआर कोड को स्कैन करके किसी भी व्यक्ति की प्रामाणिकता और उसके पुराने रिकॉर्ड का वेरिफिकेशन तुरंत कर सकेंगे।

इस डिजिटल ट्रैकिंग से सुरक्षा एजेंसियों के लिए यह पता लगाना बेहद आसान हो जाएगा कि यात्रा मार्ग पर कौन सा व्यक्ति अधिकृत है और कौन अवैध रूप से घूम रहा है।

ज्यादा पैसे वसूलने और विवादों पर लगेगी लगाम

अमरनाथ यात्रा के दौरान कई बार श्रद्धालुओं से स्थानीय स्तर पर सेवाओं के नाम पर तय रेट से ज्यादा पैसे वसूलने, धोखाधड़ी और बदसलूकी जैसी शिकायतें सामने आती रही हैं।

पुलिस प्रशासन का दृढ़ विश्वास है कि इस नई और रेगुलेटेड डिजिटल व्यवस्था के लागू होने के बाद यात्रियों के साथ होने वाले ऐसे विवादों, ओवरचार्जिंग और अव्यवस्था जैसी गंभीर समस्याओं पर पूरी तरह से लगाम लग जाएगी। अगर कोई सेवा प्रदाता किसी गड़बड़ी में शामिल पाया जाता है, तो ऐप में मौजूद उसके डेटा के जरिए उसे तुरंत ट्रैक कर ब्लैकलिस्ट किया जा सकेगा।

अभेद्य होगी अमरनाथ यात्रा की सुरक्षा, गैर-पंजीकृत लोगों की एंट्री बैन

अनंतनाग पुलिस के आला अधिकारियों के अनुसार, इस ऐप का मूल और मुख्य उद्देश्य अमरनाथ यात्रा के दौरान पूरे रूट की सुरक्षा व्यवस्था को तकनीकी रूप से मजबूत बनाना है। यह ऐप सुरक्षा बलों को रजिस्टर्ड और वेरिफाइड लोगों को उन गैर-पंजीकृत लोगों से पल भर में अलग करने में मदद करेगा, जो बिना अनुमति के संवेदनशील इलाकों में दाखिल होने की कोशिश करते हैं।

इसके लागू होने से देश-विदेश से आने वाले श्रद्धालुओं को केवल भरोसेमंद और सत्यापित लोगों से ही सेवाएं मिलेंगी, जिससे आतंकी खतरों और अन्य सुरक्षा से जुड़े जोखिमों को काफी हद तक कम किया जा सकेगा। यात्रा शुरू होने से पहले ही इस ऐप पर बड़े पैमाने पर रजिस्ट्रेशन की प्रक्रिया शुरू कर दी गई है।

दूल्हा-दुल्हन को हल्दी लगाने के बाद घर में क्यों कर दिया जाता है कैद?

हिंदू धर्म में शादी से पहले कई तरह की रस्मों को निभाया जाता है। इसमें हल्दी से जुड़ी रस्म सबसे प्रमुख मानी जाती है। लेकिन क्या आप जानते हैं कि, हल्दी लगाने के बाद दंपत्ति को घर से बाहर क्यों नहीं जाने दिया जाता है?

आज भी कई घरों की शादियों में इस रस्म को पारंपरिक और श्रद्धापूर्वक निभाया जाता है। इसके पीछे धार्मिक और वैज्ञानिक दोनों कारण हैं। आइए जानते हैं इस परंपरा को निभाने के पीछे का असल कारण क्या है?

शादी में हल्दी की रस्म का महत्व

हिंदू संस्कृति में हल्दी का खास महत्व है। यह एकमात्र मसाला ही नहीं, बल्कि आयुर्वेद के नजरिए से भी अत्यंत लाभकारी माना जाता है। हल्दी का इस्तेमाल सिर्फ शादी समारोहों में सौंदर्यता के लिहाज से ही नहीं किया जाता है, बल्कि इसे शादी की तैयारियों का शुभ प्रतीक भी माना जाता है। हल्दी लगाने से नकारात्मक ऊर्जा दूर होने के साथ मन भी शांत होता है।

हल्दी सौभाग्य और सुरक्षा का प्रतीक

धार्मिक नजरिए से देखा जाए तो, हल्दी लगाने के बाद इसी सुंगध हमारे शरीर में नकारात्मक और सकारात्मक दोनों तरह की ऊर्जाओं को आकर्षित करती है। हल्दी लगाने के बाद हमारा शरीर काफी ऊर्जावान हो जाता है। ऐसी स्थिति में अगर आप हल्दी लगाने के बाद घर से बाहर जाते हैं और किसी भी तरह की नकारात्मक या अशुभ ऊर्जा के प्रभाव में आते हैं, तो इसका अशुभ प्रभाव वैवाहिक जीवन पर भी देखने को मिल सकता है। इसी वजह से दूल्हा और दुल्हन को हल्दी लगाने के बाद घर से बाहर जाने की अनुमति नहीं दी जाती है, ताकि उनकी सकारात्मक ऊर्जा बरकरार रहे और विवाह में कोई बाधा न आए।

ज्योतिष शास्त्र के अनुसार, हल्दी की सुंगध राहु और केतु जैसे ग्रहों से जुड़ी होती है। शादी में हल्दी की रस्म के बाद घर से बाहर निकलने से इन ग्रहों का प्रभाव भी बढ़ सकता है, जिससे मानसिक समस्याएं हो सकती हैं। इसलिए दूल्हा और दुल्हन को हल्दी की रस्म के बाद घर के अंदर ही रहने की सलाह दी जाती है।

हल्दी रस्म का सामाजिक पहलू

हल्दी की रस्म का सामाजिक पहलू यह कहता है कि, दूल्हा और दुल्हन को रस्म के बाद घर पर रहकर ही अपने परिवार और रिश्तेदारों के साथ समय बिताना चाहिए। इस पल को नवविवाहित जोड़े के बीच पारिवारिक बंधन और एकता का प्रतीक माना जाता है।

इस दौरान घर के सभी सदस्य जिनमें रिश्तेदार और खासकर महिलाएं शामिल हैं, दूल्हा-दुल्हन के लिए गीत गाते हैं और उन्हें हल्दी लगाते हैं। यही वजह है कि, हल्दी की रस्म धार्मिक, वैज्ञानिक और सामाजिक नजरिए से खास मानी जाती है।

हल्दी के वैज्ञानिक कारण

इस विवाह से जुड़े अनुष्ठान के पीछे वैज्ञानिक कारण यह है कि, हल्दी एक प्राकृतिक एंटीसेप्टिक है, जो स्किन में गहराई तक प्रवेश करती है। हल्दी लगाने के बाद त्वचा काफी संवेदनशील हो जाती है। इस दौरान धूप में निकलने से जलन या त्वचा काली पड़ सकती है।

इसी वजह से पुराने समय में लोग कहा करते थे कि, हल्दी लगने के बाद दूल्हा-दुल्हन को बाहर नहीं जाना चाहिए, ताकि चेहरे की चमक और सुंदरता बनी रहे और किसी भी तरह की एलर्जी का खतरा भी न हो। शरीर पर हल्दी मलने से रोमछिद्र खुलने के साथ त्वचा साफ हो जाती है, जिस पर गंदगी और धूल आसानी से जमा हो जाती है। यही वजह है कि, शरीर में हल्दी लगाने के बाद दूल्हा-दुल्हन घर से बाहर नहीं जाते हैं।

अधिकमास की मासिक शिवरात्रि कब है?

जानें डेट, शुभ मुहूर्त और पूजा विधि

हर साल फाल्गुन माह के कृष्ण पक्ष की चतुर्दशी तिथि के दिन महाशिवरात्रि का पावन पर्व मनाया जाता है. पौराणिक मान्यताओं के अनुसार, इसी दिन महादेव और माता पार्वती विवाह के पवित्र बंधन में बंधे थे. इस दिन विधि-विधान से शिव-पार्वती का पूजन किया जाता है. इसके अलावा हर माह के कृष्ण पक्ष की चतुर्दशी तिथि को शिवरात्रि मनाई जाती है. इसको मासिक शिवरात्रि कहा जाता है. इस शुभ अवसर पर भगवान शिव और मां पार्वती की साधना का विशेष फल मिलता है.

धार्मिक मान्यता के अनुसार, इस दिन शिव जी और माता पार्वती का पूजन करने से सुख-समृद्धि बढ़ती है. अभी अधिकमास चल रहा है. इस माह के व्रत और त्योहार का विशेष महत्व होता है, चूंकि ये माह तीन साल में एक बार आता है. अधिकमास की मासिक शिवरात्रि बहुत साख होती है. इस साल ज्येष्ठ अधिकमास की मासिक शिवरात्रि 13 जून को मनाई जाएगी. आइए जानते हैं इस दिन का शुभ मुहूर्त और पूजा विधि.

अधिकमास मासिक शिवरात्रि तिथि : पंचाग के अनुसार, ज्येष्ठ अधिक माह के कृष्ण पक्ष की चतुर्दशी तिथि की शुरुआत 13 जून को दोपहर 04 बजकर 07 मिनट पर हो रही है.

- इस तिथि का समापन 14 जून को 12 बजकर 19 मिनट पर होगा.
- ऐसे में ज्येष्ठ अधिकमास की मासिक शिवरात्रि 13 जून को मनाई जाएगी.

अधिकमास मासिक शिवरात्रि शुभ मुहूर्त : ब्रह्म मुहूर्त सुबह 04 बजकर 02 मिनट से 04 बजकर 42 मिनट तक रहेगा. अभिजित मुहूर्त सुबह 11 बजकर 53 मिनट से 12 बजकर 49 मिनट तक रहेगा. विजय मुहूर्त दोपहर 02 बजकर 41 मिनट से 03 बजकर 37 मिनट तक रहेगा. गोधूलि मुहूर्त रात 07 बजकर 18 मिनट से 07 बजकर 39 मिनट तक रहेगा. निशिता मुहूर्त रात 11 बजकर 01 मिनट से 12 बजकर 41 मिनट तक रहेगा.

मासिक शिवरात्रि पूजा विधि

अधिकमास की मासिक शिवरात्रि के दिन सुबह जल्दी उठकर स्नान करें और साफ कपड़े पहनें. मंदिर में पर चौकी बिछाकर उस पर लाल कपड़ा बिछाएं. चौकी पर शिवलिंग की स्थापना करें. शिवलिंग को पंचामृत से स्नान कराएं और उस पर बेल पत्र अर्पित करें. शिवलिंग को फूलों और चंदन से सजाएं. दीपक जलाएं और धूप दें. शिवलिंग को फल और मिठाई का भोग लगाएं. उं नमः शिवाय, उं महादेवाय नमः मंत्र का जाप करें. शिव महापुराण की कथा सुनें. अंत में आरती करके पूजा का समापन करें.

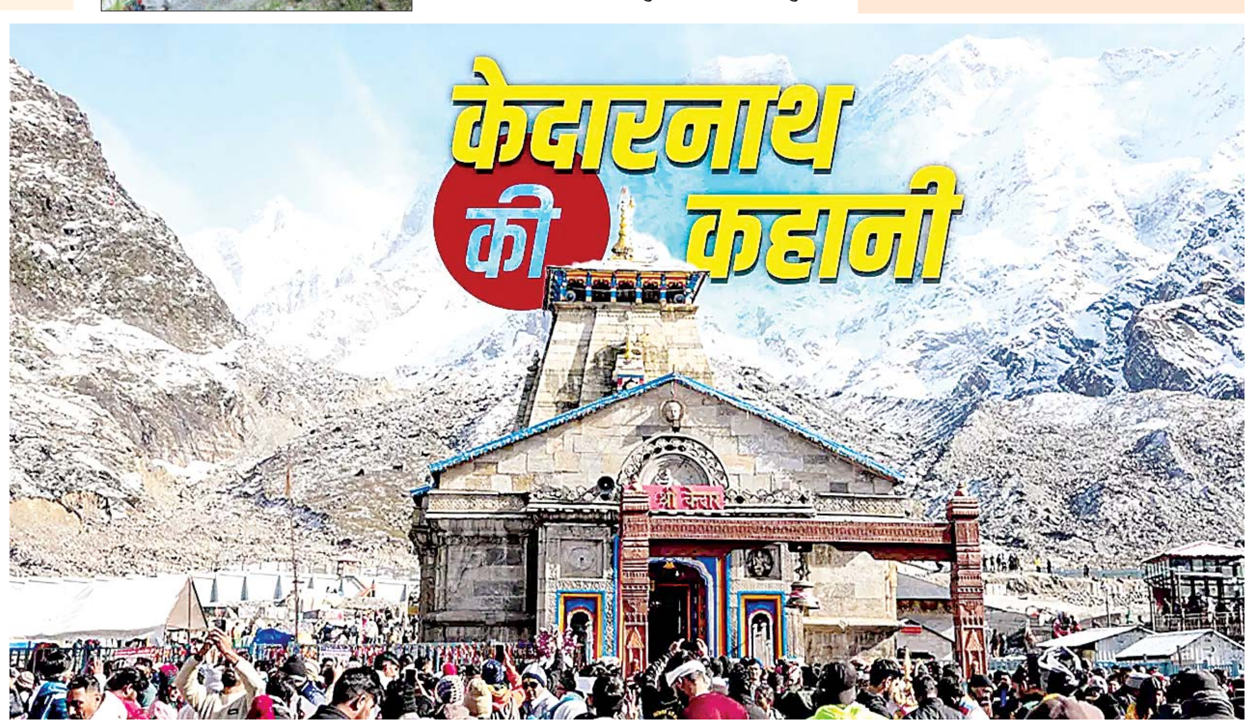

भैंसे की पीठ को शिव का रूप मानकर होने लगी पूजा, बड़ी रोचक है केदारनाथ की कहानी

उत्तराखंड में पहाड़ों की गोद में बसा है भगवान शिव का पवित्र धाम केदारनाथ. प्रदेश के रुद्रप्रयाग जिले में स्थित केदारनाथ धाम चार पावन धामों में शामिल है. केदारनाथ धाम में भगवान शिव का पवित्र ज्योतर्लिंग स्थापित है. धार्मिक और पौराणिक मान्यताओं के अनुसार, केदारनाथ धाम को द्वादश ज्योतिर्लिंगों में 11वां माना जाता है. यहां बड़ी संख्या में शिव भक्त अपने आराध्य के दर्शन और पूजन के लिए पहुंचते हैं.

इन दिनों केदारनाथ धाम के कपाट खुले हुए हैं. भक्त यहां महादेव का दर्शन और पूजन कर रहे हैं. केदारनाथ की कहानी बड़ी रोचक है. माना जाता है कि पांडवों ने केदारेश्वर ज्योतिर्लिंग के प्रचीन मंदिर का निर्माण करवाया था.

कथा के अनुसार...

केदारनाथ धाम को लेकर प्रचिलित कथा के अनुसार, महाभारत के युद्ध के बाद पांडव पश्चाताप की अग्नि में जल रहे थे. पांडव भाइयों की हत्या के पाप से मुक्ति पाना चाहते थे. इसके लिए उन्होंने महादेव की भक्ति प्रारंभ की. क्योंकि वो जानते थे कि इस पाप से मुक्ति के लिए महादेव का आशीर्वाद आवश्यक है, लेकिन महादेव पांडवों की भक्ति से प्रसन्न नहीं थे. इसलिए वो केदारनााथ चले गए.

महादेव ने कर लिया भैंसे का रूप धारण

हालांकि, पांडव भी उनके दर्शन के लिए केदारनाथ पहुंच गए. इसके बाद भगवान शिव ने भैंसे का रूप धारण कर लिया और अन्य पशुओं के बीच जाकर बैठ गए. ताकि पांडव उनको पहचान न सकें. फिर शिव को तलाशते हुए भीमसेन ने अपना शरीर विशाल कर लिया और अपने पैर दो पहाड़ों पर फैला दिए. जिसके बाद उस पहाड़ के नीचे से सभी पशु तो निकल गए, लेकिन वहां मौजूद एक भैंसे ने ऐसा नहीं किया.

भैंसे की पीठ को शिव का रूप

इसके बाद भीम पूरी शक्ति से भैंसे की ओर झपटे, लेकिन वह जमीन में समाने लगा. तभी भीम ने उसकी की पीठ का पिछला भाग पकड़ लिया. इस पर महादेव पांडवों की ईच्छाशक्ति और भक्ति से प्रसन्न हुए और उन्हें दर्शन देकर भाइयों की हत्या के पाप से मुक्त किया. धार्मिक मान्यता है कि उसी समय से केदारानाथ में भैंसे की पीठ को शिव का रूप माना जाने लगा और पूजा होने लगी.

शिव के दर्शन करने कैलाश गया रावण, तो नंदी का उड़ाया मजाक, फिर हो गया लंका का सर्वनाश

रामायण एक पवित्र हिंदू धर्म ग्रंथ है. रामायण में भगवान श्रीराम के जीवन और उनकी लिलाओं का वर्णन विस्तार से किया गया है. भगवान श्रीराम विष्णु जी के सातवें अवतार माने जाते हैं, जिन्होंने त्रेतायुग में धरती पर धर्म की पुनः स्थापना के लिए जन्म लिया था. भगवान राम ने अहंकारी रावण का वध करके पृथ्वी पर धर्म को दोबारा स्थापित किया था. रावण लंका का राजा था. उसे लंकापति कहा जाता था. रावण महान शिव भक्त और बहुत बड़ा ज्ञानी था. त्रेतायुग में उससे बड़ा पंडित और विद्वान धरती पर कोई दूसरा नहीं था. उसको अपनी ताकत और ज्ञान का बहुत ज्यादा अहंकार था. एक बार रावण अपने आराध्य शिव जी के दर्शन के लिए कैलाश पर्वत पर गया था. इसी दौरान अहंकार में आकर उसने शिव जी के प्रिय गण और वाहन नंदी का मजाक उड़ाया. रावण का अहंकार देखकर नंदी जी ने उसे श्राप दे दिया. नंदी जी का दिया श्राप ही आगे चलकर रावण और उसकी लंका के सर्वनाश का कारण बना. आइए ये रोचक कथा जानते हैं.

पौराणिक कथा के अनुसार...

पौराणिक कथा के अनुसार, एक बार रावण शिव जी से मिलने के लिए कैलाश पर्वत पर गया था. वहां उसकी नजर भगवान शिव के वाहन नंदी पर पड़ी. नंदी को देखकर वो जोर-जोर से हंसने लगा. रावण ने नंदी से कहा कि तुम्हारा स्वरूप वानर जैसा लग रहा है.

रावण के उपहास से नंदी क्रोधित हो गए और अपने अपमान के बदले रावण को श्राप दे दिया. रावण को श्नाप देते हुए नंदी जी ने कहा कि तुमने वानर कहकर मेरा उपहास उड़ाया है. एक दिन वानर ही तुम्हारे और तुम्हारी लंका के सर्वनाश की वजह बनेगा. आगे चलकर जब रावण माता सीता का हरण करके लंका में ले गया तो हनुमान जी माता जानकी की खोज करते हुए लंका पहुंचे, जहां उन्होंने पूरी अशोक वाटिका उजाड़ दी.

हनुमान जी ने कर दिया था लंका का सर्वनाश

फिर जब रावण के आदेश पर मेघनाद हनुमान जी को बंदी बनाकर लाया तो बजरंगबली की पूंछ में आग लगा दी गई. इसके बाद हनुमान जी ने अपनी जलती हुई पूंछ से रावण की सोने की लंका को जला दिया. बाद में रावण और श्रीराम के मध्य हुए युद्ध में रावण की मृत्यु हो गई थी. नंदी के श्राप के प्रभाव की वजह से ही लंका का सर्वनाश वानर रूप में हनुमान जी ने किया था.

यही नहीं रावण के सर्वनाश में यानी युद्ध में भी वानर शामिल थे.